UPHIN/2016/74800

हिन्दी साप्ताहिक

नई सोच, नया जुनून...

करण वाणी

● वर्ष : 09 ● अंक : 50 ● लखनऊ, सोमवार 7 जुलाई 2025 ● मूल्य : 2 रु. ● पृष्ठ : 08

4 बच्चों के अधिकारों पर प्रशासनिक...

5 ब्लाक प्रमुख ने स्थानीय जन समस्याओं...

6 बालिका से दुष्कर्म करने वाले आरोपी...

बाबू बनारसी दास (बीबीडी) ग्रुप के खिलाफ आईटी की बड़ी कार्रवाई

लखनऊ में 100 करोड़ की बेनामी संपत्ति जब्त

करणवाणी न्यूज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के लखनऊ में आयकर विभाग ने लखनऊ में बाबू बनारसी दास ग्रुप के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग ₹100 करोड़ की बेनामी संपत्तियों को जब्त किया है। यह कार्रवाई बेनामी संपत्ति निषेध अधिनियम के तहत की गई, जिसमें अयोध्या रोड के आसपास स्थित कई प्रमुख जमीनें शामिल हैं। जब्त की गई संपत्तियों में उत्तरधौना, जुग्गौर, 13 खास, सरायशेख और सेमरा ग्राम की जमीनें शामिल हैं, जो बाबू बनारसी दास यूनिवर्सिटी के आसपास स्थित हैं। जांच में पता चला कि ये संपत्तियां 2005 से 2015 के बीच खरीदी गई थीं। इन संपत्तियों का कुल मूल्य लगभग ₹100 करोड़ आंका गया है।आयकर विभाग की जांच में सामने आया कि इन बेनामी संपत्तियों के असली लाभार्थी बाबू बनारसी दास ग्रुप की प्रमुख अलका दास और उनके बेटे विराज सागर दास हैं। इसके अलावा, इन संपत्तियों को दो कंपनियों विराज इंफ्राटाउन और हाईटेक प्रोटेक्शन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर दर्ज किया गया था। जब्त की गई संपत्तियों में अयोध्या रोड पर स्थित कई प्रमुख भूखंड शामिल हैं, जो लखनऊ के तेजी से विकसित हो रहे क्षेत्रों में हैं। इनमें से कुछ भूखंडों पर बड़े पैमाने पर निर्माण कार्य चल रहा है, जो बीबीडी ग्रुप के विभिन्न प्रोजेक्ट्स का हिस्सा हैं। इन संपत्तियों की अनुमानित बाजार कीमत 100 करोड़ रुपये से अधिक है, जो इस कार्रवाई की गंभीरता को दर्शाती है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि इन संपत्तियों के संभावित लाभार्थियों में अलका दास, उनके पुत्र विराज सागर दास, तथा विराज इंफ्राटाउन प्राइवेट लिमिटेड व हाईटेक प्रोटेक्शन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड जैसी कंपनियों के नाम सम्मिलित हैं।

बेनामी संपत्ति पर कार्रवाई

आयकर विभाग ने बेनामी संपत्ति निषेध अधिनियम, 1988 के तहत इन संपत्तियों को जब्त किया है, जो बाद में संशोधित रूप में 2016 में लागू हुआ। इस कानून के तहत, बेनामी संपत्तियों को जब्त करने और संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने का प्रावधान है। जांच में पाया गया कि इन संपत्तियों को विभिन्न कंपनियों और व्यक्तियों के नाम पर खरीदा गया था ताकि असली मालिकों की पहचान छिपाई जा सके।

कर्मचारियों के नाम पर संपत्तियां

आयकर विभाग की बेनामी निषेध इकाई ने इस कार्रवाई को अंजाम देने के लिए कई महीनों तक सबूत इकट्ठा किए। जांच में पाया गया कि ये संपत्तियां उन लोगों के नाम पर थीं, जिनके पास इतनी बड़ी संपत्ति खरीदने के लिए कोई वैध आय का स्रोत नहीं था। बाबू बनारसी दास ग्रुप के संचालकों ने कथित तौर पर अपने कर्मचारियों और सहयोगियों को बेनामीदार के रूप में इस्तेमाल किया। आयकर विभाग ने जांच को और गहरा करने का फैसला किया है। सूत्रों के मुताबिक, विभाग अब अन्य संदिग्ध संपत्तियों और बीबीडी ग्रुप से जुड़े वित्तीय लेनदेन की भी जांच करेगा। इस कार्रवाई से लखनऊ के कारोबारी और शैक्षिक समुदाय में हड़कंप मच गया है।

गुमनामी सम्पत्तियों का पता लगाने के लिए जांच अभी भी जारी: अब इस कार्रवाई से यह स्पष्ट होता है कि आयकर विभाग वित्तीय अनियमितताओं और बेनामी संपत्ति के मामलों पर सख्ती से नज़र बनाए हुए है। बीबीडी ग्रुप के खिलाफ यह कदम अन्य समूहों के लिए भी एक चेतावनी के रूप में देखा जा रहा है। आगे की जांच और कार्रवाई जारी है ताकि अन्य गुमनामी सम्पत्तियों का भी पता लगाया जा सके। फिलहाल इस कार्रवाई से अन्य समूहों में हड़कंप मचा हुआ है।

जमीनों के असली लाभार्थी अलका दास

मिली जानकारी के मुताबिक आयकर विभाग के जांच में सामने आया कि ये जमीनें मुख्य तौर से उत्तरधौना, जुग्गौर, टेराखास, सरायशेख और सेमरा गांवों में खरीदे गए थे। बीबीडी ग्रुप के दलित कर्मचारियों के नाम पर ये जमीनें खरीदी गई थी। हालांकि, इन जमीनों के असली लाभार्थी दिवंगत पूर्व केंद्रीय मंत्री अखिलेश दास की पत्नी अलका दास और उनके बेटे विराज सागर दास थे।

बेनामी संपत्तियों की आयकर विभाग कर रहा था जांच

आयकर विभाग के द्वारा बेनामी संपत्तियों को लेकर 2021 से ही जांच चल रही थी जब 2021 में कार्रवाई शुरू हुई तो ज़मीनों को बचाने के लिए खुर्द-बुर्द करने के उद्देश्य से खरीद-फरोख्त भी की जाने लगी हालांकि विभाग द्वारा इन संपत्तियों के खरीद-फरोख्त पर रोक लगा दी गई ताकि कोई आम जनता की जीवन भर की पूंजी गंवानी न पड़े।

सीतारमण ने तीन देशों के समकक्षों से की वार्ता

रियो डी जेनेरियो। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में ब्रिक्स वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों (एफएमसीबीजी) की बैठक के दौरान रूस, ब्राजील और चीन के अपने समकक्षों के साथ अलग-अलग द्विपक्षीय बैठकें कीं। यह जानकारी वित्त मंत्रालय ने अपने एक्स हैंडल पर साझा की है। वित्त मंत्रालय ने बताया कि रूसी वित्त मंत्री एंटोन सिलुआनोव के साथ अपनी बैठक में सीतारमण ने भारत-रूस की दीर्घकालिक साझेदारी को दोहराया और पहलगाम में हालिया आतंकी हमले के बाद समर्थन देने के लिए राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का आभार जताया।

ऋषिकेश-यमुनोत्री हाईवे सहित 67 सड़कें बंद

▸▸ ओजरी के पास बैली ब्रिज का निर्माण कार्य जारी

एजेंसी

उत्तरकाशी। प्रदेश में भारी बारिश के चलते मुख्य राष्ट्रीय राजमार्गों के साथ ही कई सड़कें भी बंद हैं, जिन्हें खोलने के प्रयास किए जा रहे हैं। यमुनोत्री हाईवे पर ओजरी के समीप एनएच विभाग की ओर से करीब 24 मीटर लंबे स्पान के बैली ब्रिज का निर्माण कर रहा है।

मौसम का साथ मिलने पर विभाग ने काम में तेजी लाई। इसके साथ ही स्यानाचट्टी में सिंचाई विभाग की ओर से यमुना नदी में बनी झील के मुहाने से मलबा हटाने का कार्य जारी है। बीते 28 जून को यमुनोत्री हाईवे का हिस्सा ओजरी में बह गया था।

प्रदेश में बारिश के बाद मलबा आने से सड़कों का बंद होने का सिलसिला जारी है। राज्य में ऋषिकेश-यमुनोत्री-राष्ट्रीय राजमार्ग सहित 67 सड़के बंद हैं।

राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के मुताबिक रुद्रप्रयाग जिले में चार ग्रामीण सड़कें, उत्तरकाशी में एक एनएच सहित 11 ग्रामीण सड़कें, नैनीताल में दो, चमोली में एक राज्य मार्ग सहित 21 ग्रामीण सड़कें, पिथौरागढ़ में छह ग्रामीण, अल्मोड़ा में एक राजमार्ग और एक ग्रामीण, बागेश्वर जिले में 11 ग्रामीण, पौड़ी गढ़वाल में तीन ग्रामीण, देहरादून में दो ग्रामीण और टिहरी जिले में तीन ग्रामीण सड़के मलबा आने से बंद हैं। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के मुताबिक बंद सड़कों को खोलने का प्रयास किया जा रहा है।

उत्तराखंड में आज से फिर मानसून रफ्तार पकड़ेगा। मौसम विज्ञान केंद्र ने छह जुलाई को रुद्रप्रयाग, टिहरी, बागेश्वर और देहरादून में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। उधर, मलबा आने से सड़कों के बंद होने का सिलसिला जारी है।

जुनाबगंज चौराहे पर ट्रैफ़िक पुलिस का आतंक, किसान व व्यापारी भयभीत

जुनाबगंज चौराहे पर ट्रैफिक पुलिस वाले बिना उचित कारण के वाहन चालकों को रोकते हैं और फिर उन्हें डरा धमकाकर पैसे वसूलते हैं।

पंकज सिंह चौहान/करण वाणी

लखनऊ ब्यूरो (करण वाणी, न्यूज)। सोले फ़िल्म में जैसे गब्बर के आतंक से किसान और गाँव वाले घर से बाहर नहीं निकलते थे वैसे ही इस टाइम जुनाबगंज चौराहे पर ट्रैफ़िक पुलिस के आतंक से किसान अपनी ट्रैक्टर ट्रॉली व आम आदमी अपनी बाइक लेकर बाहर नहीं निकलता।

ट्रैफ़िक पुलिस का आतंक इस क़दर है कि व्यापारी, किसान और आम जनता भयभीत हैं, आलम यह है कि अगर किसान ट्रैक्टर ट्रॉली से कोई सामान लेकर जा रहा है तो ट्रैफ़िक पुलिस को 200 रुपये देने पड़ेंगे, वहीं अगर व्यापारी ईरिक्शा से कोई भी सामान किसी कस्टमर के यहाँ भेज रहा है तो उसके भी पैसे ट्रैफ़िक पुलिस को देने पड़ेंगे। बिना पैसे दिए आप ट्रैक्टर ट्रॉली या ई रिक्शा नहीं लेकर जा सकते।

नो एंट्री में एंट्री ले रहे भारी वाहन, पुलिस ढूंढ रही हेलमेट, ट्रैक्टर ट्रॉली व ईरिक्शाः लखनऊ कानपुर एलिवेटेड रोड निर्माण के चलते कानपुर और उन्नाव से लखनऊ की तरफ आने वाले भारी वाहन प्रतिबंधित हैं। लेकिन जुराबगंज चौराहे पर यह स्थिति बिल्कुल विपरीत है। यहाँ प्रतिबंधित जोन में धड़ल्ले से भारी वाहनों का आना-जाना जारी है। अब सवाल उठता है कि क्या ट्रैफिक पुलिस इन वाहनों पर रोक नहीं लगा पा रही है, या फिर वाहन चालकों में ट्रैफिक पुलिस का कोई खौफ नहीं है। या फिर ट्रैफिक पुलिस की सह पर नो एंट्री में एंट्री का खेल चल रहा है।

भारी वाहनों के प्रवेश की पड़ताल करण वाणी ने की तो हर रोज ऐसे वाहन लखनऊ कानपुर हाईवे पर दौड़ते हुए दिखाई दिए। बता दें कि ट्रैफिक व्यवस्था बनाए रखने व हादसों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से प्रशासन द्वारा लखनऊ, कानपुर रोड पर भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया गया था। इसके लिए बाकायदा कानपुर से लखनऊ तक हर चौक चौराहे व वैरियर पर भारी वाहनों की नो एंट्री के चेतावनी बोर्ड लगाए गए हैं तो वहीं पुलिस कर्मी भी तैनात किए हुए है। इसके बावजूद ऐसे वाहनों पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध नहीं लग पा रहा है, जिससे ट्रैफिक व्यवस्था बाधित हो रही है वहीं कानपुर-लखनऊ एलिवेटेड निर्माण स्थल पर किसी बड़े हादसे की भी आशंका बनी रहती है।

सूत्रों की मानें तो प्रति बैरियर ट्रैफिक पुलिस प्रति गाड़ी 500 रुपये सुविधा शुल्क वसूलती है, जिसने 500 रुपया दिए उसको नो एंट्री में एंट्री मिल जाती है। नाम न छापने की शर्त पर ट्रक मालिक बताते हैं कि नो एंट्री में आने के लिए प्रति वैरियर प्रतिगाड़ी 500 रूपए देने पड़ते हैं, उन्नाव से लखनऊ तक आने में एक गाड़ी पर 2500 रुपया खर्च होता है, जो ट्राफिक पुलिस नो एंट्री मेंएंट्री देने के लिए वसूलती है।

जुनाबगंज चौराहे से रोज सैकड़ों भारी वाहन नो एंट्री में प्रवेश करते हैं, जिसको ट्रैफ़िक पुलिस अनदेखा करती हैं, लेकिन वही अगर कोई मोटरसाइकिल या फिर किसानों की ट्रैक्टर-ट्रॉली य व्यापारी की कोई गाड़ी अगर दिख जाए तो उसे बिना परेशान किये ट्रैफ़िक पुलिस वाले नहीं छोड़ते हैं उनसे भी 200 से 500 रुपये वसूलते हैं।

अखिलेश यादव पर पुलिस का डिजिटल वार!

▸▸ आधा दर्जन पुलिस कर्मी सस्पेंड, एसएसपी से की गईं थी शिकायत

करणवाणी न्यूज

लखनऊ। फिरोजाबाद में तैनात पुलिस कांस्टेबल द्वारा समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव को लेकर सोशल मीडिया पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी मामले में जांच रिपोर्ट के आधार पर छह पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। एसपी सौरभ दीक्षित के मुताबिक दो जुलाई को पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को लेकर सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी की गयी थी। शिकायत तीन जुलाई को सपा के जिला अध्यक्ष शिवराज सिंह यादव और पूर्व विधायक अजीम भाई ने पुलिस अधीक्षक से की थी। इस पर संज्ञान लेते हुए उन्होंने मामले की जांच क्षेत्राधिकारी सदर चंचल त्यागी को सौंपी थी, जिनकी रिपोर्ट के आधार पर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण कार्यालय में तैनात पुलिसकर्मी प्रदीप ठाकुर समेत छह पुलिसकर्मियों को निलंबित किया गया। ठाकुर ने कथित आपत्तिजनक पोस्ट को स्टेटस पर लगाया, जिसे अन्य पुलिसकर्मियों ने साझा किया।एसपी ने बताया कि इस आधार पर प्रदीप ठाकुर के अलावा मुख्य आरक्षी कुलदीप, राहुल, अमित, अरुण और सौरभ को निलंबित किया गया। सपा के पूर्व विधायक अजीम भाई ने बताया कि तीन जुलाई को सपा जिला अध्यक्ष के साथ पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित से मुलाकात की थी और पोस्ट को साझा करने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने और उन्हें निलंबित करने की मांग की थी।

बेउर जेल से प्रतिबंधित सामग्री बरामद

गोपाल खेमका हत्याकांड

तीन कक्षपाल निलंबित

एजेंसी

पटना। राजधानी पटना के चर्चित व्यवसायी गोपाल खेमका की हत्या ने पूरे बिहार में सनसनी फैला दी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए न सिर्फ पुलिस और प्रशासन हरकत में आया है, बल्कि राज्य सरकार ने भी इसे चुनौतीपूर्ण मामला मानते हुए विशेष जांच दल (स्ढ्ढञ्ज) का गठन कर दिया है। घटना के 36 घंटे बीत जाने के बावजूद मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है, जिससे पुलिस की कार्यशैली पर भी सवाल उठने लगे हैं।

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने इस हत्याकांड को 'सरकार के लिए चुनौती' बताया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने स्पष्ट निर्देश

दिए हैं कि अपराधी चाहे जहां भी छिपे हों, बख्शे नहीं जाएंगे। सम्राट चौधरी ने भरोसा दिलाया कि बिहार पुलिस आम व्यवसायियों की सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए कड़े कदम उठाए जाएंगे। उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि गोपाल खेमका की हत्या हमारे लिए चुनौती का विषय है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एसआईटी का गठन किया है और स्पष्ट निर्देश दिया है कि कहीं भी छिपा अपराधी हो उसके खिलाफ कार्रवाई होगी, वे बख्शे नहीं जाएंगे। बिहार पुलिस पूर्ण रूप से आम व्यवसायियों की सुरक्षा करेगी और पूरी तरह यह सुनिश्चित भी करेगी कि आगे के दिनों में इस तरह की कोई घटना नहीं हो। इस घटना की तह तक जाने की सरकार काम करेगी। चाहे अपराधी हों या अपराध रचने वाले लोग हों, सबको चुन-चुन के निकालने का काम किया जाएगा।

गोपाल खेमका हत्याकांड के संदर्भ में पटना के आदर्श केन्द्रीय कारा बेउर में की गई औचक छापामारी से हड़कंप मच गया। पटना प्रमंडल के आयुक्त और प्रक्षेत्र के महानिरीक्षक के नेतृत्व में की गई इस छापामारी में तीन मोबाइल फोन और अन्य प्रतिबंधित सामग्री बरामद की गई है।

जेल अधीक्षक नीरज कुमार झा ने पुष्टि की कि ड्यूटी में लापरवाही बरतने के आरोप में कक्षपाल अंतोष कुमार सिंह, आशीष कुमार और ओम कुमार गुप्ता को तत्काल निलंबित कर दिया गया है। वहीं, दफा प्रभारी गिरीज यादव, वरिष्ठ प्रभारी नीरज कुमार रजक और जेल उपाधीक्षक अजय कुमार से स्पष्टीकरण मांगा गया है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि आगे की जांच में यदि अन्य कर्मियों की संलिप्तता पाई जाती है तो कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

छापामारी के दौरान प्रशासन ने करीब 100 कैदियों से पूछताछ की है, जो इस हत्याकांड की जांच को एक नई दिशा दे सकता है। जेल में मोबाइल की लगातार बरामदगी और बढ़ती अनुशासनहीनता पर अब गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

बिहार होम गार्ड फाइनल मेरिट लिस्ट जारी

एजेंसी

पटना। बिहार में सरकारी सेवा की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए एक राहतभरी खबर सामने आई है। बिहार होम गार्ड विभाग ने 15,000 पदों पर हो रही भर्ती की फाइनल मेरिट लिस्ट 2025 को आधिकारिक रूप से जारी कर दिया है।

जिन उम्मीदवारों ने शारीरिक मापदंड परीक्षा और शारीरिक दक्षता परीक्षा में हिस्सा लिया था, वे अब अपना अंतिम परिणाम जिलेवार सूची में ऑनलाइन देख सकते हैं। यह लिस्ट विभाग की आधिकारिक वेबसाइट onlinebhg.bihar.gov.in पर उपलब्ध है।

फिलहाल जिन 10 जिलों की मेरिट लिस्ट जारी की गई है, उनमें अररिया, औरंगाबाद, बांका, बेतिया (पश्चिम चंपारण), दरभंगा, किशनगंज, मुंगेर, पूर्णिया, शेखपुरा और शियोहर शामिल हैं। इन जिलों के अभ्यर्थी पोर्टल पर जाकर अपनी डिस्ट्रिक्ट-वाइज मेरिट लिस्ट पीडीएफ फाइल डाउनलोड कर सकते हैं और उसमें अपना नाम या रोल नंबर सर्च कर सकते हैं।

इस भर्ती प्रक्रिया में लिखित परीक्षा का कोई चरण नहीं था, बल्कि पूरी चयन प्रक्रिया पीएमटी और पीईटी के आधार पर की गई। इन शारीरिक परीक्षाओं में सफल होने वाले उम्मीदवारों को अब अगले चरण यानी डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन और मेडिकल जांच के लिए बुलाया जाएगा। इसकी विस्तृत जानकारी प्रत्येक जिले के पोर्टल पर अलग से अपलोड की जाएगी।

कभी भी हो सकता है विश्व युद्ध

एजेंसी

नागपुर। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने रविवार को कहा कि दुनिया में रूस-यूक्रेन और इस्राइल-ईरान जैसे युद्धों के कारण टकराव का माहौल बन गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसी स्थिति बन रही है जिससे कभी भी विश्व युद्ध छिड़ सकता है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी नागपुर में बियॉन्ड बॉर्डर्स नाम के पुस्तक के विमोचन कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि बड़ी महाशक्तियों की तानाशाही और अधिनायकवाद के चलते दुनिया से समन्वय, सौहार्द और प्रेम खत्म होता जा रहा है।

उन्होंने कहा, आज पूरी दुनिया में संघर्ष का वातावरण है। रूस-यूक्रेन और इस्राइल-ईरान के बीच युद्ध जारी हैं। ऐसे हालात बन रहे हैं कि कभी भी वर्ल्ड वॉर जैसी स्थिति पैदा हो सकती है। केंद्रीय मंत्री ने इस मौके पर भारत की सांस्कृतिक विरासत की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत बुद्ध की धरती है, जिसने दुनिया को सत्य, अहिंसा और शांति का संदेश दिया है।

आधुनिक युद्ध तकनीक से बढ़ा खतरा: नितिन गडकरी ने कहा कि युद्ध की तकनीक अब पूरी तरह बदल चुकी है। अब टैंक और पारंपरिक विमान कम उपयोगी हो गए हैं, जबकि मिसाइल और ड्रोन जैसे आधुनिक हथियारों का ज्यादा इस्तेमाल हो रहा है।

उन्होंने कहा अब मिसाइलें सीधे नागरिक बस्तियों पर गिराई जा रही हैं, जिससे मानवता की रक्षा करना मुश्किल होता जा रहा है। यह एक गंभीर समस्या है जिस पर वैश्विक स्तर पर चर्चा की जरूरत है।

राम मंदिर में होगा ध्वजारोहण समारोह, पीएम मोदी सहित हजारों विशेष मेहमान होंगे शामिल

करणवाणी न्यूज

अयोध्या। रामलला के प्राण प्रतिष्ठा की ऐतिहासिक गूंज अभी भी जनमानस में ताजा है। राम मंदिर ट्रस्ट अब एक और भव्य अध्याय जोड़ने जा रहा है। नवंबर में प्रस्तावित ध्वजारोहण समारोह को लेकर तैयारियों ने गति पकड़ ली है। इस पावन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। यह आयोजन एक बार फिर अयोध्या को भक्तिभाव, वैदिक अनुष्ठानों और विश्व भर से जुटने वाले श्रद्धालुओं से सराबोर कर देगा।

ध्वजारोहण समारोह को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की तर्ज पर ही भव्यता प्रदान की जाएगी। मंदिर ट्रस्ट की ओर से मेहमानों की सूची तैयार की जा रही है, जिनमें देश-विदेश के संत, धर्माचार्य, प्रतिष्ठित गणमान्य अतिथि और रामभक्त शामिल रहेंगे। अनुमान है कि हजारों की संख्या में अतिथि इस ऐतिहासिक अवसर के साक्षी बनेंगे। अयोध्या में मेहमानों की आगवानी के लिए तैयारियां जोरों पर हैं। ट्रस्ट और प्रशासनिक तंत्र ने कमरे बुक करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। प्रमुख होटल, धर्मशालाएं और गेस्ट हाउसों में आवास की व्यवस्था की जा रही है। इसके साथ ही सुरक्षा व्यवस्था को भी चाक-चौबंद किया जा रहा है। नवंबर में समारोह के लिए शुभ मुहूर्त भी ज्योतिषियों से निकलवाया जा रहा है। 16 नवंबर व 25 नवंबर दो शुभ तिथियों में से किसी एक तिथि के चयन पर विमर्श हो रहा है।

राम मंदिर के 161 फीट ऊंचे शिखर पर रामध्वज फहराया जाएगा। इसके अलावा परिसर के अन्य सभी मंदिरों के शिखर पर ध्वज फहराया जाएगा। रामध्वज का आरोहण केवल एक प्रतीकात्मक अनुष्ठान नहीं, बल्कि मर्यादा पुरुषोत्तम राम की विजय और धर्म की प्रतिष्ठा का उद्घोष होगा।

लाल सागर में ब्रिटिश जहाज के ऊपर हमला

यमन के तट बनाया गया निशाना

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में संकट के बादल एक बार फिर घिरते दिखाई दे रहे हैं। एपी की रिपोर्ट के मुताबिक रविवार को लाल सागर में मौजूद एक ब्रिटिश जहाज पर यमन के तट से कुछ हथियार बंद लोगों ने रॉकेट्स और बंदूकों से हमला कर दिया। जहाज पर मौजूद एक सुरक्षा दल ने जवाबी कार्रवाई की और हमले का उचित जवाब दिया। यूके मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशनंस सेंटर ने इस बारे में ज्यादा जानकारी देते हुए बताया कि फिलहाल यह संघर्ष जारी है। हालांकि अभी तक किसी ने भी हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। इसकी जांच जारी है।

यमन में हूती विद्रोहियों को बोलबाला है, वह आए दिन इस क्षेत्र में आवाजाही कर रहे जहाजों को निशाना बनाते रहते हैं। ईरान और इजरायल के संघर्ष के दौरान भी हूतियों ने ईरान के प्रति अपने समर्थन का ऐलान करते हुए अमेरिका को धमकी दी थी कि अगर उसने ईरान पर हमला किया तो लाल सागर में अमेरिकी और उसके मित्र देशों के जहाजों पर हमला किया जाएगा। इससे पहले भी हूतियों ने नवंबर 2023 से अब तक 100 से अधिक व्यापारिक जहाजों को मिसाइलों और ड्रोन से निशाना बनाया है, जिसमें दो जहाज डूब गए और चार नाविक मारे गए। आपको बता दें अभी कुछ महीनों पहले ही अमेरिकी नेवी ने यमन के हूतियों के ऊपर बम बरसाए थे, जिसमें हूतियों का काफी इन्फ्रास्ट्रक्चर तबाह हो गया था। बाद में दोनों पक्षों के बीच में शांति समझौता हुआ था लेकिन ईरान पर अमेरिकी हमले के बाद हूतियों ने एक बार फिर से लाल सागर में गुजर रहे जहाजों पर ड्रोन्स और रॉकेट्स से हमला करना शुरू कर दिया है।

संक्षिप्त खबरें

सम्मान, सुरक्षा हेतु राज्यपाल को वीडियो जर्नलिस्ट एसोसिएशन का ज्ञापन

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार में महिलाओं की सुरक्षा एवं सम्मान हेतु महिला सुरक्षा और मिशन शक्ति का मॉडल देश के लिए रोल मॉडल बनकर उभरा है लेकिन लखनऊ में महिला पत्रकारों को लेकर जिस तरह का समाचार पत्र प्रकाशित किया गया उसने उत्तर प्रदेश की महिलाओं की अस्मिता एवं उनकी कार्यशैली पर प्रश्न चिन्ह लगाते हुए एक बड़ा सवाल योगी सरकार पर भी खड़ा किया है। राज्यपाल स्वयं महिला है, ऐसे में वीडियो जर्नलिस्ट एसोसिएशन द्वारा महिला पत्रकारों की सुरक्षा, सम्मान एवं भयमुक्त वातावरण के लिए राज्यपाल को ज्ञापन देकर उचित कार्यवाही की मांग की गई है। राज्य मुख्यालय मान्यता प्राप्त करणवाणी न्यूज समिति के संयुक्त सचिव अनिल सैनी द्वारा पत्रकारों की प्रतिष्ठा और सम्मान हेतु सराहनीय पहल करते हुए वीडियो जर्नलिस्ट एसोसिएशन के माध्यम से मांग पत्र देकर उच्च स्तरीय जांच की मांग की गयी है। अनिल सैनी द्वारा पत्रकारों की इज्जत, गरिमा, मान मर्यादा के लिए उठाए गए इस कदम की सराहना करते हुए वरिष्ठ पत्रकारों द्वारा पूर्ण सहयोग दिए जाने की बात कही है, वहीं अनेक महिला पत्रकारों द्वारा इस गंभीर प्रकरण पर शासन प्रशासन द्वारा कार्यवाही न किये जाने पर धरना दिए जाने की बात उठायी है।

बीना कुमारी गई विदेश यात्रा पर, पार्थसारथी सेन शर्मा संभालेंगे जिम्मेदारी

लखनऊ। वरिष्ठ आईएएस अधिकारी वीना कुमारी मीना लम्बी छुट्टी पर विदेश यात्रा पर गयी हैं। बीना कुमारी मीना रूस की यात्रा पर हैं। बताया गया है कि वे 27 जुलाई तक अवकाश पर रहेगी।आईएएस अधिकारी पार्थ सारथी सेन शर्मा को बीना कुमारी मीना के विभाग का अतिरिक्त प्रभार सौपा गया है।उनके पास अभी तक प्रमुख सचिव चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास एवं आबकारी का दायित्व था,जो अब पार्थसारथी सेन शर्मा को अतिरिक्त प्रभार के रूप में दिया गया है।

कृष्णा नगर में नहर से मिला शव

लखनऊ। राजधानी के कृष्णा नगर थाना क्षेत्र में वीआईपी रोड स्थित गुरुद्वारे के सामने नहर से एक अज्ञात शव मिला है। इस घटना की सूचना मिलते ही कृष्णा नगर पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई। इंस्पेक्टर पीके सिंह के अनुसार, शव को नहर से बाहर निकालने के लिए एसडीआरएफ की टीम को बुलाया गया है। पुलिस शव की पहचान करने में जुटी है। अभी तक मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। आसपास के क्षेत्रों से लापता व्यक्तियों की जानकारी एकत्र कर रही है। स्थानीय लोगों से भी पूछताछ की जा रही है।

कमरे में लटकता मिला नर्सिंग की छात्रा का शव

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के चिनहट इलाके में जीएनएम की छात्रा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। छात्रा प्राइवेट गर्ल्स हॉस्टल में रहती थी। कमरे में छत के पंखे की कुंडी के सहारे दुपट्ट्टे का फंदा बनाकर उसने फांसी लगाई। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। बरिहवा रहराकला सिद्धार्थनगर निवासी पूजा अग्रहरि (22) पुत्री बलराम अग्रहरि लखनऊ के चिनहट सतरीख रोड स्थित मां भगवती कॉलेज ऑफ नर्सिंग में जीएनएम सेकेंड ईयर की छात्रा थी। एक साल पहले पूजा नर्सिंग कॉलेज के बाहर एक प्राइवेट गर्ल्स हॉस्टल में शिफ्ट हुई थी। शनिवार को पूजा ने अपने कमरे में छत के पंखे की कुंडी के सहारे दुपट्टे का फंदा बनाकर फांसी लगा ली। पूजा काफी देर तक जब दिखाई नहीं दी तो सहपाठी उसके कमरे में गई। काफी बार दरवाजा खटखटाने पर अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। उसने खिड़की से झांका, तो पूजा फंदे से लटकती दिखी। उसने इसकी पुलिस को सूचना दी और अन्य सहपाठियों की मदद से नीचे उतारकर अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। लखनऊ में बाबा हॉस्पिटल में नर्सिंग कॉलेज में पूजा की बहन भी पढ़ाई कर रही है। मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस का कहना है कि परिजनों ने कोई तहरीर नहीं दी है। मामले की प्रारंभिक जांच की गई है। उसमें सुसाइड की बात सामने आई है। तहरीर मिलने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

स्टेशन पर छह अवैध वेंडर पकड़े गए

लखनऊ। आरपीएफ और रेलवे की कैटरिंग टीम ने रविवार को चारबाग स्टेशन पर अवैध वेंडिंग के खिलाफ जांच अभियान चलाया। इस दौरान टीम ने छह अवैध वेंडर पकड़े। उनके पास से मिली खाद्य सामग्रियों और पानी की बोतलों को जब्त कर लिया गया। दोनों टीमों ने संयुक्त रूप से प्लेटफार्म नंबर छह और सात पर अभियान चलाया। इस दौरान जयनगर से अमृतसर जा रही ट्रेन की जांच की तो उसमें छह लोग खाद्य सामग्री और पानी की बोतलें बेचते पाए गए। उनसे वेंडिंग लाइसेंस मांगा गया तो कोई दिखा नहीं पाया। इस पर छहों को गिरफ्तार कर लिया गया। आरपीएफ के अनुसार उनके पास से मिली खाद्य सामग्री और पानी की बोतलें गुणवत्ताविहीन मिली है।

आम महोत्सव का हुआ समापन

लखनऊ। अवध शिल्प ग्राम, लखनऊ में तीन दिवसीय आम महोत्सव-2025 का समापन रविवार को पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ। मुख्य अतिथि उद्यान, कृषि विपणन राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार दिनेश प्रताप सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विजेताओं को सम्मानित किया।इस समापन समारोह में वन एवं पर्यावरण, जन्तु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार डा. अरुण कुमार सक्सेना, आबकारी एवं मद्य निषेध राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार नितिन अग्रवाल, विधान परिषद सदस्य जितेन्द्र सिंघल, राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव, जिला पंचायत, रायबरेली की अध्यक्ष रंजना चौधरी, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के अपर मुख्य सचिव बी.एल. मीणा, निदेशक भानु प्रकाश राम संयुक्त निदेशक सर्वेश कुमार व राजीव वर्मा सहित वरिष्ठ विभागीय अधिकारी और विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे।मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने अपने उद्बोधन में प्रदेश के बागवानों से आह्वान किया कि नई तकनीकों को अपनाकर आम उत्पादन की गुणवत्ता बढ़ाएँ। उन्होंने फ्रूट बैगिंग, जैविक खेती, और निर्यात केंद्रित उत्पादन पर बल देते हुए बताया कि सरकार जेवर एयरपोर्ट के पास इंटीग्रेटेड टेस्टिंग एंड ट्रीटमेंट फैसिलिटी स्थापित कर रही है। आगरा में अंतरराष्ट्रीय आलू केंद्र की दक्षिण एशियाई शाखा की स्थापना और हाईटेक नर्सरी, सेंटर ऑफएक्सीलेंस जैसी संरचनात्मक योजनाओं पर भी प्रकाश डाला। किसानों का सम्मान एवं स्वाभिमान हमारी सरकार की प्राथमिकता है। इस महोत्सव में आम उत्पादकों की मेहनत से 15 ग्राम से 05 किलोग्राम तक के आम प्रदेश के लोगों को देखने को मिले। उत्तर प्रदेश आम महोत्सव मिठास एवं प्रगति का संगम बना है। मंत्री नितिन अग्रवाल ने कहा कि फलों से वाइन उत्पादन के लिए प्रदेश सरकार द्वारा नीति बनाई गई है। मलिहाबाद-माल क्षेत्र में आम वाइन प्लांट स्थापित हो चुका है और मेरठ, मुजफ्फरनगर, बरेली में भी जल्द ऐसे संयंत्र शुरू होंगे।मंत्री डॉ. अरुण कुमार सक्सेना ने कहा कि आम बागवानों के लिए आम महोत्सव उनके उत्पादों को प्रदर्शित करने का एक बड़ा मंच प्रदान करता है। यहां पर अनेक प्रकार के आम लोगों को देखने और चखने को मिले। उन्होंने लोगों से पर्यावरण संरक्षण हेतु पौधारोपण करने की अपील की।तीन दिवसीय महोत्सव के दौरान 58 वर्गों में 7 श्रेणियों की प्रतियोगिताओं में आम की लगभग 800 प्रजातियों के 2,853 प्रदर्श नमूने प्रदर्शित किए गए, जिनमें प्रसंस्कृत पदार्थ वर्ग में 108 प्रतिभागियों ने 351 नमूने प्रस्तुत किए। इस महोत्सव में 1,449 प्रतिभागियों की भागीदारी रही। विभिन्न संस्थानों जैसे केन्द्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान, सरदार वल्लभ भाई पटेल कृषि विश्वविद्यालय, आचार्य नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय, सहारनपुर, बस्ती, झांसी और लखनऊ के औद्यानिक केन्द्रों सहित उत्तराखंड, सिक्किम, मध्य प्रदेश के प्रतिभागियों ने भी भाग लिया।महोत्सव में आम आइसक्रीम, आम जलेबी, आम पना, आम हलवा, आम रसगुल्ला आदि जैसे प्रसंस्कृत उत्पादों के स्टॉल भी आकर्षण का केंद्र रहे। तीन दिवसीय महोत्सव में भारी संख्या में आये हुए नागरिको, स्कूली बच्चों ने आम एवं आम के उत्पादों ने ज्ञानवर्धन किया।महोत्सव में दशहरी, लंगड़ा, चौसा, गौरजीत, लखनऊ सफेदा, रटौल, आम्रपाली, पारंपरिक किस्मों के साथ टॉमी एटकिन्स, सन्सेशन, अरुणिका, अम्बिका जैसी रंगीन किस्में आकर्षण का केंद्र रहीं।

यौम-ए-आशूरा पर अकीदतमंदों का सैलाब

पुलिस-प्रशासन की पैनी नजर, चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम

करणवाणी न्यूज

लखनऊ। रविवार को शहर-ए-अदब में आज यौम-ए-आशूरा पूरे एहतराम और अकीदत के साथ मनाया गया, मुहर्रम के दसवें दिन, हजरत इमाम हुसैन और उनके साथियों की कर्बला में हुई शहादत की याद में अजादारों का एक विशाल और रिवायती जुलूस निकला, जिसने पुराने लखनऊ की तारीखघी फ़ज़ा को गम और श्रद्धा के रंग में रंग दिया, इस जुलूस में हर उम्र और हर तबके के लोगों ने शिरकत की, जो इमाम हुसैन की कुर्बानियों को याद करते हुए आंसू बहा रहे थे। इस साल के जुलूस की एक खघस बात यह रही कि इसमें स्वामी सारंग भी शामिल हुए और उन्होंने जंजीर का मातम किया, यह दृश्य गंगा-जमुनी तहजीब की एक खूबसूरत मिसाल पेश करता है, जहाँ अलग-अलग धर्मों के लोग भी इमाम हुसैन के प्रति अपनी श्रद्धा का इजहार करने के लिए एक साथ आते हैं। जुलूस की शुरुआत नाजिम साहब इमामबाड़ा से हुई, जो पुराने लखनऊ के एक ऐतिहासिक स्थल है. यहाँ से यह जुलूस अकबरी गेट, बिल्लौचपुरा, बुलाकी अड्डा और बाजारखघला जैसे मशहूर रास्तों से गुजरता हुआ तालकटोरा स्थित कर्बला तक पहुंच कर संपन्न हुआ. रास्ते भर अजादारों ने नौहाख्वानी की और सीनाजनी करते हुए इमाम हुसैन की याद में मातम किया। इस मौके पर सुरक्षा के कड़े इंतजामात किए गए थे, लखनऊ पुलिस और प्रशासन ने किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए शहर में अभूतपूर्व सुरक्षा व्यवस्था की थी, चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात था और ड्रोन कैमरों से पूरे जुलूस की निगरानी की जा रही थी, सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, पूरे पुराने लखनऊ को 5 जोन और 18 सेक्टर में बांटा गया था, 18 एडिशनल एसपी, 54 डिप्टी एसपी, 1000 से ज्यादा इंस्पेक्टर और सब-इंस्पेक्टर, और 3000 से ज्यादा कांस्टेबल और हेड कांस्टेबल के अलावा पीएसी, आरएएफ और एटीएस कमांडो की टीमें भी तैनात थीं, ट्रैफिक पुलिस ने 18 रास्तों पर डायवर्जन लागू किया था, ताकि आम लोगों को कोई परेशानी न हो और जुलूस भी शांतिपूर्वक संपन्न हो सके। संवेदनशील इलाकों में विशेष निगरानी रखी गई और हर थाने पर क्विक रिस्पांस टीमें (क्यूआरटी) मुस्तैद थीं, पुलिस के आला अधिकारी खुद मौके पर मौजूद रहकर हालात का जायजा ले रहे थे, सोशल मीडिया पर भी लगातार निगरानी रखी जा रही थी ताकि किसी भी तरह की अफवाह या गलत जानकारी को फैलने से रोका जा सके। यह मुहर्रम का जुलूस सिर्फएक धार्मिक आयोजन ही नहीं है, बल्कि यह हजरत इमाम हुसैन की उस महान कुर्बानी की याद भी दिलाता है, जो उन्होंने हक और इंसाफ की राह में दी थी, इमाम हुसैन का रौजा, जो कर्बला में स्थित है, दुनिया भर के मुसलमानों के लिए एक मुकद्दस जगह है. हर साल लाखों जायरीन वहां जाकर इमाम हुसैन को खिराज-ए-अकीदत पेश करते हैं, रौजे की शानदार इमारत, जिसके सुनहरे गुंबद और फिरोजे की नक्काशी देखने लायक है, इमाम हुसैन की अजमत और कुर्बानियों की याद दिलाती है। कर्बला की सरजमीन पर इमाम हुसैन ने जो पैगाम दिया, वह आज भी उतना ही मौजूं है, उन्होंने जुल्म के खिलाफ आवाज उठाने और सच्चाई के साथ खड़े रहने की प्रेरणा दी. लखनऊ के इस यौम-ए-आशूरा के जुलूस में भी यही पैगाम गूंजता सुनाई देता है, जहाँ अजादार अपनी अकीदत और गम का इजहार करते हुए इमाम हुसैन के रास्ते पर चलने का अहद करते हैं. यह जुलूस एकता, भाईचारे और इंसानियत का भी प्रतीक है, जो लखनऊ की तहजीबी विरासत को और भी मजबूत करता है।

कई जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी

47 जिलों में गरज चमक के साथ आकाशीय बिजली गिरने की संभावना

करणवाणी न्यूज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मानसूनी बारिश अगले कुछ दिन पश्चिमी हिस्से में ज्यादा मेहरबान रहने वाली है। सोमवार के लिए मौसम विभाग ने पश्चिमी यूपी के तराई जिलों सहारनपुर, शामली, बरेली, पीलीभीत समेत और उत्तराखंड और दिल्ली एनसीआर से सटे कुल 16 जिलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है साथ ही 47 जिलों में गरज चमक के साथ आकाशीय बिजली गिरने की संभावना जताई गई है।

मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश के पूर्वी हिस्से में अगले तीन चार दिन फिलहाल मानसूनी बारिश के मद्धिम पड़ने के संकेत हैं। इस दौरान पूर्वांचल के इलाकों में बादलों की आवाजाही के साथ छिटपुट बूंदाबांदी के ही आसार हैं। फिलहाल यहां अच्छी बारिश की संभावना न के बराबर है। रविवार को दक्षिणी यूपी और मध्य

प्रदेश से सटे जिलों प्रयागराज, बांदा, चित्रकूट, सोनभद्र आदि में कहीं हल्की तो कहीं मध्यम बारिश देखने को मिली।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि बंगाल की खाड़ी में एक चक्रवाती परिसंचरण की वजह से मानसूनी नमी उड़ीसा और मध्य प्रदेश तक सीमित होकर रह गई है। जिसके परिणाम स्वरूप रविवार को दक्षिणी यूपी और मध्य प्रदेश से सटे जिलों में हल्की से मध्यम बारिश हुई। सोमवार से अगले तीन चार दिन पश्चिमी तराई और मध्य यूपी में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है।

यहां है भारी बारिश होने की संभावना बांदा, चित्रकूट, कौशाम्बी, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, बिजनौर, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, महोबा, झांसी, ललितपुर व आसपास के इलाकों में।

यहां है मेघगर्जन और वज्रपात होने की संभावना: बांदा, चित्रकूट, कौशाम्बी, प्रयागराज, फतेहपुर, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, भदोही, बहराइच, लखीमपुर खीरी, कानपुर देहात, कानपुर नगर, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, गाजियाबाद, हापुड़, गौतम बुद्ध नगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, कासगंज, एटा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, विजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, संभल, बदायूं, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी, ललितपुर व आसपास के इलाकों में।

झांगुर बाबा गिरोह के 14 सदस्यों को तलाश कर रही एटीएस

> एसटीएफ की तीन टीमें भी जुटी मुख्य आरोपितों को ढूंढ़ने में ग्रामीणों से भी पूछताछ कर जानकारी जुटा रही पुलिस

करणवाणी न्यूज

लखनऊ। बलरामपुर में धर्मांतरण कराने से चर्चा में आए मुख्य आरोपी झांगुर बाबा गिरोह का अपना अलग नेटवर्क था। उसके अलावा गिरोह के 14 सदस्य अहम भूमिका में रहते थे। इनका नेटवर्क कुछ समय बाद बलरामपुर से निकल कर यूपी के कई जिलों में फैल गया था। एटीएस और एसटीएफ इन 14 फरार सदस्यों को पकड़ने में लग गई है।

एसटीएफ की तीन टीमें अलग से लगाई गई है। एडीजी कानून व्यवस्था अमिताभ यश ने बताया कि झांगुर बाबा से मिली जानकारी के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

एटीएस सूत्रों के मुताबिक झांगुर बाबा के गिरोह में अधिकतर सदस्य औरैया, सिद्धार्थनगर और आजमगढ़ के लोग हैं। ये लोग अक्सर मधपुर गांव में रहते थे। इस वजह से एटीएस की टीमें गांव में डेरा डाले हुए है। यह टीम ग्रामीणों से झांगुर बाबा के बारे में जानकारियां जुटाने में लगी है। ग्रामीण भी अब खुलकर इन्हें झांगुर की करतूते बता रही है। सिन्धी के इस्लाम बनने से बेखबर थे ग्रामीण ग्रामीणों को इस बात पर हैरानी हुई कि जिस नसरीन, उसके पति व बेटी को वह लोग मुस्लिम समझते थे, वह पहले सिन्धी थे। झांगुर ने उन्हें ब्रेनवॉश कर इस्लाम धर्म कुबूल करा दिया था। नीतू ही नसरीन बनी थी। उसके पति का नाम असली नाम नवीन मोहरा है। झांगुर द्वारा छपवाई गई किताब सदर-ए-तैयबा से आस पास के जिलों में इस्लाम का प्रचार प्रसार किया जाता था। इस किताब को छपवाने के लिए भी विदेशों से फंडिंग की गई थी। इन सदस्यों की हो रही तलाश एटीएस के मुताबिक झांगुर बाबा गिरोह के मुख्य सदस्यों में शामिल महबूब, पिंकी हरिजन, हाजिरा शंकर, एमेन रिजवी (कथित पत्रकार), सगीर की तेजी से तलाश की जा रही है। इनकी गिरफ्तारी होने पर इस गिरोह के नेटवर्क के बारे में और जानकारी मिलेगी।

इस गिरोह के कई सदस्यों के खिलाफ आजमगढ़ के देवगांव थाने में भी वर्ष 2023 में एफआईआर दर्ज हुई थी। इसका ब्योरा भी एटीएस ने आजमगढ़ पुलिस से मांगा है। एटीएस जल्दी ही झांगुर व नीतू उर्फ नसरीन को रिमाण्ड पर लेगी।

तबादलों, ऑनलाइन हाजिरी के खिलाफ शिक्षक करेंगे विरोध प्रदर्शन

> 31 जुलाई को हर जिले में होगा विरोध

करणवाणी न्यूज

लखनऊ। सरकार की शिक्षा एवं शिक्षक विरोधी नीतियों के खिलाफ 31 जुलाई को प्रदेश के सभी जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालयों पर माध्यमिक शिक्षक धरना व प्रदर्शन करेगें। इस निर्णय रविवार को उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ (पांडेय गुट) की दारुलशफ़ा बी ब्लॉक में हुई राज्य परिषद की बैठक में लिया गया।

बैठक की अध्यक्षता कर रहे प्रदेश अध्यक्ष डॉ. जितेंद्र कुमार पटेल ने कहा कि पुरानी पेंशन बहाली, दो हजार बचे शिक्षकों को पुरानी पेंशन का लाभ देने, 2300 तदर्थ शिक्षकों का वेतन भुगतान और नियमितीकरण नहीं किया गया है। इससे शिक्षकों में काफी नाराजगी है। महामंत्री आशीष कुमार सिंह ने निदेशालय स्तर पर लंबित ऑफलाइन तबादला सूची न जारी कर, आनलाइन तबादला पाए शिक्षकों को कार्यभार न ग्रहण कराने पर नाराजगी जताई। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से इस पर तत्काल प्रभावी कार्यवाही करने की माग की। बैठक में शिक्षक नेताओ ने शिक्षकों, छात्रों की आनलाइन हाजिरी के आदेश पर कड़ा विरोध जताते हुए, इसे तत्काल वापस लिए जाने की भी मांग की।

बैठक में प्रधान संरक्षक अमरनाथ सिंह, संरक्षक भगवान शंकर त्रिवेदी, प्रादेशिक उपाध्यक्ष ओम प्रकाश त्रिपाठी, विजय कुमार सिंह, सुरेश चंद वैश्वार, उपाध्यक्ष ओपी त्रिपाठी, सुरेश मित्तल, रमेश चंद सिंह, जगदीश पांडेय, बच्चू लाल भारती, तारा सिंह आदि उपस्थित थे।

अट्ठाइसा क्षत्रिय चेतना समिति की बैठक आयोजित

करणवाणी न्यूज

सरोजनीनगर लखनऊ। रविवार को अट्ठाइसा क्षत्रिय चेतना समिति, लखनऊ की कार्यकारिणी की एक आवश्यक बैठक रघुनाथ एकेडमी विद्यालय, दारोगाखेड़ा में समिति के संरक्षक डॉ. अशोक सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई।बैठक में निम्नलिखित महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए-वर्ष 2024 में गठित तदर्थ समिति वर्ष 2027 तक नियमित रूप से कार्य करेगी।उत्तर प्रदेश रजिस्टार सोसायटी में विधिवत पंजीकरण के पश्चात समिति का खाता किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में शीघ्र खोला जाएगा, जिसमें सदस्यता शुल्क जमा किया जाएगा।वर्ष 2025 में विद्यार्थियों एवं बुजुर्गों का सम्मान समारोह तथा शस्त्र पूजन का कार्यक्रम विजय दशमी को पूर्ववत आयोजित होगा।महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा।समिति का वाट्सएप ग्रुप समय-समय पर महत्वपूर्ण जानकारी के साथ अपडेट किया जाएगा, जैसा कि अध्यक्ष डॉ. अशोक सिंह ने सुझाव दिया।गांव स्तर पर नियुक्त प्रतिनिधियों के सहयोग से सदस्यता अभियान चलाया जाएगा। प्रत्येक 5 वर्ष के लिए सदस्यता शुल्क 500 रुपये रखा गया, जो ऐच्छिक होगा।ग्राम स्तर पर प्रचार-प्रसार एवं जागरूकता अभियान के तहत 12 जुलाई 2025 को ग्राम सभा नारायनपुर और अमावां में गांव प्रतिनिधियों के साथ भ्रमण कर अभियान का शुभारंभ होगा।कार्यक्रम के अंत में समिति के पंजीकरण कार्य के लिए शरद सिंह अमौसी, अवध प्रेस क्लब के निर्विरोध निर्वाचित अध्यक्ष अरविंद सिंह चौहान बनी को हार्दिक बधाई दी गई। बैठक में समिति के वरिष्ठ सदस्य सूर्यपाल सिंह, संरक्षक डॉ. अशोक सिंह, अध्यक्ष डॉ. दिनेश सिंह, महामंत्री कर्नल जितेंद्र सिंह, जे.पी. सिंह चौहान, एडवोकेट दिनेश सिंह, एडवोकेट कप्तान सिंह, अशोक सिंह, बृजपाल सिंह, मीडिया प्रभारी अरविंद सिंह चौहान, कोषाध्यक्ष रामबाबू सिंह सहित अन्य पदाधिकारी और सक्रिय सदस्य उपस्थित थे।

पैरोल पर छूटा सीरियल किलर सोहराब

पत्नी संग फरार: दिल्ली के तिहाड़ जेल में बंद हैं सीरियल किलर भाई सलीम और रुस्तम

करणवाणी न्यूज

लखनऊ। सीरियल किलर भाइयों सलीम, रुस्तम और सोहराब का दहशत राजधानी ही नहीं बल्कि प्रदेश के कई जिलों में है। पिछले कई सालों से तीनों दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद है। कुछ दिन पहले कोर्ट ने सीरियल किलर भाइयों में सबसे छोटे सोहराब को पैरोल दिया। जेल से रिहा होने के बाद वह पत्नी से मिला। पैरोल अवधि तीन पहले खत्म हुई, लेकिन वह वापस नहीं आया। इस पर तिहाड़ जेल से दिल्ली पुलिस को सूचना दी गई। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने यूपी एसटीएफ से संपर्क किया। पिछले तीन दिन से दोनों टीमें तलाश में जुटी है। कैंट के सदर बाजार निवासी सीरियल किलर भाइयों सलीम, रुस्तम और सोहराब ने राजधानी में कई दुस्साहसिक वारदातों को अंजाम दिया। 2004 में रमजान के महीने में सलीम, सोहराब और रुस्तम के सबसे छोटे भाई शहजादे की हुसैनगंज इलाके में कुछ दबंगों ने हत्या कर दी। भाई की हत्या का बदला सलीम, सोहराब और रुस्तम ने ठीक उसी दिन लिया जब ठीक एक साल पहले शहजादे को मौत के घाट उतारा गया था। तीनों भाइयों में दुस्साहस इतना था कि वारदात को अंजाम देने के बाद तत्कालीन एसएसपी लखनऊ आशुतोष पांडेय को फोन कर वारदात की जानकारी दी। एक साथ तीन हत्या करने के बाद सलीम, सोहराब और रुस्तम सीरियल किलर भाइयों के नाम से कुख्यात हो गये। दिल्ली में दिन दहाड़े ज्वेलरी शोरूम में डाका डाल दिया। वहीं, वजीरगंज इलाके में बसपा सरकार के दौरान स्वास्थ्य कर्मचारी और समाजसेवी सैफी की दिन दहाड़े हत्या कर दी। सपा की सरकार आई तो अमीनाबाद में भाजपा पार्षद पप्पू पांडे की अपने खास गुर्गे सुनील शर्मा से हत्या करवा दी। डाका डालने के मामले में दिल्ली पुलिस ने तीनों को आठ वर्ष पूर्व गिरफ्तार किया। इसके बाद से तीनों तिहाड़ जेल में बंद है। वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये कोर्ट में पेश होते हैं। पुलिस के मुताबिक कुछ दिन पहले सोहराब ने पैरोल के लिए कोर्ट में आवेदन किया था। कोर्ट ने मंजूरी दे दी। इसके बाद उसे तिहाड़ जेल से रिहा कर दिया गया। एक जुलाई को उसकी पैरोल अवधि पूरी होने के बाद भी वह तिहाड़ जेल वापस नहीं गया। इसकी जानकारी तिहाड़ जेल के अधीक्षक ने दिल्ली पुलिस को दी। इसके बाद उसकी तलाश शुरू हुई। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने यूपी एसटीएफ से संपर्क कर उसके बारे में जानकारी दी। जिसके बाद यूपी एसटीएफ की टीम को सोहराब की तलाश में लगाया गया।

संभल के पूर्व सांसद शफीकुर्रहमान बर्क के नाती फैज की चौक इलाके में गोलियों से भून कर हत्या करवा दी थी। इसकी वजह सलीम, सोहराब और रुस्तम के परिवार की महिला से मारे गए फैज की नजदीकियां बढ़ने लगी थीं। इसके अलावा सलीम, सोहराब और रुस्तम ने लखनऊ, कानपुर, प्रयागराज, वाराणसी से लेकर दिल्ली में तक व्यापारियों से रंगदारी वसूली और रंगदारी न देने पर जान से मारने के लिए हमले करवाए।

तिहाड़ जेल में रहने के बावजूद सलीम, सोहराब, रुस्तम अपराध की दुनिया में अपने रसूख को कायम किए रहे और मामूली घटनाओं में पेशी के जरिए कई बड़ी साजिशों को रचा और अंजाम दिलवाया। बताया जा रहा है कि सलीम, सोहराब और रुस्तम पर लखनऊ से लेकर दिल्ली तक दो दर्जन से अधिक मामले दर्ज हैं जिसमें हत्या, हत्या का प्रयास, रंगदारी वसूली, डकैती जैसी जघन्य वारदातें शामिल हैं।

आदित्य विजन के 177वें स्टोर का राजाजीपुरम में भव्य शुभारंभ

करणवाणी न्यूज

लखनऊ। आदित्य विजन के नये शोरूम का उद्घाटन 177वें स्टोर ई-1948, ई ब्लॉक, शहीद भगत सिंह मार्ग, राजाजीपुरम, लखनऊ, उत्तर प्रदेश में हुआ। आदित्य विजन उपभोक्ता उपकरणों के लिए बिहार का एक विश्वसनीय और अपने बेहतरीन सर्विस तथा शानदार ऑफर्स के लिए जाना हुआ नाम है। आदित्य विजन ने अपना पहला शोरूम 1999 में पटना के तारामण्डल के सामने शुरू किया, उसके बाद यह कारवां आज 2025 में अपने 177वें शोरूमों के साथ खड़ा है। आदित्य विजन के निदेशक निशांत प्रभाकर ने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर कहा, हम बिहारवासियों के ग्राहकों के समर्थन से स्टोर खोलने के लक्ष्य को पूरा कर पाए हैं। यह सफलता हमारे ग्राहकों, कर्मचारियों और सहयोगियों की निरंतर मेहनत और भरोसे का परिणाम है। आदित्य विजन नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध होने वाला बिहार का पहला इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेल चेन है। इस अवसर पर उन्होंने अपने सभी कर्मचारियों, शुभचिंतकों, सहयोगियों तथा ग्राहकों को उनके विश्वास के लिए उनका हार्दिक धन्यवाद किया। इस दौरान हमने अपने ग्राहकों की सुविधा का निरंतर ख्याल रखा है जिससे उन्हें उनकी खरीदारी में हम अधिक से अधिक सहूलियत दे सके।

आदित्य विजन का मंत्र है अदा करें छोटी किस्तों में सिर्फमूल, ब्याज जाएं बिल्कुल भूल। ब्याज मुक्त फाइनेंस रू 36 आसान मासिक किश्तों में केवल मूल राशि का भुगतान, डेबिट कार्ड द्वारा पेपरलेस फाइनेंस सुविधा, जीरो डाउन पेमेंट पर मनचाहे उत्पाद की खरीदारी और त्वरित डिलीवरी, पुराने इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के बदले सुपर एक्सचेंज ऑफर, हाथों-हाथ आसान लोन सुविधा, जिसमें प्रमुख वित्तीय संस्थान जैसे एचडीएफसी, आईडीएफसी फर्स्ट, आईसीआईसीआई और बजाज फाइनेंस भागीदार हैं।

तीन माह में 7.72 लाख लीटर जब्त, 55 सौ से ज्यादा गिरफ्तार

करणवाणी न्यूज

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर उत्तर प्रदेश आबकारी विभाग ने अवैध शराब के धंधे में लिप्त लोगों के खिलाफ बड़े स्तर पर कार्रवाई की है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में जून माह तक अवैध शराब के निर्माण, बिक्री और तस्करी के 29,784 मामले दर्ज किए गए, जिनमें 7.72 लाख लीटर अवैध मदिरा जब्त की गई। साथ ही 5,559 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें से 1,075 को जेल भेजा गया और तस्करी में शामिल 35 वाहनों को जब्त किया गया। इसके अलावा, विभाग ने जून 2025 में 4,458.22 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया, जो पिछले वर्ष के इसी माह के 3,431.20 करोड़ रुपये की तुलना में 1,027.02 करोड़ रुपये (लगभग 30त्न) अधिक है।

आबकारी एवं मद्यनिषेध राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नितिन अग्रवाल ने बताया कि 6 जून से 20 जून 2025 तक 15 दिनों का विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत 5,079 मामले दर्ज किए गए और 1,42,401 लीटर अवैध शराब बरामद की गई। इस दौरान 924 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें से 189 को जेल भेजा गया। साथ ही, अवैध मदिरा के परिवहन में शामिल तीन वाहनों को जब्त किया गया। यह अभियान अवैध शराब के कारोबार पर नकेल कसने में प्रभावी साबित हुआ। पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 में जून तक 27,276 मामले दर्ज किए गए थे, जिनमें 7.38 लाख लीटर अवैध शराब जब्त की गई थी। उस दौरान 6,426 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया था, जिनमें से 2,062 को जेल भेजा गया और 50 वाहन जब्त किए गए थे। इस वर्ष न केवल मामलों की संख्या में वृद्धि हुई, बल्कि जब्ती और राजस्व संग्रह में भी उल्लेखनीय सुधार देखा गया।

एक वर्ष में देश के अंदर एक लाख और विदेशों में 25 से 30 हजार निजी रोजगार के अवसर दिलाने का लक्ष्य

करणवाणी न्यूज

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए 'उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन' के गठन के प्रस्ताव को अनुमोदित कर दिया। इस मिशन का उद्देश्य न केवल राज्य के युवाओं को देश में रोजगार उपलब्ध कराना है, बल्कि उन्हें विदेशों में भी नियोजन के अवसर दिलाना है वह भी अब सीधे राज्य सरकार के माध्यम से। कैबिनेट की बैठक के बाद सरकार के इस निर्णय की जानकारी दी गई। वित्त एवं संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि बैठक में कुल 30 प्रस्तावों को अनुमोदन प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की यह दूरदर्शी पहल न केवल प्रदेश के युवाओं को सशक्त बनाएगी, बल्कि उत्तर प्रदेश को भारत का वैश्विक मानव संसाधन आपूर्ति केंद्र (ग्लोबल एचआर हब) बनाने की दिशा में भी मील का पत्थर साबित होगी। यह

मिशन राज्य सरकार के उस वादे की पुष्टि करता है जिसमें कहा गया था ÷हर हाथ को काम और हर हुनर को सम्मान।

'हर हाथ को काम' देने के संकल्प को मिलेगी नई ताकत: कैबिनेट बैठक के बाद श्रम मंत्री अनिल राजभर ने जानकारी देते हुए बताया कि अब तक सेवायोजन विभाग केवल रोजगार मेलों और सेवायोजकों के माध्यम से राज्य के बेरोजगार युवाओं को अवसर दिला रहा था। लेकिन अब उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन के गठन के साथ हम देश और विदेश दोनों स्तरों पर अपने युवाओं को सीधी नौकरी दिला सकेंगे। उन्होंने बताया कि मिशन का लक्ष्य एक वर्ष में देश में एक लाख और विदेशों में 25 से 30 हजार युवाओं को सेवायोजित करने का रखा गया है।

विदेशी रोजगार में अब नहीं लेनी पड़ेगी अन्य संस्थाओं की मदद: अनिल राजभर ने बताया कि अब तक विदेशों में रोजगार के लिए राज्य को रिक्रूटिंग एजेंट (आरए) लाइसेंसधारी एजेंसियों पर निर्भर रहना पड़ता था। लेकिन मिशन के गठन के साथ ही सरकार स्वयं आरए का लाइसेंस प्राप्त कर सकेगी, जिससे अब बेरोजगारों को सीधे विदेशों में रोजगार पर भेजा जा सकेगा। श्रम मंत्री ने यह भी बताया कि वैश्विक स्तर पर उत्तर प्रदेश की मैनपावर खासकर पैरा मेडिकल, नर्सिंग स्टाफ, ड्राइवर्स, कुशल श्रमिकों की मांग तेजी से बढ़ रही है। यह मिशन राज्य की उस क्षमता को दिशा और अवसर देने का माध्यम बनेगा। उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन का गठन एक उच्च स्तरीय संस्था के रूप में किया जा रहा है, जो सोसायटी रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1860 के तहत पंजीकृत होगी।

मिशन की प्रमुख गतिविधियां

- देश-विदेश में रोजगार मांग का सर्वेक्षण
- प्रतिष्ठित कंपनियों की सूची तैयार कर उनसे मांग एकत्र करना
- स्किल गैप का आकलन और आवश्यक प्रशिक्षण
- भाषा प्रशिक्षण और प्रि डिपार्चर ओरिएंटेशन
- करियर काउंसलिंग और कैम्पस प्लेसमेंट
- प्लेसमेंट के बाद सहायता व फॉलोअप सेवा

मिशन की प्रमुख गतिविधियां

- शासी परिषद
- राज्य संचालन समिति
- राज्य कार्यकारिणी समिति
- राज्य कार्यक्रम प्रबंधन इकाई (एसपीएमयू)
- जिला कार्यकारिणी समिति

मुख्य कर-करेत्तर राजस्व वाले मदों में जून 2024 के सापेक्ष जून 2025 में 1058.23 करोड़ की वृद्धिः खन्ना

- प्रथम तिमाही मे 72620.18 करोड़ लक्ष्य के सापेक्ष हुई 54186.64 करोड़ की प्राप्ति
- जून में प्राप्त हुआ 17982.96 करोड़ राजस्व

करणवाणी न्यूज

लखनऊ। प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने बताया कि प्रदेश सरकार के मुख्य कर-करेत्तर राजस्व वाले मदों में वित्तीय वर्ष 2025-26 के जून माह में 17982.96 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ जबकि वित्तीय वर्ष 2024-25 के जून माह में 16924.73 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ था। गत वर्ष माह जून की तुलना में वर्तमान वित्तीय वर्ष जून में मुख्य कर-करेत्तर राजस्व प्राप्ति के प्रमुख मद के अंतर्गत 1058.23 करोड़ राजस्व अधिक प्राप्त हुआ। वर्तमान वित्तीय वर्ष की प्रथम तिमाही मे कर राजस्व अंतर्गत 72620.18 करोड़ लक्ष्य के सापेक्ष 54186.64 करोड़ की प्राप्ति हुई है जो माह जून तक राजस्व प्राप्ति के लक्ष्य का 74.6 प्रतिशत है।वित्त मंत्री ने बताया कि माह जून में राज्य कर अंतर्गत राजस्व प्राप्ति के निर्धारित लक्ष्य 14610.26 करोड़ के सापेक्ष 9696.53 करोड़ की प्राप्ति हुई है जो निर्धारित लक्ष्य का 66.4 प्रतिशत है। जून 2024 में राज्य कर के अंतर्गत प्राप्ति 9483.18 करोड़ थी। जीएसटी के अन्तर्गत माह जून 2025 में 6645.52 करोड़ की राजस्व प्राप्ति हुई जबकि गत वर्ष जून 2024 के माह में प्राप्ति 6656.54 करोड़ रही थी। वैट के अन्तर्गत माह जून 2025 में 3051.01 करोड़ की राजस्व प्राप्ति हुई जबकि गत वर्ष माह जून 2024 में प्राप्ति 2826.64 करोड़ रही थी। आबकारी के अन्तर्गत माह जून 2025 में 4458.23 करोड़ की राजस्व प्राप्ति हुई जबकि गत वर्ष माह जून 2024 में प्राप्ति 3432.01 करोड़ रही थी। स्टाम्प तथा निबन्धन के अन्तर्गत माह जून 2025 की राजस्व प्राप्ति 2666.25 करोड़ है जबकि गत वर्ष माह जून 2024 में प्राप्ति 2510.31 करोड़ रही थी। परिवहन के अन्तर्गत माह जून, 2025 की राजस्व प्राप्ति 830.15 करोड़ है जबकि गत वर्ष माह जून 2024 में प्राप्ति 1126.10 करोड़ रही थी। करेत्तर राजस्व की प्रमुख मद भू-तत्व तथा खनिकर्म के अन्तर्गत माह जून 2025 में प्राप्ति 331.80 करोड़ है जबकि गत वर्ष माह जून 2024 में प्राप्ति 373.13 करोड़ रही थी।

अब तक 8,000 से अधिक आवेदन हुए प्राप्त, 14 जुलाई आवेदन की अंतिम तिथि

करणवाणी न्यूज

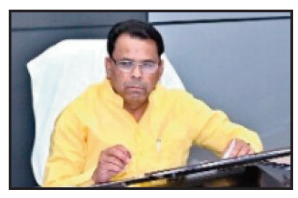

लखनऊ। योगी सरकार ने पिछड़ा वर्ग कल्याण के लिए संचालित योजनाओं को पात्र और जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाने के लिए प्रभावी कदम उठा रही है। शादी अनुदान योजना, छात्रवृत्ति योजना और कम्प्यूटर प्रशिक्षण योजना जैसी पहलों के माध्यम से सरकार ने लाखों युवाओं और परिवारों को आर्थिक और शैक्षिक सहायता प्रदान की है। योगी सरकार ने इन योजनाओं का लाभ अधिकतम पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए हैं।

योगी सरकार ने पिछड़ा वर्ग के शिक्षित व बेरोजगार युवाओं के लिए कम्प्यूटर प्रशिक्षण योजना चला रही है। इसके तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 35 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है। इस योजना के तहत नए वित्तीय वर्ष में अब तक 8,000 से अधिक आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 14 जुलाई निर्धारित की गई है। सरकार ने जनजागरण अभियान चलाकर इस योजना का प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए हैं, ताकि अधिक से अधिक युवा तकनीकी दक्षता हासिल कर रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकें। यह योजना डिजिटल युग में युवाओं को सशक्त बनाने का एक महत्वपूर्ण कदम है। पिछड़े वर्ग के गरीब बेटियों के विवाह के लिए योगी सरकार द्वारा चलाई जा रही शादी अनुदान योजना के अंतर्गत वर्तमान वित्तीय वर्ष में 74,000 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। सरकार ने इन आवेदनों के शीघ्र निस्तारण के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया है। यह योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को उनकी बेटियों की शादी के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करती है, जिससे सामाजिक और आर्थिक बोझ कम होता है। पारदर्शी और समयबद्ध प्रक्रिया के माध्यम से यह योजना जरूरतमंद परिवारों के लिए वरदान साबित हो रही है।

5000 स्कूलों को बंद करने के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन

करणवाणी न्यूज

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में 5000 प्राइमरी और जूनियर विद्यालयों को बंद किए जाने के फैसले के विरोध में कांग्रेस ने जमकर हंगामा किया। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राज्यपाल को संबोधित एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। राय ने कहा सरकार ने एक ओर 5000 स्कूलों को बंद करने का आदेश दिया है। वहीं प्रदेश में इतनी संख्या में मधुशाला खोल दी हैं।

इससे पहले बेगम हजरत महल पार्क से कांग्रेस का मार्च शुरू हुआ। शहादत अली मकबरे के पास अजय राय मार्च में शामिल हुए। यहां से बड़ी संख्या में कांग्रेसी कलेक्ट्रेट पहुंचे। कलेक्ट्रेट के बाहर जम कर प्रदर्शन किया। कांग्रेस ने यह भी स्पष्ट किया है कि यह विरोध सिर्फ एक दिन का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि आगामी विधानसभा सत्र तक इस आंदोलन को धार दी जाएगी। पार्टी ने ब्लॉक से लेकर जिला स्तर तक संगठन को सक्रिय कर दिया है और सभी स्तरों पर सरकार के फैसले का विरोध सुनिश्चित किया जा रहा है। प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता अंशु अवस्थी के अनुसार, ÷प्रदेश में शिक्षा का अधिकार कानून पहले ही कमजोर हो रहा है। अब स्कूल बंद कर देना गरीबों के भविष्य से खिलवाड़ है। हम सरकार को यह कदम वापस लेने के लिए मजबूर करेंगे। प्रदर्शन के बाद जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा जाएगा, जिसमें राज्यपाल से हस्तक्षेप कर स्कूल बंदी के फैसले को रद्द कराने की मांग की जाएगी।

मधुशाला नहीं चाहिए, पाठशाला चाहिएः संजय सिंह

करणवाणी न्यूज

लखनऊ। आम आदमी पार्टी से राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने उत्तर प्रदेश की योगी सरकार और केंद्र की मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में 27 हजार से अधिक सरकारी स्कूलों को बंद करने की साजिश चल रही है। इससे पहले भी हजारों स्कूल या तो बंद किए गए या मर्ज कर दिए गए। संजय सिंह ने सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा बच्चों को मधुशाला नहीं, पाठशाला चाहिए।

योगी सरकार ने शिक्षा को व्यापार बना दिया है। शिक्षकों का भविष्य खतरे में है और मासूम बच्चों को अंधकार में धकेला जा रहा है। उन्होंने कहा कि राइट टू एजुकेशन (आरटीई) के तहत 1 किलो मीटर के भीतर बच्चों के लिए स्कूल होना अनिवार्य है, लेकिन यूपी सरकार खुलेआम इस नियम की धज्जियां उड़ा रही हैं। संजय

9 जुलाई से 'स्कूल बचाओ अभियान', 'आप' कार्यकर्ताओं को मिली बड़ी जिम्मेदारी

सिंह ने कहा कई स्कूल ऐसे हैं जो रेलवे क्रॉसिंग के पार हैं, अगर किसी दिन कोई हादसा होता है तो उसका जिम्मेदार कौन होगा?

उन्होंने यह भी कहा कि बच्चों के अंदर स्कूल जाने का जो उत्साह होता है, उसे यूपी सरकार खत्म कर रही है। संजय सिंह ने बताया कि सोमवार को यूपी के 72 जिलों में आम आदमी पार्टी ने स्कूल बचाओ अभियान के तहत प्रदर्शन किया। अब वे 9 जुलाई से खुद जिलों का दौरा शुरू करेंगे और हर जिले में स्कूल बचाने की मुहिम को जनांदोलन बनाएंगे।हमारी पार्टी का एजेंडा स्कूल और अस्पताल है। हमने दिल्ली में करके दिखाया, पंजाब में कर रहे हैं और अब यूपी में भी करेंगे।संजय सिंह ने एक और गंभीर सवाल उठाया- ÷कांवड़ यात्रा के रास्तों पर गैरवर्दीधारी पुलिस वाले तैनात हैं, जो अपने आप को 'योगी आदित्यनाथ' समझते हैं। इनकी नियुक्ति किसने की, ये किसके अधीन काम कर रहे हैं? उन्होंने पूछा क्या इनके पास कोई अधिकृत आदेश है? 80ः हिंदू को हिंदू नहीं मानती योगी सरकार संजय सिंह ने योगी सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा किष्सरकार 80 प्रतिशत हिंदुओं को ही हिंदू नहीं मानती। सिर्फ धार्मिक चश्मे से समाज को देखा जा रहा है। राजधानी लखनऊ में एक व्यापारी द्वारा परिवार सहित आत्महत्या की घटना का जिक्र करते हुए संजय सिंह ने पूछा क्यों सरकार मूलभूत समस्याओं पर ध्यान नहीं दे रही? क्या स्कूल और व्यापारियों की सुरक्षा किसी एजेंडे में नहीं है?

स्कूलों के मर्जर का विरोध

- स्वामी प्रसाद मौर्या ने कूच किया विधानसभा भवन, पुलिस ने जाने से रोका

करणवाणी न्यूज

लखनऊ। सरकारी स्कूलों के मर्जर का विरोध पूरे प्रदेश में चल रहा है। इसी क्रम में लखनऊ में स्वामी प्रसाद मौर्य ने समर्थकों के साथ विधानसभा भवन की ओर कूच किया। उन्हें पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाकर रोक लिया तो वे सड़क पर बैठ गए। मौर्या की पार्टी के कार्यकर्ताओं ने हजरतगंज स्थित दारुलशफा से विरोध प्रदर्शन शुरू किया। विधानसभा की ओर बढ़ रहे कार्यकर्ताओं और स्वामी प्रसाद मौर्य को बैरिकेडिंग लगाकर पुलिस ने रोक दिया। इसके बाद कार्यकर्ता और पदाधिकारियों नारेबाजी और हंगामा शुरू कर दिया। स्वामी प्रसाद ने कहा कि यह बेहद अफसोसजनक है कि सरकार पाठशाल बंद करके मधुशाला

खोल रही है। हमारी मांग है कि एक राष्ट्र एक शिक्षा लागू किया जाए। दिन-प्रतिदिन आबादी बढ़ रही है जिसको देखते हुए स्कूलों की संख्या बढ़ानी चाहिए मगर यहां उल्टा हो रहा है। भाजपा सरकार यह नहीं चाहती है कि गरीबों और कमजोरों के बच्चे शिक्षा हासिल करें। स्कूल मर्जर के नाम पर पिछड़ों के बच्चों को शिक्षा से दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। न रहेगा बांस न बजेगी बांसुरी। शिक्षकों की कमी को पूरा करने के लिए भर्ती ना करनी पड़े पिछली जाति के लोगों को नौकरी ना देना पड़े इसलिए यह कदम उठाए जा रहा है। रायबरेली जिले से प्रदर्शन में शामिल होने आए दीपक ने कहा कि रायबरेली जिले में 18 ब्लॉक हैं। हर ब्लॉक में 20 से अधिक स्कूल हैं। लगभग 1200 स्कूल बंद किए जा रहे हैं। हमारे ब्लॉक में 38 स्कूल हैं जिन्हें मर्जर के नाम पर बंद किया जा रहा है।

सामाजिक एकता को तोड़ने का प्रयास कर रही सपाः रालोद

लखनऊ। राष्ट्रीय लोकदल उत्तर प्रदेश के मीडिया प्रभारी मयंक त्रिवेदी ने कहा कि सपा प्रदेश की सामाजिक एकता को तोड़ने का सुनियोजित प्रयास कर रही है। जातीय तनाव और आंतरिक विभाजन की राजनीति के माध्यम से सपा ने एकता और भाईचारे की भावना को कमजोर किया है। राष्ट्रीय लोकदल शुरू से ही सामाजिक समरसता और सभी वर्गों के सम्मान के लिए प्रतिबद्ध रहा है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी जयंत सिंह ने सदैव सामाजिक एकता, भाईचारे और समावेशी राजनीति को बढ़ावा देने का काम किया है। रालोद की राजनीति टकराव नहीं, तालमेल की रही है। हम हर वर्ग, हर जाति और हर समुदाय को साथ लेकर चलने में विश्वास रखते हैं, जब कुछ राजनीतिक दल समाज में फूट डालने का प्रयास कर रहे हैं, रालोद की नीतियाँ और नेतृत्व समाज को जोड़ने का मजबूत विकल्प प्रस्तुत कर रहे हैं।

प्राथमिक विद्यालयों का विलय आम बच्चों को शिक्षा से वंचित करने का षड्यन्त्रः एआईपीएफ

करणवाणी न्यूज

लखनऊ। आज आल इंडिया पीपुल्स फ्रन्ट की राष्ट्रीय कार्यसमिति द्वारा पारित प्रस्ताव में कहा गया है कि उत्तर प्रदेश में प्राथमिक विद्यालयों का विलय आम बच्चों को शिक्षा से वंचित करने का षड्यन्त्र है।

उक्त प्रस्ताव में आगे कहा गया है एक तरफसंविधान के प्रावधान के अनुसार बने शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत 6 वर्ष से 14 वर्ष तक के बच्चों को मुफ्त एवं अनिवार्य शिक्षा देने तथा इसे उपलब्ध कराने हेतु उनके निवास के एक किलोमीटर के अंदर विद्यालय स्थापित करने का आदेश है, वहीं उत्तर प्रदेश सरकार ने विद्यालयों में छात्रों की संख्या कम होने का बहाना ले कर विद्यालयों का विलय करने का आदेश जारी किया है। सरकार की इस योजना के अंतर्गत इस वर्ष 5000 तथा आगे चल कर 27,000 विद्यालयों का विलय करने की संभावना है। सरकार की इस जन विरोधी कार्रवाही से प्राथमिक विद्यालयों की बच्चों के घरों से दूरी 1 किलोमीटर से बढ़ कर 2-3 किलोमीटर हो जाएगी जिससे छोटे बच्चों का विद्यालय जाना अति कठिन हो जाएगा। इसका सीधा असर दलित, आदिवासी तथा कमजोर वर्ग के बच्चों के स्कूल में प्रवेश पर पड़ेगा। इसका सबसे बुरा असर लड़कियों की शिक्षा खास करके मिर्जापुर तथा सोनभद्र जैसे अति पिछड़े जिलों पर पड़ेगा क्योंकि वे वर्तमान अराजकता के माहौल में पहले ही बहुत असुरक्षित महसूस करती हैं। उत्तर प्रदेश सरकार की यह जनविरोधी कार्रवाही मोदीजी के ÷बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ÷ के नारे की भी पोल खोल दे रही है। यह भी सर्वविदित है कि किसी भी देश, समाज अथवा परिवार एवं व्यक्ति के विकास में शिक्षा का बहुत बढ़ा योगदान होता है परंतु उत्तर प्रदेश सरकार के इस कदम से आम जन के बच्चे शिक्षा के अधिकार से वंचित हो जाएंगे जोकि किसी भी तरह से व्यक्तिगत अथवा राष्ट्रहित में नहीं है।

लखनऊ में बनेगा प्रदेश का पहला बीज पार्क

करणवाणी न्यूज

लखनऊ। प्रदेश के कृषि, कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने विधान भवन के समिति कक्ष संख्या-8 में बीज प्रसंस्करण उद्यमियों के साथ बैठक की। इस अवसर पर प्रस्तावित चौधरी चरण सिंह बीज पार्क की रूपरेखा प्रस्तुत की गई और नियमों, शर्तों एवं सुविधाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में 35 बीज कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल हुए और उन्होंने प्रतिक्रियाएं साझा कीं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत दृष्टिकोण को साकार करने के लिए उत्तर प्रदेश में पहला बीज पार्क स्थापित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह पार्क प्रदेश को बीज उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाएगा। उद्यमियों के सुझावों को सम्मिलित करते हुए योजना को अंतिम

रूप दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि चौधरी चरण सिंह बीज पार्क लखनऊ जनपद के मालिहाबाद क्षेत्र स्थित अटारी, नवबस्ता एवं सुरती खेड़ा गांवों में कुल 130.63 एकड़ भूमि पर स्थापित किया जा रहा है। यह भूमि राज्य कृषि फार्म के अंतर्गत आती है। इस पार्क में कुल 26 औद्योगिक भूखंड विकसित किए जाएंगे, जो विभिन्न आकारों में होंगे और उन्हें 30 वर्ष की लीज पर, 90 वर्ष तक बढ़ाई जा सकने की सुविधा के साथ, बीज उत्पादन से जुड़ी संस्थाओं को आवंटित किया जाएगा।बीज पार्क में आंतरिक सड़कों, विद्युत, जल, सीवरेज, प्रशासनिक भवन, प्रशिक्षण हॉल, बीज प्रयोगशाला, परीक्षण एवं भंडारण की साझा सुविधाएं, गेस्ट हाउस और हरित क्षेत्र जैसी अधोसंरचनाएं विकसित की जाएंगी। इसके साथ ही आईसीएआर तथा कृषि विश्वविद्यालयों को ज्ञान भागीदार के रूप में जोड़ा जाएगा तथा राष्ट्रीय शोध संस्थानों से तकनीकी मार्गदर्शन और परीक्षण सहयोग लिया जाएगा।बीज पार्क में निवेश को आकर्षित करने के लिए कई प्रोत्साहन दिए जाएंगे। इसमें भूमि पंजीकरण पर 100 प्रतिशत स्टांप शुल्क माफी, बीज इकाइयों को पूंजीगत सब्सिडी अधिकतम 5 करोड़ रुपये तक और हाइब्रिड लैब, स्पीड ब्रीडिंग व बीज परीक्षण प्रयोगशालाओं की स्थापना हेतु 50 प्रतिशत अनुदान 5 करोड़ रुपये तक) शामिल है। साथ ही, बीज प्रसंस्करण इकाइयों को 10 वर्षों के लिए बिजली शुल्क में पूरी छूट दी जाएगी, जिसकी प्रतिपूर्ति कृषि विभाग द्वारा यूपीपीसीएल को की जाएगी। भूखंडों का आवंटन पारदर्शी बोली प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा। इसके अंतर्गत आरंभिक दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे।

सिविल चिकित्सालय कर्मचारी मोर्चा ने डॉ. कजली गुप्ता से की शिष्टाचार मुलाकात

करणवाणी न्यूज

लखनऊ। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सिविल चिकित्सालय की निदेशक डॉ. कजली गुप्ता के पदग्रहण के बाद सिविल चिकित्सालय कर्मचारी मोर्चा द्वारा शिष्टाचार भेंट कर उनका स्वागत किया गया। मोर्चा के संरक्षक एवं फार्मेसिस्ट फेडरेशन के अध्यक्ष सुनील यादव, मोर्चा के अध्यक्ष एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी महासंघ के अध्यक्ष महेंद्र पांडे, मंत्री विवेक तिवारी ने आशा व्यक्त की है कि नवनियुक्त निदेशक के सजग नेतृत्व में सिविल चिकित्सालय सफलता की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा और मरीजों को अच्छी से अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी।

इस अवसर पर प्रभारी अधिकारी फार्मेसी दया शंकर पांडे, उपाध्यक्ष अशोक शुक्ला, अजय कश्यप, चतुर्थ श्रेणी महासंघ के राजेंद्र दुबे, संगठन मंत्री रविंद्र यादव, जावेद,

फिजियोथैरेपिस्ट विवेक तिवारी, एक्सरे टेक्नीशियन जे के निगम, वहां चालक रिजवान अहमद, चीफ फार्मेसिस्ट आनंद प्रकाश मिश्रा, फार्मेसिस्ट रजनीश पांडे, सुरक्षा प्रभारी प्रदीप तिवारी, टेक्निकल प्रभारी धीरज रावत आदि उपस्थित थे ।

बच्चों के अधिकारों पर प्रशासनिक कुठाराघात

सम्पादकीय

आतंकवाद पर वैश्विक मौन अस्वीकार्य

चीन के किंगदाओ में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की रक्षा मंत्रियों की बैठक इस बार भारत की आक्रामक और स्पष्ट कूटनीतिक रणनीति की स्पष्ट साक्षी बनी। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने संयुक्त घोषणापत्र पर हस्ताक्षर करने से जब यह कहते हुए इनकार कर दिया कि उसमें आतंकवाद जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे को नजरअंदाज कर दिया गया है तो यह भारत का केवल एक औपचारिक विरोध नहीं, बल्कि भारत की सुरक्षा प्राथमिकताओं और कूटनीतिक दृढ़ता का स्पष्ट संकेत था। इस विरोध के जरिये उन्होंने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया कि भारत अब केवल प्रतीकात्मक भाषणों और कूटनीतिक शिष्टाचारों से आगे बढ़ चुका है। भारत का संदेश दृढ़ है कि आतंकवाद को सामान्य नहीं माना जा सकता। भारत के इस फैसले को चीन और पाकिस्तान के लिए बड़ा कूटनीतिक झटका माना जा रहा है। भारत का यह कदम एससीओ जैसे बहुपक्षीय मंचों पर दोहरे मापदंडों के खिलाफ खासकर उन देशों के लिए एक चेतावनी है, जो आतंकवाद को अपने रणनीतिक हितों के लिए एक औजार के रूप में इस्तेमाल करते हैं। भारत ने साफ कर दिया कि आतंकवाद के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' की नीति केवल शब्दों तक सीमित नहीं है बल्कि उसके व्यवहार में भी प्रतिबिंबित होती है। भारत का यह कदम पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अलग-थलग करने की रणनीति का हिस्सा तो है ही, चीन को भी यह स्पष्ट संदेश है कि भारत अपने सुरक्षा हितों के साथ कोई समझौता नहीं करेगा। एससीओ की बैठक में राजनाथ सिंह की टिप्पणी, ''आतंकवाद मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा है'' और ''जो देश आतंकवाद को बढ़ावा देते हैं या उसे पनाह देते हैं, उन्हें जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए'', सीधे तौर पर पाकिस्तान की ओर संकेत था, हालांकि उन्होंने उसका नाम नहीं लिया। दक्षिण एशिया पाकिस्तान की आतंकवादी गतिविधियों के कारण ही दशकों से अस्थिरता और हिंसा से जूझ रहा है और अब भारत इस खतरे को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर और मुखरता से उजागर कर रहा है। भारत की इस बार की विशेष आपत्ति पहलगाम हमले को लेकर थी। यह हमला लश्कर-ए-तैयबा की सहायक इकाई 'टीआरएफ' (द रेजिस्टेंस फ्रंट) द्वारा किया गया था, जिसमें 26 निर्दोष नागरिक मारे गए थे। भारत ने एससीओ के मसौदा दस्तावेज में इस हमले का उल्लेख नहीं किए जाने को गंभीर चूक नहीं बल्कि एक सोची-समझी रणनीति माना, जिसके पीछे पाकिस्तान को बचाने की कोशिश साफ दिखती है। भारत का यह रुख अचानक नहीं बना बल्कि यह उस दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है, जिसमें भारत हर अंतरराष्ट्रीय मंच पर आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक सहयोग की बात करता रहा है और दोहरे मानदंडों को उजागर करता रहा है। इससे पहले भी भारत ने बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) में शामिल होने से इनकार कर दिया था क्योंकि उसमें चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) को शामिल किया गया था, जो भारत की संप्रभुता का उल्लंघन करता है। एससीओ की स्थापना 2001 में चीन, रूस, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान और कजाखस्तान के साथ हुई थी। हालांकि इसकी जड़ें 'शंघाई फाइव' से जुड़ी हैं, जो 1996 में चीन, रूस तथा तीन मध्य एशियाई गणराज्यों द्वारा सीमा सुरक्षा विश्वास को बढ़ावा देने के लिए बनाया गया एक समूह है। भारत और पाकिस्तान 2017 में इसके सदस्य बने। इस संगठन का उद्देश्य क्षेत्रीय सुरक्षा, आतंकवाद विरोधी अभियान, आर्थिक सहयोग और सांस्कृतिक संवाद था परंतु बीते वर्षों में यह मंच धीरे-धीरे चीन और पाकिस्तान के राजनीतिक एजेंडे का उपकरण बनता गया है। आतंकवाद जैसे गंभीर मुद्दों पर इस संगठन की चुप्पी उसकी प्रासंगिकता पर प्रश्नचिह्न लगा रही है। इस बार के संयुक्त घोषणापत्र में ब्लूचिस्तान में कथित आतंकी घटनाओं का उल्लेख तो किया गया लेकिन पहलगाम जैसे जघन्य हमले को अनदेखा किया गया। भारत ने इसे पाकिस्तान के आरोपों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर वैधता देने की साजिश बताया। ब्लूचिस्तान में विद्रोही गतिविधियां वहां के लोगों की आत्मनिर्णय की मांग से जुड़ी हैं, जिन्हें पाकिस्तान भारत-प्रायोजित आतंकवाद कहकर गुमराह करने की कोशिश करता है। चीन, जो सीपीईसी के माध्यम से ब्लूचिस्तान में भारी निवेश कर रहा है, पाकिस्तान के इन दावों का समर्थन करता रहा है। यही कारण है कि भारत को इस घोषणापत्र पर हस्ताक्षर करने से स्पष्ट इनकार करना पड़ा। यह पहली बार नहीं है, जब भारत ने एससीओ में ऐसा सख्त रुख अपनाया हो। बिश्केक (2019) और अस्ताना (2024) में भी भारत ने स्पष्ट शब्दों में कहा था कि आतंकवाद पर कोई समझौता नहीं हो सकता। हालांकि उस समय भारत ने दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए थे।

> **"जाति प्रमाणपत्र एक ऐसा दस्तावेज है, जो हमारे समाज की सामाजिक संरचना और संवैधानिक वादों के बीच की गहरी खाई को उजागर करता है। यह केवल आरक्षण या सरकारी योजनाओं की पात्रता का प्रमाण नहीं, बल्कि इस बात का संकेत भी है कि किसी बच्चे को अपने अधिकार पाने के लिए किस प्रकार की सामाजिक स्वीकृति और सरकारी मान्यता की आवश्यकता है। हाल ही में दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण फैसले में यह स्पष्ट किया कि अनुसूचित जाति से संबंधित किसी व्यक्ति का बच्चा भी उसी जाति से माना जाएगा, भले ही उसके माता-पिता के बीच धर्म अलग-अलग हों।**

जाति प्रमाणपत्र जारी करने की प्रक्रिया में बच्चों के अधिकारों और सामाजिक पहचान की उपेक्षा गंभीर चिंता का विषय है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने हाल ही में स्पष्ट किया कि यदि कोई बच्चा अनुसूचित जाति की मां द्वारा पाला गया है और उसी समुदाय के रीति-रिवाजों में बड़ा हुआ है, तो उसे प्रमाणपत्र से वंचित नहीं किया जा सकता, भले ही पिता की जाति भिन्न हो।

यह फैसला बच्चों के संवैधानिक अधिकारों और सामाजिक न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। अब आवश्यक है कि राज्य सरकारें स्पष्ट नीति बनाकर प्रशासनिक भेदभाव की समाप्ति सुनिश्चित करें। जाति प्रमाणपत्र एक ऐसा दस्तावेज है, जो हमारे समाज की सामाजिक संरचना और संवैधानिक वादों के बीच की गहरी खाई को उजागर करता है। यह केवल आरक्षण या सरकारी योजनाओं की पात्रता का प्रमाण नहीं, बल्कि इस बात का संकेत भी है कि किसी बच्चे को अपने अधिकार पाने के लिए किस प्रकार की सामाजिक स्वीकृति और सरकारी मान्यता की आवश्यकता है। हाल ही में दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण फैसले में यह स्पष्ट किया कि अनुसूचित जाति से संबंधित किसी व्यक्ति का बच्चा भी उसी जाति से माना जाएगा, भले ही उसके माता-पिता के बीच धर्म अलग-अलग हों।

यह फैसला उन हजारों बच्चों को राहत देता है, जिन्हें आज भी केवल उनके माता-पिता के धर्म या सामाजिक स्थिति के आधार पर जाति प्रमाणपत्र से वंचित किया जा रहा है। दिल्ली उच्च न्यायालय का यह फैसला एक बहुचर्चित मामले में आया, जिसमें एक विधवा महिला ने अपने बेटे के लिए अनुसूचित जाति प्रमाणपत्र की मांग की थी। महिला दलित समुदाय से थी, जबकि उसके पति अन्य धर्म से संबंधित थे। बच्चे का पालन-पोषण दलित परंपराओं, रीति-रिवाजों और सामाजिक परिवेश में हुआ, लेकिन प्रशासन ने प्रमाणपत्र जारी करने से इंकार कर दिया। तर्क था - पिता की जाति अलग थी, अतः बच्चा उस जाति का नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यह दृष्टिकोण न केवल संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन है, बल्कि बच्चों के विकास के अवसरों पर भी आघात है। न्यायालय ने अपने फैसले में कहा कि ÷जाति एक सामाजिक निर्माण है, जैविक नहीं। यदि बच्चा उस जाति के सामाजिक और सांस्कृतिक परिवेश में बड़ा हुआ है, तो उसे उस समुदाय का हिस्सा माना जाना चाहिए। यह टिप्पणी उन सरकारी अधिकारियों के सोच पर गहरी चोट है, जो जाति को अब भी खून से बंधा हुआ तत्व मानते हैं, न कि सामाजिक परिस्थितियों से जुड़ा हुआ।

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 15 और 16 समानता का अधिकार प्रदान करता है, वहीं अनुच्छेद 46 स्पष्ट रूप से अनुसूचित जातियों और जनजातियों की शैक्षिक और आर्थिक हितों की विशेष सुरक्षा की बात करता है। लेकिन ज़मीनी हकीकत इससे कोसों दूर है। सरकारी दफ्तरों में आज भी जाति प्रमाणपत्र एक कागजी पहचान से ज़्यादा एक पैदाइशी सबूत के रूप में देखा जाता है। अधिकारी, विशेषकर ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में, जाति प्रमाणपत्र जारी करने के लिए ऐसे दस्तावेज़ माँगते हैं जो एक साधारण नागरिक के पास हों भी तो उन्हें मान्यता नहीं मिलती – जैसे मौखिक घोषणाएं, स्थानीय पंचायत की सिफारिश, या जातिगत मान्यता पत्र।

समस्या की जड़ उस मानसिकता में है, जो मानती है कि जाति पिता से तय होती है, न कि सामाजिक पालन-पोषण और सामाजिक पहचान से। विशेषकर जब माता अनुसूचित जाति की हो और पिता अन्य जाति या धर्म का, तो बच्चे की पहचान को लेकर सरकारी तंत्र असहज हो जाता है। बच्चों को उन अधिकारों से वंचित कर दिया जाता है, जिनके वे जन्मसिद्ध हकदार हैं – केवल इसलिए कि वे 'शुद्ध जाति व्यवस्था' के साँचे में फिट नहीं होते।

यहाँ एक और प्रश्न उठता है- क्या जाति प्रमाणपत्र के मामले में पालन-पोषण का महत्व नहीं होना चाहिए? क्या एक बच्चा जो दलित बस्ती में पला-बढ़ा, जिसने सामाजिक अपमान, भेदभाव और आर्थिक अभाव झेला, उसे केवल इस आधार पर वंचित किया जा सकता है कि उसके पिता किसी अन्य जाति या धर्म से थे? दिल्ली उच्च न्यायालय ने इसी प्रश्न का उत्तर देते हुए एक ऐतिहासिक दृष्टिकोण अपनाया – कि जाति कोई आनुवंशिक रोग नहीं, बल्कि सामाजिक उत्तराधिकार है। प्रशासनिक व्यवस्था आज भी औपनिवेशिक सोच से ग्रस्त है, जहाँ हर दस्तावेज़ को संदेह की निगाह से देखा जाता है।

बच्चे और विधवा महिलाओं के मामलों में तो यह और भी जटिल हो जाता है। एक विधवा दलित महिला को बार-बार प्रमाण देना पड़ता है कि उसका बच्चा उसी समुदाय में बड़ा हुआ है – यह न केवल मानसिक पीड़ा है, बल्कि असंवेदनशील राज्य व्यवस्था का प्रत्यक्ष उदाहरण भी है। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (NCPCR) भी कई बार यह सुझाव दे चुका है कि बच्चों को जाति प्रमाणपत्र जारी करने में 'पालन-पोषण' को एक प्रमुख आधार बनाया जाए। लेकिन राज्य स्तर पर नौकरशाही अभी भी इस परिवर्तन के लिए तैयार नहीं है। अधिकारियों को डर है कि यदि सामाजिक पहचान को आधार मान लिया गया, तो फर्जी प्रमाणपत्रों की बाढ़ आ जाएगी। लेकिन यह सोच असल में उन बच्चों के अधिकारों का हनन करती है, जो दोहरे भेदभाव का शिकार होते हैं – एक ओर सामाजिक, दूसरी ओर प्रशासनिक। जाति प्रमाणपत्र न केवल आरक्षण की कुंजी है, बल्कि यह सरकारी छात्रवृत्तियों, प्रतियोगी परीक्षाओं, आवासीय योजनाओं और नौकरियों में प्रवेश का द्वार भी है। जब किसी बच्चे को केवल उसके माता-पिता की जातिगत भिन्नता के आधार पर इससे वंचित किया जाता है, तो यह संविधान की आत्मा पर आघात है। यह उस समानता और न्याय की भावना के विपरीत है, जिसकी स्थापना के लिए संविधान निर्माताओं ने संघर्ष किया था।

यह भी उल्लेखनीय है कि कई बार तो अधिकारियों द्वारा जाति प्रमाणपत्र देने से इनकार करने के पीछे व्यक्तिगत पूर्वाग्रह या राजनैतिक दबाव भी होता है। यदि कोई बच्चा गरीब है, दलित बस्ती में रहता है और उसकी माँ अकेली कमाने वाली है- तब भी उसे प्रमाणपत्र नहीं दिया जाता, जब तक वह 'पिता की जाति' सिद्ध न कर दे। यह पुरुषसत्तात्मक दृष्टिकोण है, जो महिला की सामाजिक स्थिति और उसके बच्चे के अधिकारों को नगण्य समझता है। ऐसे में न्यायालयों की भूमिका निर्णायक हो जाती है। दिल्ली उच्च न्यायालय का यह फैसला एक नज़ीर बने, इसके लिए ज़रूरी है कि केंद्र और राज्य सरकारें स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी करें। यदि कोई बच्चा किसी दलित महिला द्वारा पाला गया है, और समाज में उसकी पहचान उस समुदाय की है, तो उसे जाति प्रमाणपत्र देने में कोई संदेह या अड़चन नहीं होनी चाहिए।

साथ ही, बाल अधिकारों के संरक्षण की दिशा में भी यह आवश्यक है कि शिक्षा विभाग, समाज कल्याण विभाग और बाल आयोग मिलकर ऐसी नीतियाँ बनाएँ, जहाँ बच्चों की सामाजिक पृष्ठभूमि को वरीयता दी जाए- न कि केवल जैविक वंशावली को। यह केवल एक प्रशासनिक सुधार नहीं, बल्कि संवैधानिक न्याय की ओर एक कदम है। यदि हम बच्चों को उनके अधिकारों से वंचित करेंगे, तो वह राष्ट्र जो 'न्याय, स्वतंत्रता और समानता' की बात करता है, केवल एक छलावा बनकर रह जाएगा।

सरोकार

पाक की अध्यक्षता का मतलब

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की पाकिस्तान को अध्यक्षता मिलना जहां कोई आश्चर्यजनक बात नहीं है, क्योंकि यह अस्थाई होती है और इसकी मीयाद सिर्फ एक महीने ही होती है, भारत में कई लोगों को इससे निराशा हुई है। वैसे तो संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता मोटे तौर पर प्रतीकात्मक ही होती है और इसका कोई खास असर नहीं होता है। पाकिस्तान के यूएनएसी के अध्यक्ष बनने से भारत को तकनीकी रूप से किसी तरह की चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि अध्यक्ष देश कोई फैसला अकेले नहीं ले सकता।मगर हां, राजनीतिक और कूटनीतिक रूप से वो कई गड़बड़ियां कर सकता है। जिसका उदाहरण सामने आ भी चुका है क्योंकि यूएनएससी में पाकिस्तान के राजदूत असीम इफ्तिखार अहमद ने कश्मीर मामले पर चर्चा भी शुरू कर दी, जबकि सबको पता है कि ये भारत और पाकिस्तान के बीच का मसला है। पाकिस्तान के पास एजेंडा कंट्रोल करने की पावर है।

वो तय कर सकता है कि किस मुद्दे पर ज्यादा चर्चा हो और किस पर नहीं। ऐसे में भारत को उसकी एक माह की अध्यक्षता पर नजर रखनी होगी। वैश्विक राजनीति में जहां कूटनीतिक स्तर पर भारत अलग-थलग पड़ता नजर आ रहा है, वहीं इस मोर्चे पर पाकिस्तान की अहमियत बढ़ती नजर आ रही है। ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद भारतीय प्रतिनिधियों के कूटनीतिक विश्व भ्रमण के दौरान तमाम देशों को यह समझाने के बावजूद कि पाकिस्तान आतंक का केंद्र और आतंकवादियों की शरणस्थली बना हुआ है, पाकिस्तान के चीन, रूस और अमेरिका के साथ रिश्तों में हाल के महीनों के दौरान नाटकीय गर्मजोशी देखने को मिल रही है। अगर वोटिंग की बॉत करे तो वोटिंग में भी भारत के प्रति अन्य देशों का रूझान ठीक नही रहा। बहरहाल ये भी हो सकता है कि अध्यक्ष बनने के बाद पाकिस्तान चाहे तो खुद को पीड़ित बता सकता है। इसके साथ ही वह सिंधु जल संधि पर भी अपना दुखड़ा रो सकता है कि भारत ने पानी बंद कर दिया है और जैसा कि ये दुनिया का बड़ा मंच है और उसे मौका मिला है तो वो अपना दुखड़ा पूरी दुनिया को पूरी ताकत से सुना सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि वो ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भी उल्टे सीधे बयान दे लेकिन इससे भारत को कोई खास फर्क नहीं पड़ेगा। आतंकियों का पनाहगार और दुनिया के हर मंच पर कश्मीर का राग अलापने वाला पाकिस्तान एक जुलाई से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का अध्यक्ष बनाया गया है और एक महीने तक अध्यक्ष के तौर पर काम करेगा। पाकिस्तान इसी साल जनवरी में दो साल के लिए अस्थायी सदस्य चुना गया था, जिसे वोटिंग के दौरान 193 में से 182 वोट मिले थे।

अब नए नवेले सदस्य बने पाकिस्तान को एक जुलाई से 31 जुलाई तक अध्यक्ष पद की भूमिका निभानी है और अध्यक्ष की कुर्सी पर बैठने के बाद उसके पास कई पॉवर्स होंगे। जैसे पाकिस्तान सुरक्षा परिषद की सभी औपचारिक और अनौपचारिक बैठकों की अध्यक्षता करेगा। परिषद के एजेंडे को तय करने और प्राथमिकताओं को तय करने में खास भूमिका निभाएगा। अध्यक्ष परिषद की ओर से प्रेस स्टेटमेंट और सार्वजनिक घोषणाएं जारी करेगा और परिषद के सदस्यों के बीच संवाद और समन्वय तय करेगा, जिससे परिषद की कार्यवाही सुचारू रूप से चले। इसके साथ ही अगर अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को तत्काल खतरा हो, तो अध्यक्ष देश आपातकालीन बैठक बुला सकता है। इसके साथ ही अध्यक्ष देश को परिषद की बैठकों की कार्यवाही को कंट्रोल करने, वक्ताओं को बुलाने और चर्चा को दिशा देने की शक्ति होती है। हालांकि संभावना तो नहीं है, लेकिन इस एक महीने की अध्यक्षता के दौरान पाकिस्तान कुछ खुराफात कर सकता है। भारत में इस बात को लेकर चिंता है, जो सही भी है कि पाकिस्तान इस मौके का फायदा कश्मीर मुद्दे का अंतरराष्ट्रीयकरण करने के लिए न कर ले और वैश्विक दक्षिण के नेता के रूप में भारत की स्थिति को कोई नुकसान न हो। ध्यान रहे कि ईरान, तुर्की और इस्लामिक देशों के संगठन-ओआईसी जैसे मध्यपूर्व के देशों के साथ भारत के रिश्ते कोई खास अच्छे नहीं हैं और आने वाले दिनों में इनमें कुछ और तनाव जैसी स्थितियां बन सकती हैं। वैसे भी जिसपर आतंकियों को पालने-पोसने और अलग-अलग देशों में अस्थिरता फैलाने की कोशिश जैसे गंभीर आरोप लगते हैं, बावजूद इसके वह इतना जिम्मेदार पद कैसे पा गया ? पहलगाम में हमला हुआ। बाकी देशों ने पाकिस्तान का साथ दिया। लेकिन भारत का साथ किस देश ने दिया ? हमारे पड़ोसी देश भी साथ देने नहीं आए। यूपीए सरकार के समय पड़ोसी देशों से अच्छे संबंध थे। श्रीलंका, बांग्लादेश, नेपाल से अच्छे संबंध थे। तब वे सहयोग करते थे। लेकिन पहलगाम हमले के समय कोई समर्थन करने नहीं आया। इन प्रश्नों और अपनी विदेश नीति पर मोदी सरकार को विचार अवश्य करना चाहिए।

तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामाः उत्तराधिकारी के यक्ष प्रश्न

आध्यात्मिक नेता और तिब्बती स्वायत्तता के शांतिपूर्ण संघर्ष के अग्रणी नेतृत्वकर्ता दलाई लामा तेनजिन ग्यात्सो जीवन के दसवें दशक में प्रवेश कर गये। ऐसे में उनके उत्तराधिकारी का सवाल उठना स्वाभाविक है। परंपरानुसार, दलाई लामा के पुनर्जन्म की खोज तत्कालीन दलाई लामा की मृत्यु के बाद शुरू होती है। लेकिन दलाई लामा ने संकेत दिये कि उनके उत्तराधिकारी के पुनर्जन्म की खोज उनके बाद शुरू होगी और संभव है वह बच्चा तिब्बत के बाहर पैदा हो। उधर, चीनी मंसूबे पुरातन पुनर्जन्म प्रक्रिया के जरिये दलाई लामा बनवाकर तिब्बत का भविष्य नियंत्रित करने के हैं। यह कोई पहली बार दलाई लामा ने नहीं कहा, कि उनका उत्तराधिकारी तय करने का अधिकार चीन को नहीं है। साल 1969 में ही परम पावन यानी दलाई लामा ने स्पष्ट कर दिया था, कि मेरे बाद के दलाई लामा के पुनर्जन्म को मान्यता दी जाए या नहीं, यह तिब्बती मूल के लोगों, मंगोलों, और हिमालयी क्षेत्रों के बौद्ध अनुयायियों को तय करना है। वहीं 24 सितंबर 2011 को अगले दलाई लामा की मान्यता के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश प्रकाशित किए गए, जिससे संदेह या धोखे की कोई गुंजाइश नहीं बची थी। उस दिशा-निर्देश में परम पावन ने घोषणा की थी, कि जब वे लगभग नब्बे वर्ष के हो जाएंगे, तो वे तिब्बत की बौद्ध परंपराओं के प्रमुख लामाओं, तिब्बती जनता, और तिब्बती बौद्ध धर्म में रुचि रखने वाले अन्य संबंधित लोगों से परामर्श करेंगे, और यह आकलन करेंगे, कि उनके बाद दलाई लामा जैसी संस्था जारी रहनी चाहिए, या नहीं।

24 सितंबर 2011 वाले वक्तव्य में दलाई लामा के उत्तराधिकारी की मान्यता के विभिन्न तरीकों की भी खोज की गई है। यदि यह निर्णय लिया जाता है, कि पंद्रहवें दलाई लामा को मान्यता दी जानी चाहिए, तो ऐसा करने की जिम्मेदारी मुख्य रूप से दलाई लामा के 'गादेन फोडरंग फाउंडेशन' के संबंधित अधिकारियों पर होगी, जिसकी स्थापना उन्होंने स्विटजरलैंड के ज्यूरिख में की थी। परम पावन ने कहा था, कि मैं इस बारे में स्पष्ट लिखित निर्देश छोडूंगा। उन्होंने चेताया था, कि 'वैध तरीकों से मान्यता प्राप्त पुनर्जन्म' के अलावा, किसी भी व्यक्ति द्वारा राजनीतिक उद्देश्यों के लिए चुने गए उम्मीदवार को कोई मान्यता या स्वीकृति नहीं दी जानी चाहिए, जिसमें पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के एजेंट भी शामिल हैं। यह मुद्दा आध्यात्मिक महत्व से परे हैय जो एक जटिल भू-राजनीतिक संघर्ष का रूप धारण कर गया है। चीन सदियों पुरानी पुनर्जन्म प्रक्रिया, और तिब्बत के भविष्य को नियंत्रित करने के लिए जी-जान लगाए हुए है। इसे काउंटर करने के वास्ते सीआईए की प्रच्छन्न भूमिका पर पूरी खामोशी है। परंपरागत रूप से, दलाई लामा के पुनर्जन्म की खोज तत्कालीन दलाई लामा की मृत्यु के बाद ही शुरू होती है। वरिष्ठ भिक्षु संकेतों की व्याख्या करते हैं, दैवज्ञों से सलाह लेते हैं, और तिब्बती क्षेत्र में ऐसे बच्चे की तलाश करते हैं, जो पिछले दलाई लामा के गुणों को प्रदर्शित करता हो। इस प्रक्रिया में कई साल लग सकते हैं, जिससे अक्सर आध्यात्मिक और नेतृत्व शून्यता बनी रहती है। लेकिन इस बार, दलाई लामा, तेनजिन ग्यात्सो, नई पटकथा लिख रहे हैं, यह संकेत देते हुए, कि वे अपने उत्तराधिकारी का नाम अभी जीवित रहते हुए भी रख सकते हैं। और हो सकता है, कि बच्चा तिब्बत के बाहर पैदा हो। उन्होंने वचन दिया कि उनका उत्तराधिकारी चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) के नियंत्रण में पैदा नहीं होगा। गत 11 मार्च 2025 को प्रकाशित पुस्तक, 'वॉयस ऑफ द वॉयसलेस' में दलाई लामा ने लिखा है, 'चूंकि पुनर्जन्म का उद्देश्य पूर्ववर्ती के कार्य को आगे बढ़ाना है, इसलिए नए दलाई लामा का जन्म मुक्त दुनिया में होगा।' चीन इस बात से भड़का हुआ है। 17 दिसंबर 1933 को 13 वें दलाई लामा थुबतेन ग्यात्सो की मृत्यु हुई थी। 14वें दलाई लामा की खोज 13वें दलाई लामा की मृत्यु के चार साल बाद 1937 में शुरू हुई थी। 14वें दलाई लामा का राज्याभिषेक समारोह 22 फरवरी 1940 को ल्हासा में हुआ, तब दलाई लामा केवल पांच साल के थे। यह दीगर है, कि 15 साल की उम्र तक, दलाई लामा ने पूर्ण आध्यात्मिक और लौकिक अधिकार ग्रहण कर लिया था। दलाई लामा ने 23 मई 1951 को पेइचिंग जाकर एक 17 सूत्री समझौते पर हस्ताक्षर किया था, तब वो मात्र 16 वर्ष के थे। यह दबाव में किया समर्पण वाला समझौता था, जिसकी बिना पर तिब्बत को चीनी एकाधिकार में आ जाना था।

उन दिनों दलाई लामा स्वयं ताइवान में कम्युनिस्ट विरोधी चीनी सरकार के साथ गठबंधन करने में झिझक रहे थे, दलाई लामा के दूसरे बड़े भाई ग्यालो थोंडुप का सीआईए के साथ-साथ कुओमिन्तांग और उसके नेता चियांग काई-शेक जैसी कम्युनिस्ट विरोधी सरकारों के साथ संपर्क का एक लंबा इतिहास था। थोंडुप ने अपने शुरुआती साल चीन के जियांगसु राज्य की राजधानी नानजिंग में बिताए। नोरबू ने भागने का फैसला किया।

नजरिया

यादों की उड़ान में सिमटती एक विलुप्त होती प्रजाति

वह हमारे गीतों में आती है, किस्सों में आती है, अलंकारों में आती है और प्राचीन भारत के समृद्ध पारिस्थितिकीय इतिहास में आती है। मगर वर्तमान में वह धीरे-धीरे लुप्त होकर अब सिर्फ हमारी यादों और किताबों तक सिमट जायेगी। जी हां, हम सोन चिरैया या सोन चिरिया अथवा ग्रेट इंडियन बस्टर्ड की ही बात कर रहे हैं, जिसका वैज्ञानिक नाम अर्देवोटिस निग्रिसेप्स है और आईयूसीएन ने इसे अत्यंत संकटग्रस्त प्रजाति के खाने में डाल रखा है। इसे हिंदी में सोन चिरैया, मराठी में माळढोक और राजस्थानी में गोडावण कहते हैं। सोन चिरैया लगभग एक मीटर ऊंची होती है, इनमें नर का वजन आमतौर पर 11 से 15 किलो होता है, जबकि मादा 4 से 7 किलो की ही होती है।

इसका जीवनकाल 15 से 20 साल का होता है। अगर ये जंगल में हों तब। इसके लुप्त होते जाने की पारिस्थितिकीय समस्या तो है ही, एक समस्या यह भी है कि यह साल में केवल एक अंडा देती है और उसे भी जमीन पर देती है, जिसे आमतौर पर कुत्तों द्वारा नष्ट कर दिया जाता है। इसलिए भारत की यह खास चिड़िया जो अनेक किस्सों और रहस्यों को अपने साथ

समेटे है, धीरे-धीरे लुप्त होने की कगार पर है, जबकि इसके संरक्षण के लिए प्रयास हो रहे हैं। महाराष्ट्र में तो ननाज माळढोक अभ्यारण्य ही है, जो सिर्फसोन चिरैया के लिए ही समर्पित है, मगर हैरानी की बात यह है कि इस साल के शुरू में ननाज अभ्यारण्य में किये गये सर्वे में कोई भी सोन चिड़िया नहीं मिली। जबकि 1979 में स्थापित किया गया यह सोन चिरैया के लिए विशेष अभ्यारण्य महाराष्ट्र के सोलापुर जिले में स्थित है और इसका क्षेत्रफल 8496 वर्ग किलोमीटर है। यह सोलापुर के ननाज, मांडा, मोहल, कर्नाला और अहमदनगर जिला के कर्जत, श्रीगोंदा और नवाड़ा इलाकों में फैला है। यह इकोरिज्म डेक्कन थॉर्न स्क्रब फॉरेस्ट में आता है, जहां उष्णकटिबंधीय जलवायु और थोड़ी बहुत घास, झाड़ी और विरले पेड़ पाए जाते हैं। वैसे साल 2018 में इनकी अनुमानित संख्या 150 थी। राजस्थान और महाराष्ट्र के अलावा सोन चिरैया गुजरात के कच्छ क्षेत्र में और कर्नाटक व आंध्र प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में भी पायी जाती है। इसके सिर के ऊपरी भाग में एक काली टोपी, ब्लैक कैप होती है। गर्दन स्पष्ट रूप से भूरे रंग की होती है और नर सोन चिरैया में प्रजनन काल के दौरान गले पर पाउच देखा जाता है।

इसके बदौलत वह गहरे स्वर के बुलंद नाटीय आवाज निकालते हैं, जो आधा किलोमीटर तक सुनाई देती है। सोन चिरैया सुबह और शाम सक्रिय रहती है। दिन के समय यह सुस्ती में होती है। मानसून के दौरान यह प्रजनन करती है, तब नर मादा को बुलाने के लिए अपने पाउज से आवाज निकालता है। सोन चिरैया अपना घोसला जमीन पर बनाती है और आमतौर एक या कभी-कभी दो अंडे देती है। एक महीने में इसके निष्क्रिय बच्चे उड़ान भरने के काबिल हो जाते हैं। नर सोन चिरैया बच्चों की देखभाल में जरा भी रुचि नहीं लेते। मादा ही बच्चों को पालती है। सोन चिरैया के इस तरह लुप्त होने के कगार पर पहुंचने का कारण इनकी कमजोर दृष्टि है, जिस कारण ये बिजली के तारों से फंसकर मारे जाते हैं। अकेले थार मरुस्थल के क्षेत्र में ही 18 से 20 सोन चिरैया हर साल मरी पायी जाती हैं, जो कि इनकी कुल आबादी का 15 से 18 फीसदी होती हैं। क्योंकि इनका आवास घास के मैदानों और खेती के बीच होता था, लेकिन अब घास के मैदान खत्म हो रहे हैं और खेती वाली जगहों पर सड़कें, बिजली के तार और रिन्यूएबल एनर्जी योजना के ढांचे खड़े हो जाने के कारण इनके आवास की समस्या पैदा हो गई है। कुत्ते, लोमड़ियां और शिकारी इनके अंडों की तलाश में रहते हैं। जिस कारण इसके संरक्षण की कई तरह की कोशिशें की गई हैं। मसलन शेड्यूल फर्स्ट के तहत इनके शिकार पर पूर्णतः प्रतिबंध लगा दिया गया है और जैसलमेर के सुधासरी और रामदेवरा में इन्हें कैद करके प्रजनन करवाया जाता है। वर्ष 2025 तक ऐसे 20 बच्चे जन्म ले चुके थे, जिस कारण इनके संरक्षण की टिमटिमाती आस देखी जा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने नेशनल बस्टर्ड रिकवरी प्लान 2013 को ध्यान में रखते हुए, इनके इलाकों में बिजली के तारों को जमीन के अंदर से ले जाने के आदेश दिए हैं। साथ ही इनके संरक्षण के लिए साल 2024-25 में 56 करोड़ रुपये भी मंजूर किये गये थे। जबकि इसके पहले यह राशि 33 करोड़ रुपये थी। राजस्थान और गुजरात के संरक्षित इलाकों में सोन चिरैया को बचाये जाने की उम्मीद की जाती है। रामदेवरा में पिछले साल 3 बच्चे जन्मे थे और अलग अलग संरक्षण केंद्रों में भी 3 से 4 बच्चे जन्में थे।

कुल मिलाकर सोन चिरैया भारत की एक प्रमुख फ्लैगशिप ग्रास लैंड प्रजाति की चिड़िया है और इसका बचाव न केवल पर्यावरण संतुलन बनाये रखने में मदद करता है बल्कि झाड़ीदार व घास के मैदानों का संरक्षण भी सुनिश्चित करता है। यही कारण है कि संरक्षण की चुनौतियों के बावजूद सरकार, एनजीओ, वैज्ञानिक और स्थानीय समुदाय इनके संरक्षण में लगे हुए हैं। साल 1979 में सोलापुर में जवाहरलाल नेहरू बस्टर्ड सेंचुरी की शुरुआत की गई थी, जिसके लिए 15240 पेड़ काटे गये थे तथा इसके अनुकूल वातावरण बनाया गया था।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक सीमा सिंह द्वारा प्वांइट ऑफसेट, 86/98 कुर्मी टोला गुरुगोविन्द्र सिंह मार्ग, लालकुआं, लखनऊ-226018 से मुद्रित एवं पहाड़पुर, पोस्ट बंथरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
सम्पादक-पंकज सिंह मो-9415067370 आरएनआई - UPHIN/2016/74800 मेल आईडी-karnvaninews@gmail.com website : karnvaninews.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।)

संक्षिप्त खबरें

बीते दिनो मुस्लिम युवक से कोर्ट मैरिज करने वाली युवती की संदिग्ध परिस्थितियों मे मौत,

बांगरमऊ,उन्नाव। मुस्लिम युवक से बीते दिनों कोर्ट मैरिज करने वाली युवती की एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान संदिग्धावस्था में मौत हो गई। परिजनों ने मौत का कारण जानने के लिए शव का पोस्टमार्टम कराने की तहरीर कोतवाली पुलिस को सौंपी है। गौरतलब है कि करीब एक माह पूर्व झांसी जिले की नई पाली पहाड़ी निवासी 31 वर्षीय लक्ष्मी ने कोतवाली क्षेत्र के ग्राम आसत मोहिउद्दीनपुर निवासी मोहम्मद अली से कोर्ट मैरिज की थी। अभी करीब एक हफ्ता पूर्व लक्ष्मी की तबियत अचानक बिगड़ गई। इसपर पति ने उसे लखनऊ के निजी अस्पताल में भर्ती कराया। अस्पताल सूत्रों के अनुसार युवती गर्भवती थी और किन्हीं कारणों से उसकी बच्चेदानी की ट्यूब फट गई थी। इसीलिए दो दिन पूर्व निजी अस्पताल में युवती के पेट का ऑपरेशन हुआ था। किंतु आज शनिवार को अचानक युवती की संदिग्धावस्था में मौत हो गई। पति ने मौत का कारण जानने के लिए शव का पोस्टमार्टम कराए जाने की तहरीर दी है। ग्रामीणों के अनुसार मृतका लक्ष्मी ने पूर्व हिंदू पति से अलगाव के बाद मोहम्मद अली से शादी की थी। कोतवाल चंद्रकांत सिंह ने बताया शव को मर्चरी में रखवा दिया गया है। मायके पक्ष के लोगों को घटना की सूचना देने का प्रयास किया जा रहा है।

बीघापुर में सपा कार्यकारिणी की बैठक हुई सम्पन्न

बीघापुर,उन्नाव। विधान सभा भगवंतनगर की सपा कार्यकारिणी बैठक बीघापुर में संपन्न हुई। सपा नेता अंकित सिंह परिहार ने कहा की संगठन की मजबूती और सक्रियता से ही समाज में समाजवादी विचारधारा को मजबूती मिलेगी और हमारा लक्ष्य है की विधानसभा क्षेत्र भगवंतनगर में एक एक मतदाता तक हमारे संगठन की पहुंच हो और हम अपने संगठन का विस्तार कर के इसे जमीनी स्तर पर बूथ तक मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। जिला उपाध्यक्ष एवं विधान सभा संगठन के प्रभारी राजेश कुमार ने संगठन को मजबूत करने के संबंध में जानकारी दी। संचालन विधान सभा अध्यक्ष ओम प्रकाश पासवान ने किया। जिला उपाध्यक्ष रूप नारायण पटेल, ब्लॉक अध्यक्ष विजय यादव, शिव नारायण गौड़, बिंदा प्रसाद लोधी, श्री कृष्ण गौतम, ओम प्रकाश यादव, सूरज राजपूत लोधी, निर्मल रावत, मनीष पटेल,चंद्रिका प्रसाद रावत, सत्येन्द्र यादव, धर्मेंद्र पटेल, रोशन लाल यादव, यश करण पटेल, कुंवर महेंद्र प्रताप सिंह, डा. देवराज, पंकज सोनी, आशीष यादव, संतोष पटेल, विशम्भर यादव, परमेश्वरदीन वर्मा, इंद्रसेन।

रूधौली में इमलिया स्कूल में दोहरी खुशी,प्रधानाध्यापक को दी विदाई,

बस्ती। रूधौली के प्राथमिक विद्यालय इमलिया में दो खुशियों का माहौल है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक हसनैन अंसारी का कुशीनगर में स्थानांतरण होने पर विदाई समारोह आयोजित किया गया। इसी विद्यालय की दूसरी सफलता यह रही कि कक्षा 5 के छात्र खलीलुल्लाह का जवाहर नवोदय विद्यालय में चयन हुआ है। विद्यालय परिवार ने छात्र के सम्मान में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में ब्लॉक अध्यक्ष शिवरतन और मंत्री राम भवन यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। ग्राम प्रधान सुहेल अहमद ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस अवसर पर अभिभावकों को शिक्षा के महत्व और इसके दूरगामी प्रभावों से अवगत कराया गया। बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय आने और पढ़ाई पर ध्यान देने की सलाह दी गई। कार्यक्रम में राम प्रसाद गुप्ता, पुनीता सिंह, अजीत, राधेश्याम, राहुल सहित कई अभिभावक मौजूद रहे।

आधार कार्ड केंद्र बंद, डीएम से मिले समाजसेवी पांडे, एक सप्ताह में शुरू होगा काम

बस्ती। हरैया तहसील में आधार कार्ड बनाने का कार्य बंद होने से स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस समस्या को लेकर समाजसेवी चंद्रमणि सुदामा पांडे ने 5 जुलाई को संपूर्ण समाधान दिवस पर जिलाधिकारी रवीश गुप्ता से मुलाकात की। हरैया तहसील मुख्यालय में किसी भी केंद्र पर आधार कार्ड बनाने का कार्य नहीं हो रहा है। इससे क्षेत्र के लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्कूल खुलने के बाद से यह समस्या और भी गंभीर हो गई है। अभिभावकों को बच्चों के आधार कार्ड बनवाने के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों की शिकायत पर समाजसेवी पांडे ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने पूर्व की तरह आधार कार्ड केंद्र फिर से शुरू करने की मांग की। कुछ निजी दुकानदार इस स्थिति का फायदा उठाकर लोगों से अधिक पैसे वसूल रहे हैं। जिलाधिकारी ने समाजसेवी पांडे को आश्वासन दिया कि एक सप्ताह के भीतर आधार कार्ड बनाने का कार्य शुरू कर दिया जाएगा। उन्होंने क्षेत्रीय जनता की इस समस्या के तत्काल समाधान का भरोसा दिलाया।

सांप के काटने से युवक की मौत

बहराइच। रूपईडीहा थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। बख्तावर ग्राम के मजरा हाकिम में रहने वाले 24 वर्षीय रामराज वर्मा की सांप काटने से मौत हो गई। घटना शुक्रवार की देर रात की है। रामराज अपने घर में जमीन पर सो रहे थे। रात करीब एक बजे जहरीले सांप ने उन्हें काट लिया। परिजन तुरंत उन्हें इलाज के लिए स्वास्थ्य केंद्र चरदा ले गए। वहां इलाज के दौरान सुबह उनकी मौत हो गई। मृतक के पिता गोपी वर्मा ने बताया कि रामराज की शादी दो साल पहले इमामगंज की रहने वाली खुशबू देवी वर्मा से हुई थी। उनकी छह महीने की एक बेटी पायल है। रामराज अपने माता-पिता के तीन पुत्रों में से दूसरे नंबर के बेटे थे। परिवार ने कोई कानूनी कार्रवाई या पोस्टमार्टम नहीं कराने की इच्छा जताई है। गांव के प्रतिष्ठित लोगों और ग्राम प्रधान की मौजूदगी में पंचनामा भरकर अंतिम संस्कार की तैयारी की जा रही है।

नानपारा तहसील के समाधान दिवस में आईं 43 शिकायतें, 7 का मौके पर निस्तारण

बहराइच। नानपारा तहसील सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। उपजिलाधिकारी लालधर यादव ने इसकी अध्यक्षता की। तहसीलदार अम्बिका चौधरी के अनुसार कुल 43 शिकायती पत्र प्राप्त हुए। इनमें से 7 शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। नायब तहसीलदार हर्षित पाण्डेय ने शिकायतों का विभागवार ब्योरा दिया। राजस्व विभाग से संबंधित 16 शिकायतें प्राप्त हुईं। विकास विभाग से जुड़ी 9 शिकायतें सामने आईं। पुलिस विभाग से संबंधित 3 शिकायतें मिलीं। अन्य विभागों से जुड़ी 15 शिकायतें दर्ज की गईं। समाधान दिवस में सबसे अधिक शिकायतें राजस्व विभाग से संबंधित रहीं।

घाघरा घाट-करनैलगंज के बीच तीसरी रेल लाइन शुरू

बहराइच। घाघराघाट रेलवे स्टेशन से गोंडा जनपद के करनैलगंज तक नवनिर्मित तीसरी रेलवे लाइन का परिचालन शुरू हो गया है। रेलवे संरक्षा आयुक्त (सीआरएस) प्रणवजीव सक्सेना ने विशेष ट्रेन से इस रूट का निरीक्षण किया। जरवल रोड स्टेशन अधीक्षक शिवपाल सिंह ने बताया कि निरीक्षण में सभी मानक संतोषजनक पाए गए। सीआरएस से प्रमाण पत्र मिलने के बाद शाम से ही यात्री और मालगाड़ियों का संचालन शुरू कर दिया गया। घाघराघाट से जरवल रोड होते हुए सरयू पुल से करनैलगंज तक तीसरी रेल लाइन का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। निरीक्षण के दौरान स्टेशन अधीक्षक और सीआरएस अधिकारी के बीच लाइन क्लियर का संकेत आदान-प्रदान किया गया। इस मौके पर एसएम सुबीर कुमार समेत रेलवे के विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। यात्रियों की सुविधा के लिए प्लेटफॉर्म नंबर 3 पर टिकट घर का निर्माण भी पूरा कर लिया गया है।

जिलाधिकारी की अध्यछता में सम्पूर्ण समाधान दिवस सम्पन्न

कमिश्नर के न आने से जनता हुई मायूस, बड़ी संख्या में आई थी फरियाद

करणवाणी न्यूज

बांगरमऊ,उन्नाव। स्थानीय तहसील कार्यालय सभागार में आज लखनऊ मंडल के आयुक्त डॉ रोशन जैकब को संपूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता कर जनसुनवाई करना था। किंतु उनके न आने पर जिलाधिकारी गौरांग राठी की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन हुआ। समाधान दिवस पर विधायक श्रीकांत कटियार भी मौजूद रहे। इसलिए आज फरियादियों की भारी भीड़ उमड़ी। इस मौके पर नगर के मोहल्ला पटेल नगर निवासिनी एक आवास विहीन विधवा महिला ने डीएम को शिकायती पत्र सौंपकर बताया कि मोहल्ले के सभासद द्वारा बीस हजार रुपए सुविधा शुल्क की मांग पूरी न कर पाने के चलते उसे अभी तक प्रधानमंत्री आवास शहरी नहीं मिल सका है। आज शनिवार को आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस पर डीएम श्री राठी ने आते ही स्कूल चलो अभियान अंतर्गत बच्चों की रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बाद में जनसुनवाई शुरू होने पर क्षेत्र के ग्राम मेला आलमशाह स्थित राम जानकी मंदिर के पुजारी बाबा रामखेलावन दास ने शिकायत दर्ज कराई कि मंदिर के नाम करीब पांच बीघा खेत राजस्व अभिलेखों में दर्ज है। किंतु इस जमीन पर दबंगों का जबरन कब्जा है। विरोध करने पर दबंग झगड़े पर आमादा हो जाते हैं। नगर के मोहल्ला कस्बा टोला निवासिनी वृद्धा सरला पत्नी विश्वनाथ ने डीएम से समाज कल्याण विभाग द्वारा उसकी वृद्धावस्था पेंशन अकारण रोक देने की शिकायत की। जबकि नगर के संडीला मार्ग स्थित मिश्रा मार्केट के कमलेश चंद्र, सुरेन्द्र गुप्ता, शशांक पटेल व लक्ष्मी नारायण आदि व्यापारियों ने शिकायती पत्र प्रस्तुत कर बताया कि उनकी दुकानों के सामने दर्जनों आटो और ई-रिक्शा खड़े रहते हैं। जिससे जाम लग जाता है और इससे उनका व्यवसाय चौपट हो गया है। व्यापारियों ने इन सभी वाहनों को संडीला मार्ग स्थित बस स्टैंड पर खड़े कराने की पुरजोर मांग उठाई। बैठक में पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर, एडीएम राजस्व एवं वित्त सुशील कुमार, उपजिलाधिकारी शुभम यादव, पुलिस उपाधीक्षक अरविंद कुमार, तहसीलदार साक्षी राय, प्रभारी निरीक्षक चंद्रकांत सिंह, बेहटा थाना प्रभारी मुन्ना कुमार खंड विकास अधिकारी निशा सागर विश्वकर्मा व खंड शिक्षा अधिकारी देवेन्द्र सिंह सहित सभी विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। तहसील समाधान दिवस पर आज नगर के मोहल्ला सरोजिनी नगर स्थित बेसिक प्राथमिक विद्यालय द्वारा स्कूल चलो अभियान अंतर्गत पोस्टर और विभिन्न स्लोगन का स्टाल लगाकर प्रचार प्रसार किया गया।

ब्लाक प्रमुख ने स्थानीय जन समस्याओं को लेकर मुख्यमन्त्री से भेंट की

करणवाणी न्यूज

बांगरमऊ, उन्नाव। ब्लाक प्रमुख सुनीता दिवाकर और उनके पति भाजपा नेता अर्जुन लाल दिवाकर तथा पूर्व सांसद स्वर्गीय चौधरी राघवेन्द्र सिंह के पुत्र चौधरी प्रमेश कुमार सिंह ने बीते शुक्रवार की शाम प्रदेश सरकार के मुखिया योगी आदित्यनाथ से भेंट की। भेंट के दौरान ब्लाक प्रमुख श्रीमती दिवाकर ने मुख्यमंत्री के समक्ष नगर एवं क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं की फेहरिस्त प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि नगर के सभी प्रमुख मार्गों पर वाहनों भरमार इतनी अधिक है कि अक्सर जाम की स्थिति बनी रहती है। उन्होंने जाम से निजात के लिए रिंग रोड की पुरजोर मांग उठाई। जबकि भाजपा नेता अर्जुन लाल दिवाकर ने क्षेत्र के नानामऊ गंगा तट पर पक्के घाट का निर्माण और गंगा कटरी क्षेत्र के ग्राम माढ़ापुर में राजकीय कन्या इंटर कालेज स्थापित कराने की मांग की। उन्होंने क्षेत्र की अन्य करीब एक दर्जन समस्याओं से अवगत कराया और उनके जल्द समाधान की मांग उठाई। मुख्यमंत्री ने प्रमुख श्रीमती दिवाकर को सभी मांगों पर विचार कर उन्हें पूरा करने का आश्वासन दिया।

हाजीपुर के टपरा गांव में युवक ने जामुन के पेड़ पर लगाई फांसी

शुक्लागंज, उन्नाव। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के टपरा गांव में एक युवक ने खेत में खड़े जामुन के पेड़ पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान हरिश्चंद्र के 22 वर्षीय पुत्र हीरालाल के रूप में हुई है। शाम साढ़े सात बजे के आसपास ग्रामीणों ने हीरालाल का शव जामुन के पेड़ पर लटका हुआ देखा। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतारा। प्रारंभिक जांच में आत्महत्या की बात सामने आई है, लेकिन इसके पीछे का कारण अभी अज्ञात है। हीरालाल के परिवार में इस घटना से सदमा छाया हुआ है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और संबंधित दस्तावेजी प्रक्रिया पूरी कर रही है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। चौकी इंचार्ज ने बताया कि मामले की गहन जांच की जा रही है लेकिन परिवार वालों और ग्रामीणों से पूछताछ की जा रही है। आत्महत्या का सही कारण जानने के लिए पुलिस प्रयास कर रही है।

मेमू ट्रेन में यात्रियों के बीच मारपीट, सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

एक यात्री ने इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो बना लिया, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है। वीडियो में मारपीट और अफरा-तफरी का दृश्य स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है।

करणवाणी न्यूज

उन्नाव। उन्नाव जंक्शन रेलवे स्टेशन पर 64214 मेमू ट्रेन में यात्रियों के बीच सीट को लेकर विवाद के कारण मारपीट हो गई। यह घटना तब घटी जब हरौनी, जैतीपुर और कुसुमभी क्षेत्र के यात्रियों के बीच सीट पर बैठने को लेकर विवाद बढ़ा और यह गाली-गलौज और हाथापाई में बदल गया। ट्रेन के उन्नाव स्टेशन पर रुकते ही दोनों पक्ष प्लेटफॉर्म नंबर 2/3 पर उतर गए, जहां उनकी बीच जमकर मारपीट हुई। घटना के दौरान रेलवे पुलिस बल (आरपीएफ) और जीआरपी की टीम मौके से महज 20 कदम की दूरी पर तैनात थी, लेकिन वे कार्रवाई करने में देर से पहुंचे। एक यात्री ने इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो बना लिया, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है। वीडियो में मारपीट और अफरा-तफरी का दृश्य स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। यात्रियों ने स्टेशन की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं और इसकी निंदा की है। जीआरपी उन्नाव थाना प्रभारी का बयान इस घटना पर जीआरपी उन्नाव थाना प्रभारी अरविंद पांडेय ने कहा कि, वायरल वीडियो का संज्ञान लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है और आरोपियों की पहचान के बाद कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह घटना रेलवे सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़ा करती है, खासकर जब आरपीएफ और जीआरपी की टीम घटना स्थल के पास मौजूद थी, फिर भी समय पर हस्तक्षेप नहीं किया गया। यात्रियों ने स्टेशन पर सुरक्षा उपायों को और मजबूत करने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

ई-रिक्शा पलटने से युवक की मौत

जानकारी के अनुसार योगेंद्र सिंह खरीदारी के बाद देर शाम अपने गांव लौट रहा था। वह एक ई-रिक्शा में सवार हुआ जिसमें उसके अलावा तीन अन्य लोग भी बैठे थे।

करणवाणी न्यूज

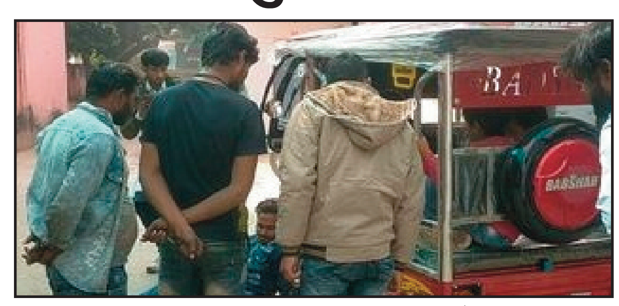

उरई/जालौन। जालौन के माधौगढ़ कोतवाली क्षेत्र के ग्राम नुनायचा निवासी एक व्यक्ति की शुक्रवार शाम ई-रिक्शा दुर्घटना में दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान 40 वर्षीय योगेंद्र सिंह के रूप में हुई है। जो खरीदरी के लिए कस्बा माधौगढ़ गया था। जानकारी के अनुसार योगेंद्र सिंह खरीदारी के बाद देर शाम अपने गांव लौट रहा था। वह एक ई-रिक्शा में सवार हुआ जिसमें उसके अलावा तीन अन्य लोग भी बैठे थे। जैसे ही ई-रिक्शा ग्राम लक्ष्मणपुरा के बाहर पहुंचा, वाहन अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में योगेंद्र रिक्शा के नीचे दब गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जबकि अन्य सवारियों को कोई गंभीर चोट नहीं आई। दुर्घटना के तुरंत बाद ई-रिक्शा चालक मौके पर रिक्शा छोड़कर फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से योगेंद्र को रिक्शा के नीचे से बाहर निकाला। उसे गंभीर हालत में अस्पताल भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। वहीं, घटना की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। पत्नी और बच्चों का रो-रो कर बुरा हाल है। स्थानीय लोगों ने बताया कि ई-रिक्शा तेज गति से चलाया जा रहा था और चालक लापरवाही बरत रहा था, जिससे यह हादसा हुआ। पुलिस अब फरार चालक की तलाश में जुट गई है और घटनास्थल से रिक्शा को कब्जे में ले लिया गया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और चालक के खिलाफ लापरवाही से मौत का केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

विधायक ने निजी धन से सरकारी स्कूल में पहुचाया फर्नीचर

करणवाणी न्यूज

बीघापुर,उन्नाव। बीघापुर विकासखंड क्षेत्र के गांव संतोषी खेड़ा प्राथमिक विद्यालय में विधायक ने बच्चों को बैठने के लिए अपने निजी कोष से फर्नीचर उपलब्ध कराया विद्यालय में फर्नीचर मिलने से बच्चों में खुशी का माहौल रहा।। विकासखंड क्षेत्र के संतोषी खेड़ा गांव में संचालित प्राथमिक विद्यालय में विधायक ने पूर्व घोषणा के तहत बच्चों को बैठने के लिए कुर्सी मेंज उपलब्ध कराई विधायक द्वारा पूर्व में विद्यालय में जाकर बच्चों को बैठने के लिए कुर्सी मेंज देने की घोषणा की थी । विद्यालय में फर्नीचर पहुंचने से छात्रों में बच्चे खुस दिखे। प्रधानाध्यापक रत्ना पांडे ने बताया कि विधायक द्वारा पूर्व में की गई घोषणा के अनुसार विद्यालय के बच्चों को फर्नीचर मिल गया है जिससे बच्चों को पढ़ने में सुगमता होगी।

देसी शराब ठेके पर युवक की मौत

शव को सड़क पर फेंकने की हैवानियत

करणवाणी न्यूज

नवाबगंज,उन्नाव। जिले के अजगैन कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत कुसुम्भी गांव स्थित एक देसी शराब ठेके पर मानवता को शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई है। शराब पीने आए एक युवक की मौत के बाद कर्मचारियों ने उसके शव को जिस बर्बरता से ठेके से बाहर सड़क किनारे फेंका, वह दृश्य अब पूरे जिले में आक्रोश का कारण बन गया है। घटना का पूरा दृश्य ठेके में लगे ष्टष्टञ्ड्ढ कैमरे में कैद हो गया है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि मृतक युवक को दुकान के अंदर से ठेके के कर्मचारी घसीटते हुए बाहर लाते हैं और फिर उसे ऐसे फेंक देते हैं जैसे कोई बेकार सामान हो। न एंबुलेंस बुलाई गई, न प्राथमिक उपचार की कोशिश की गई। वीडियो के वायरल होते ही मामला सुर्खियों में आ गया। मेडिकल रिपोर्ट के मुताबिक मृतक की मौत हार्ट अटैक से हुई है। लेकिन सवाल यह है कि क्या अगर समय पर प्राथमिक उपचार मिलता, तो उसकी जान बच सकती थी? परिजनों और स्थानीय लोगों का आरोप है कि ठेके के कर्मचारियों ने क्रूरता की हद पार कर दी। मृतक के साथ जिस तरह का व्यवहार किया गया, उसने सभी को झकझोर कर रख दिया है। स्थानीय लोगों और मृतक के परिजनों का कहना है कि अगर समय पर मेडिकल सहायता मिलती, तो शायद जान बच सकती थी। शव को घसीटकर फेंकना सिर्फ असंवेदनशीलता नहीं, बल्कि हत्या जैसी मानसिकता है। गांव और आस-पास के क्षेत्रों में भारी जनाक्रोश है। लोग कर्मचारियों पर हत्या जैसा मुकदमा दर्ज करने और उनकी गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। मृतक की पहचान नवाबगंज क्षेत्र के 40 वर्षीय कुलदीप के रूप में हुई है। परिजनों का आरोप है कि शराब के नशे में विवाद हुआ, मारपीट की गई और फिर उसे मरा समझकर खेत में फेंक दिया गया। ग्रामीणों का कहना है कि यह कोई सामान्य मौत नहीं, बल्कि शराब माफिया और प्रशासनिक लापरवाही का नतीजा है। परिजनों का दावा है कि जब कुलदीप बेहोशी की हालत में खेत में पड़ा था, तो पहली एंबुलेंस बिना जांच के उसे मरा हुआ÷ मानकर लौट गई। जब परिजनों ने हंगामा किया, तब दूसरी बार एंबुलेंस आई और शव को अस्पताल ले जाया गया। अजगैन पुलिस ने फिलहाल यह बयान दिया है कि ÷पोस्टमार्टम रिपोर्ट और वीडियो की पुष्टि के बाद उचित धाराओं में कार्रवाई की जाएगी। कुलदीप की मां रामदेवी बेसुध हैं। एक गरीब परिवार का सहारा चला गया। ÷मेरा बेटा शराब पीता था, लेकिन क्या वो इंसान नहीं था?

यूपी में स्कूल मर्जर का विरोध, सपा विधायक के नेतृत्व में प्रदर्शन

बस्ती। जिले में कम छात्र संख्या वाले प्राथमिक विद्यालयों को मर्ज करने के सरकारी फैसले के विरोध में समाजवादी पार्टी ने प्रदर्शन किया। सदर विधायक महेंद्र यादव के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ता शास्त्री चौक पर एकत्र हुए। प्रदर्शनकारी तख्तियां और बैनर लेकर जुलूस की शक्ल में कलेक्ट्रेट पहुंचे। विधायक महेंद्र यादव ने कहा कि सरकार हजारों स्कूलों को बंद करने पर तुली है। उन्होंने कहा कि इस फैसले से गरीब और ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों की शिक्षा प्रभावित होगी। कलेक्ट्रेट के बाहर भारी पुलिस बल की मौजूदगी में सपा कार्यकर्ताओं ने धरना दिया। राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा गया। ज्ञापन में विद्यालयों के मर्ज की प्रक्रिया रोकने और शिक्षा बजट बढ़ाने की मांग की गई। विधायक ने कहा कि अगर निर्णय वापस नहीं लिया गया तो समाजवादी पार्टी पूरे प्रदेश में सड़क से सदन तक आंदोलन करेगी।

तेज रफ्तार ट्रक बना मौत का कारण

तीन लोगों की मौत, दो गंभीर रूप से घायल 7 हाईवे पर घंटों लगा रहा जाम

करणवाणी न्यूज

उन्नाव। कानपुर-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर शुक्रवार शाम एक भीषण सड़क हादसे में तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा उन्नाव के सदर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत शेखपुर नरी कट के पास हुआ, जहां एक तेज रफ्तार ट्रक की चेसिस अनियंत्रित होकर दूसरी लेन में जा घुसी और सामने से आ रही पिकअप व एक बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद ट्रक और पिकअप दोनों पलट गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शाम करीब छह बजे तेज गति से आ रही ट्रक की चेसिस अचानक अनियंत्रित होकर विपरीत दिशा की लेन में पहुंच गई। इसी दौरान सामने से आ रही पिकअप उससे टकरा गई, जिससे दोनों वाहन पलट गए। हादसे की चपेट में एक मोटरसाइकिल सवार भी आ गया।टक्कर की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए घायलों को जिला अस्पताल भिजवाया। डॉक्टरों ने इलाज के दौरान तीन लोगों को मृत घोषित कर दिया। जिसमें मृतकों की पहचान रमेश (उम्र लगभग 35 वर्ष) असगर (उम्र लगभग 40 वर्ष) रंजीत (उम्र लगभग 28 वर्ष) है। वहीं घायलों में मोहिनी (उम्र 30 वर्ष) बाबूराम (उम्र 50 वर्ष) है।दोनों घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है और उनका इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। घटना की पुष्टि करते हुए सीओ सिटी सोनम सिंह ने बताया कि हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंच गया था। क्रेन मंगवाकर दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हटवाया गया, जिसके बाद हाईवे पर यातायात बहाल हो सका। उन्होंने यह भी बताया कि हादसे की जांच की जा रही है। प्रारंभिक तौर पर ट्रक की तेज रफ्तार और चालक का नियंत्रण खोना ही दुर्घटना का कारण माना जा रहा है। तीन लोगों की असमय मौत से क्षेत्र में शोक का माहौल है। परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। प्रशासन द्वारा पीड़ित परिवारों को हर संभव सहायता का आश्वासन दिया गया है।

छात्राओं की सुरक्षा के लिए ज्ञापन, स्कूल के पास स्थित सार्वजनिक शौचालय को हटाने की मांग

बस्ती। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को नगर पालिका अध्यक्षा को ज्ञापन सौंपा है। इसमें जनता होटल गली के पास स्थित सार्वजनिक शौचालय को हटाने या स्थानांतरित करने की मांग की गई है। यह शौचालय रामबाग विद्यालय के मुख्य मार्ग पर स्थित है। इससे स्कूल आने-जाने वाली छात्राओं को परेशानी का सामना करना पड़ता है। शौचालय की स्थिति बेहद खराब है। यहां से लगातार दुर्गंध आती है। इससे न सिर्फ छात्राएं बल्कि आसपास के लोग भी प्रभावित हो रहे हैं। एबीवीपी ने छात्राओं की सुरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य का हवाला देते हुए इस शौचालय को तुरंत हटाने की मांग की है। स्थानीय प्रशासन की लापरवाही से यह समस्या और बढ़ती जा रही है। ।ठटच् ने चेतावनी दी है कि अगर 4 दिन में कार्रवाई नहीं हुई तो वे जनआंदोलन करेंगे।

भानपुर तहसील दिवस में 48 शिकायतें, 7 का मौके पर निस्तारण

एसडीएम ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे शिकायतकर्ताओं से सहजता से बात करें।

करणवाणी न्यूज

बस्ती। भानपुर तहसील में शनिवार को उपजिलाधिकारी रश्मि यादव की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन हुआ। इस दौरान कुल 48 शिकायतें दर्ज की गईं। इनमें से 7 शिकायतों का मौके पर ही समाधान कर दिया गया। विभागवार शिकायतों में सबसे अधिक राजस्व विभाग से जुड़ी 37 शिकायतें थीं। पुलिस विभाग से 4, विकास विभाग से 4, चकबंदी से 1, बैंक से 1 और नगर पंचायत से 1 शिकायत दर्ज की गई। एसडीएम ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे शिकायतकर्ताओं से सहजता से बात करें। उन्होंने कहा कि समस्याओं को गंभीरता से सुनें और स्थलीय निरीक्षण कर गुणवत्तापूर्ण समाधान करें। भूमि संबंधी मामलों को प्राथमिकता से निपटाने के निर्देश दिए गए। उपजिलाधिकारी ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि वे शिकायत के निस्तारण के बाद शिकायतकर्ता से फोन पर संपर्क करें। यह सुनिश्चित करें कि उन्हें समाधान से संतुष्टि मिली है या नहीं। प्रमुख शिकायतों में परसोहिया निवासी अधिवक्ता प्रदीप पांडे ने पीडब्ल्यूडी से संबंधित शिकायत की। उन्होंने बताया कि एक व्यक्ति ने उनके कार्यालय के सामने पटरी पर टंकी रखकर अतिक्रमण किया है। कार्यक्रम में तहसीलदार अभय राज, नायब तहसीलदार कृष्ण मोहन सहित तहसील के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

प्रमुख अभियंता ग्रामीण ने महादेवा मेला को देखते लखनऊ से महादेवा सड़क मार्ग को देखा

रामनगर, बाराबंकी। प्रमुख अभियंता ग्रामीण मुकेश चंद्र शर्मा ने आगामी सावन महीने में महादेवा आने वाले यात्रियों के लिए मार्ग व्यवस्था का निरीक्षण किया। लखनऊ से लेकर महादेवा तक का मार्ग देखते हुए मंदिर जाकर पूजा अर्चना भी की। शुक्रवार को सुबह करीब दस बजे प्रमुख अभियंता लखनऊ से सड़क मार्ग देखते हुए बाराबंकी आए जंहा से अधिशाषी अभियंता सी डी थ्री राजीव राय को साथ लेकर बाराबंकी से रामनगर होकर महादेवा तक का मार्ग देखा तथा कंही यदि कोई कार्य होना उन्हे दिखाई दिया तो अधिशाषी अभियंता को बताया। महादेवा में बनी दस मीटर चौड़ी बनी सड़क तथा साइड मे लग रही इंटर लाकिंग पटरी व गेट के पास बन रहे नाले को भी देखा।उन्हे बताया गया कि श्रद्धालु लखनऊ से महादेवा इसी मार्ग से आएंगे। महादेवा से निकले लिंक मार्गो के बारे में भी उन्हे विस्तृत जानकारी दी गई। आवगमन संबंधी कोई विशेष समस्या उन्हें नहीं मिली।लोधेश्वर महादेव की पूजा अर्चना के बाद उन्होने डाक बंगले पर पौध रोपण भी किया तथा सभी कहा कि पौधे लगाकर उनका संरक्षण करें।इस अवसर पर अधिशाषी अभियंता निर्माण खंड एक दीपक चौधरी,ए ई अजीत पटेल,अविनेश सिंहा,उदित भटनगर व सभी जेई मौजूद रहे। रामनगर से वे बहराइच के लिए चले गए।

परिवार गहरी नींद में सोता रहा और चोर ले उडे ढाई लाख की नकदी व जेवर

बांगरमऊ,उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम ताजपुर में गृहस्वामी अपने पारिवार के साथ अपने घर के बरामदे में गहरी नींद में सो रहा था। तभी अज्ञात चोर छत पर चढ़कर जीने के जरिए कमरे के अंदर दाखिल हो गए और अलमारी खोलकर उसमें रखे नगदी और जेवर सहित करीब ढाई लाख रुपए कीमत का माल चोरी कर भाग निकले। आज सुबह नींद खुलने पर गृहस्वामी को घटना की जानकारी हो सकी। ग्राम ताजपुर (मुर्तजापुर) निवासी पंचम पासवान पुत्र ईश्वरी अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ बीते बुधवार की रात अपने घर के बरामदे में गहरी नींद में सो रहा था। तभी अज्ञात चोर छत से जीने के जरिए घर के अंदर दाखिल हो गए और कमरे में रखी अलमारी खोलकर उसमें रखा पांच हजार रुपए नगदी। तथा करीब ढाई लाख रुपए कीमत का सोने-चांदी का जेवर चोरी कर भाग निकले। आज गुरूवार की सुबह नींद खुलने पर कमरे में बिखरे पड़े कपड़ो को देख कर उसे घटना की जानकारी हो सकी। भुक्तभोगी ने घटना की तहरीर कोतवाली में दी। चोरी की सूचना मिलते ही हल्का पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर घटना की जांच की। पुलिस चोरों का सुराग लगाने में जुटी है।

प्रमोशन के मामले 15 दिन में होगे निस्तारित- जिला विद्यालय निरीक्षक

उन्नाव। 15 दिवस के अंदर ही प्रमोशन के सारे मामले हल कर दिए जाएंगे तथा मंगलवार से ह्क्क की समस्या चरणबद्ध तरीके से सही कराया। माध्यमिक शिक्षक संघ (शर्मा गुट)उन्नाव के पदाधिकारियों ने जिला विद्यालय निरीक्षक से मुलाकात किया। जिसमें विभिन्न समस्याओं को लेकर वार्ता हुई। जिला विद्यालय निरीक्षक ने कहा कि 15 दिवस के अंदर ही प्रमोशन के सारे मामले हल कर दिए जाएंगे तथा मंगलवार से ह्क्क की समस्या चरणबद्ध तरीके से सही कराया जाएगा एवं चार सदस्यीय कमेटी बनाने की बात कही जो विभिन्न समस्याओं के निस्तारण करने में सहयोग करेंगे जिसकी परख वो बाद में स्वयं करेंगे। सभी समस्याओं का समाधान जल्द से जल्द करने का आश्वासन भी दिए । बैठक में जिला अध्यक्ष शिवभान सिंह , जिला मंत्री दिनेश गुप्ता , प्रदेश कार्य समिति सदस्य उमाशंकर तिवारी, सतीश चंद्र मिश्रा, हनुमंत सिंह , पंकज त्रिपाठी , शैलेंद्र सिंह , तरुणेन्द्र वाजपेई आदि शिक्षक उपस्थित रहे।

महिला ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, पति पर अवैध संबंध का शक

उन्नाव। जिले के असोहा थाना क्षेत्र के काथा खेड़ा गांव में एक 30 वर्षीय महिला ने कथित तौर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान सविता के रूप में हुई है, जो काथा खेड़ा निवासी गोपाल की पत्नी थीं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, गुरुवार देर रात सविता ने अपने कमरे में फांसी लगा ली। जब परिवार के सदस्यों ने दरवाजा नहीं खोला तो उन्होंने खिड़की से देखा और सविता का शव लटका हुआ पाया। ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सविता की शादी 14 वर्ष पहले गोपाल से हुई थी। वह मूल रूप से अचलगंज थाना क्षेत्र के मवईया गांव की रहने वाली थीं और उनकी दो बेटियां, अंजलि और अनन्या हैं। मृतका के परिजनों ने बताया कि सविता को शक था कि उनके पति गोपाल का किसी अन्य महिला से संबंध है। इसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच अक्सर फोन पर विवाद होता रहता था। इन विवादों के चलते सविता कथित तौर पर काफी तनाव में रहने लगी थीं। मृतका के पति गोपाल सूरत में साड़ी का व्यवसाय करते हैं। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवा दिया है और मृतका के मायके पक्ष के बयान भी दर्ज किए हैं। प्रारंभिक जांच में पुलिस इसे आत्महत्या का मामला मान रही है। इस घटना से मृतका की मां और भाई गहरे सदमे में हैं।

गंगा का तेजी से बढ़ा जलस्तर, बाढ़ का खतरा

शुक्लागंज, उन्नाव। पहाड़ी और मैदानी क्षेत्रों में हो रही लगातार बारिश के कारण गंगा नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है, जिससे तटवर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। पश्चिमी बांधों से पानी छोड़े जाने के कारण बैराज बांध से भी रुक-रुक कर पानी छोड़ा जा रहा है। केंद्रीय जल आयोग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, गुरुवार शाम 5 बजे गंगा का जलस्तर 110.290 मीटर दर्ज किया गया था। इसके बाद पानी में तेजी से बढ़ोतरी हुई और शुक्रवार शाम 5 बजे तक यह 110.710 मीटर तक पहुंच गया। बीते चौबीस घंटों में जलस्तर में 42 सेंटीमीटर की वृद्धि दर्ज की गई है, जो हर घंटे लगभग दो सेंटीमीटर की रफ्तार से बढ़ रहा है। पश्चिम के बांधों से लगातार कई हजार क्यूसेक पानी छोड़े जाने के कारण यह स्थिति और गंभीर हो रही है। यदि गंगा का जलस्तर इसी गति से बढ़ता रहा, तो आज यानी शनिवार को यह 111 मीटर तक पहुंच सकता है। इसके बाद गंगा का जलस्तर चेतावनी बिंदु की ओर बढ़ना शुरू हो जाएगा, जिससे तटवर्ती इलाकों में रहने वाले लोगों की चिंताएं बढ़ गई हैं। जागरूक जिम्मेदार नागरिकों का कहना है कि स्थानीय प्रशासन को संभावित बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए अलर्ट मोड पर रहने की जरूरत है।

भगवान की जमीन को हड़पने का षड्यंत्र, अपने ही आदेश को नहीं मान रहा तहसील प्रशासन

करणवाणी न्यूज

अमेठी। जिले में वर्तमान समय में चर्चा का विषय बना हुआ है शिकायती प्रार्थना पत्र, जिसमें भगवान की भूमि को फर्जी तरीके से कूट रचित दस्तावेजों के आधार पर हड़पने का मामला प्रकाश में आया है जिलाधिकारी को शिकायती प्रार्थना पत्र देकर न्याय की मांग की गई है, तहसील प्रशासन ने पूर्व में दिलाया था न्याय,

में विगत वर्षों चर्चा का विषय बना धार्मिक स्थल की जमीन हड़पने का मामला फिर से साम दाम दंड भेद के माध्यम से सुर्खियां बनने को तैयार है। जिस प्रकरण को तहसीलदार द्वारा आदेश कर षड्यंत्र कारियों के चंगुल से बचाया गया था। आज वही आश्रम की जमीन को हड़पने का प्रयास चल रहा है । जिसमें ग्राम सभा प्रतिनिधियों सहित कई लोगों की भूमिका संदिग्ध नजर आ रही है वर्तमान कमेटी पर अपने लोगों को आश्रम की कमेटी में नियुक्त कर आश्रम की जमीन पेड़ पौधे बेचकर अपना पोषण करना चाहते हैं,

इस बात की शिकायत पहले भी हो चुकी है ,कि कई लाख के पेड़ आश्रम के बेंच डाले गए और आश्रम पर कोई विकास नहीं किया गया। वर्तमान समय में गठित समिति आश्रम एवं मंदिर की संपत्तियों की विधिवत देख-रेख कर रही है और क्षेत्रीय जनता भी संतुष्ट है परंतु आश्रम की जमीन को हड़पने का प्रयास करने वाले शासन प्रशासन एवं अधिकारियों को गुमराह कर आश्रम की देखरेख की जिम्मेदारी आश्रम की भूमि पर खेती-बाड़ी करके की जाती है जिससे मंदिर और आश्रम की पूरी खर्च समाज सेवा जैसे तमाम कार्य किए जाते,पूरा प्रकरण तिलोई तहसील के चंद्रिका आश्रम का है, जनपद की तिलोई तहसील के गांव टिकरी और जगतपुर में स्थित भूमि जिसे आश्रम के नाम दान किया गया था ।

उक्त धार्मिक भूमि पर कुछ भूमाफिया किस्म के के लोगों की नजरे पड़ गई हैं,जो लगातार उसे हड़पने का प्रयास कर रहे हैं अब एक नजर पूरे प्रकरण पर डालते हैं तो उक्त जमीन को शिवचरण दास द्वारा मंदिर, आश्रम के नाम दान की गई थी जिसका प्रबंधक गुरु शरण लाल को बनाया गया था,

गुरु शरण लाल की मृत्यु के बाद देव प्रकाश चेला, निक्कू राम को सर्वसम्मति से आश्रम का महंत बनाया गया ।

अब तक तो सब ठीक-ठाक चलता रहा। परंतु निक्कू राम की मृत्यु के पश्चात आश्रम की जमीन को हड़पने के लिए खेल शुरू हुआ 8 जनवरी 2003 की फर्जी वसीयत के आधार पर आश्रम की जमीन हड़पने के उद्देश्य से प्रबंधक बन अपने नाम दर्ज करा ली गई ,और मालिक बन बैठे, स्थान की दिव्यता की बात कीजाए तो यहां पर चंद्र भगवान विराजमान मंदिर है और हनुमान जी का भी मंदिर दिव्या बना हुआ है, प्रबंधन समिति का मुख्य उद्देश्य देश सेवा समाज सेवा का है परंतु फर्जी दस्तावेजों के सहारे भगवान की भूमि को हड़पने का प्रयास किया जा रहा है क्षेत्र की जनता भी सब कुछ जान रही है के किस तरह से धार्मिक स्थल की जमीन को हड़पने का प्रयास किया जा रहा है जनता शासन प्रशासन पर विश्वास बनाए बैठी हुई है।

बालिका से दुष्कर्म करने वाले आरोपी नौसाद की गिरफ्तारी

करणवाणी न्यूज

उन्नाव। पुलिस ने एक बड़ी सफलता प्राप्त की है। कोतवाली प्रभारी सुब्रत नारायण त्रिपाठी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने क्षेत्र के एक गांव में आठ वर्षीय दलित बालिका से दुष्कर्म करने वाले आरोपी नौसाद को गिरफ्तार किया है। आरोपी पिछले एक सप्ताह से पुलिस को चकमा दे रहा था, और उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की कई टीमें मैदान में थीं। पुलिस की टीमें गैर प्रांत तक गईं और अंततः आरोपी को पकड़ने में सफल हुईं। पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर ने इस मामले में आरोपी की गिरफ्तारी पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था, जिससे इस घिनौने अपराध को लेकर पुलिस का उत्साह बढ़ा। आरोपी के पकड़े जाने के बाद अब क्षेत्र में शांति बनाए रखने के लिए सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है। पुलिस ने दंगा नियंत्रण वाहन भी क्षेत्र में भेजे हैं, ताकि किसी भी प्रकार की अशांति से बचा जा सके। गांव में तनाव की स्थिति बनी

हुई थी, लेकिन पुलिस प्रशासन ने शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरी तैयारी की है। इस बीच, गिरफ्तारी के दौरान आरोपी नौसाद कचेहरी के पास बुरखा पहनकर जा रहा था। कोतवाली प्रभारी और एसओजी की टीम ने जैसे ही आरोपी को देखा, उसे दबोच लिया। गिरफ्तारी के बाद कचेहरी के बाहर भारी भीड़ जमा हो गई थी, और लोग आरोपी की तस्वीरें और वीडियो बनाने में व्यस्त थे। पुलिस को बमुश्किल आरोपी को उस भीड़ से निकालने में सफलता मिली।

समाधान दिवस आज, डीएम बांगरमऊ में करेंगे शिरकत

उन्नाव। समाधान दिवस 5 जुलाई प्रातः दस बजे से अपरान्ह 02.00 बजे तक जनपद की सभी तहसीलों में आयोजन किया जायेगा। इसी क्रम में जिला स्तरीय सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन जिलाधिकारी की अध्यक्षता में तहसील बांगरमऊ में होगा, जिसमें समस्त जिला स्तरीय अधिकारीगण आदि मौजूद रहेंगे। इसी प्रकार तहसील हसनगंज में मुख्य विकास अधिकारी, तहसील पुरवा में अपर जिलाधिकारी (वि0रा0), तहसील बीघापुर में अपर जिलाधिकारी (न्यायिक), तहसील सदर एवं सफीपुर में संबंधित उप जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया जाएगा। यदि किसी भी जनपदवासी को किसी भी प्रकार की समस्या या शिकायत है, तो वह सम्बन्धित तहसील में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर अधिकारियों को प्रार्थना पत्र देकर अपनी शिकायत का निराकरण करा सकता है।

मोहर्रम की सातवीं व आठवीं तारीख को निकाले गये तख्त, छड और अलम के जुलूस

करणवाणी न्यूज

बांगरमऊ उन्नाव। मोहर्रम की सातवीं और आठवीं तारीख को नगर मे अकीदत और एहतराम के साथ तख्त , छड और अलम के जुलूस निकाले गए। इस दौरान अंजुमनों ने मातमी धुन पर कर्बला का दर्दनाक वाकया बयान किया । जुलूस में हजारों की संख्या में अकीदतमंद शामिल हुए । मोहर्रम की सातवीं तारीख गुरुवार को सुबह 10 बजे मोहल्ला सराय से उठा छड़ और अलम का जुलूस मोहल्ला बजरिया और खत्रियाना होते हुए मोहल्ला दरगाह शरीफ पहुंचा। यहां से मोहल्ला सैयद वाडा होते हुए पुनः मोहल्ला सराय पहुंचकर जुलूस का समापन हुआ। शाम को बाद नमाज मगरिब मोहल्ला दरगाह शरीफ और कस्बा टोला से तख्त के जुलूस उठाए गए। रात करीब 10 बजे हटिया चौराहे पर दोनों जुलूस आपस में मिल गए । यहां से एक बृहद जुलूस मध्य रात खत्रीयाना पहुंचा। जहां पर पूर्व पालिका उपाध्यक्ष सुधीर कुमार मिश्रा सद्धू ने तख्त हुसैनी के आगे शीश झुकाया और जायरीनों का खैर मकदम किया। तत्पश्चात जुलूस टेढ़ी बाजार होते हुए मोहल्ला सराय पहुंचा।

जहां पर पड़ाव किया। आज शुक्रवार मोहर्रम की आठवीं तारीख को सुबह 10 बजे पुनः दोनों जुलूस उठे। जिसमें दरगाह शरीफ का तख्त का जुलूस नानामऊ रोड से होकर मोहल्ला में मेमारनटोला और सैयद वाडा होते हुए दरगाह शरीफ पहुंचा। यहां पर जुलूस का समापन हुआ। उधर कस्बे टोले के तख्त का जुलूस हरदोई उन्नाव मार्ग से होकर चूड़ी वाली गली , भटपुरी , मुकरियाना व गुलाम मुस्तफा होते हुए कस्बा टोला स्थित अपने इमाम चौक पर पहुंचा। यहीं पर जुलूस का समापन हुआ । जुलूस के दौरान जगह-जगह अकीदतमन्दो ने शिविर लगाकर तबर्रूख तकसीम किया।

सावनी मेला की तैयारी जोरों पर,एस डी एम व बीडीओ ने किया स्थलीय निरीक्षण

सचिव से जरूरी कार्य करवाने के निर्देश दिए

करणवाणी न्यूज

रामनगर, बाराबंकी। सावन के प्रत्येक सोमवार को भक्तों द्वारा आकर महादेवा मंदिर में जलाभिषेक किया जाएगा जिसकी तैयारियों में स्थानीय प्रशाशन लगा हुआ है।साफ सफाई सहित पेयजल ,बिजली आदि पर काम हो रहा है।मंदिर की भी रंगाई पुताई कराई गई है।

रामनगर तहसील के लोधेश्वर महादेव मंदिर पर सावन के सभी सोमवारों में भक्तो की भीड़ रहेगी जिनकी सुविधाओं के लिए स्थानीय स्तर पर कार्य हो रहे हैं। ब्लॉक रामनगर व सूरतगंज के बीडीओ जितेंद्र कुमार व देवेंद्र सिंह तथा ए डी ओ पन्चायत साफ सफाई व्यवस्था अपनी निगरानी में करवा रहे है।बोहनिया तालाब साफ हो चुका है तो अभरण तालाब को

साफ किया जा रहा है।ग्राम प्रधान अजय तिवारी टूटी नालियों को सही कराने के साथ साथ जंहा जरूरत है पत्थर भी रखवा रहे हैं ।बिजली विभाग ने तारो को चेक किया है।इसके अलावा बने स्थाई शौचालयों की भी सफाई अभी होनी है।पुलिस चौकी पर चौकी इंचार्ज मेला की सुरक्षा व्यवस्था का खाका बनाने में लगे हैं।लोक निर्माण विभाग भी जल्दी नाला बनवाकर पटरी लगवाने में लगा हुआ है।सहायक अभियंता अविनेश कुमार सिन्हा आकर कार्य की देखरेख कर रहे हैं और जे ई अरविन्द वर्मा भी लगे हुए हैं।अभी बैरीकेटिंग लगनी नही शुरु हुई है व तालाब में जाल नही लगा है।शुक्रार को एस डी एम विवेक शील व बीडीओ देवेंद्र कुमार सिंह ,नायब तहसीलदार विजय प्रकाश तिवारी ने मौका मुआयना कर सचिव रविंद्र कुमार को कार्य के संबंध मे जरूरी दिशा निर्देश दिए।

किसान ने लेखपाल को दी 70 हजार की रिश्वत

करणवाणी न्यूज

उरई/जालौन। जालौन के कोंच तहसील क्षेत्र के नदीगांव इलाके से जुड़ा लेखपाल के रिश्वत लेने का प्रकरण फिर सुर्खियों में है। नदीगांव के रहने वाले किसान लक्ष्मण सिंह यादव ने शुक्रवार को जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर लेखपाल नरेंद्र झा द्वारा ली गई 70 हजार रुपए की रकम वापस कराए जाने की मांग की। किसान ने डीएम को प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है। दरअसल, किसान की जमीन तक पहुंचने के लिए आधे रास्ते तक सरकारी चकरोड बना हुआ है, जबकि शेष रास्ते पर कुछ दबंगों ने अवैध कब्जा कर रखा है। इसको हटवाने और रास्ते की पैमाइश कराने के लिए किसान ने संबंधित लेखपाल नरेंद्र झा से संपर्क किया था। आरोप है कि लेखपाल ने चकरोड की पैमाइश कराने के बदले एक लाख रुपए की रिश्वत मांगी थी। किसान ने किसी तरह ६70 हजार रुपये दे भी दिए, लेकिन शेष 30 हजार देने से इंकार कर दिया। किसान का कहना है कि जब उसने बाकी रुपए देने से मना कर दिया, तो लेखपाल ने जानबूझकर पैमाइश उसके पक्ष में नहीं की। इससे आहत होकर किसान ने रिश्वत देते समय का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया था, वीडियो वायरल होते ही प्रशासन में हड़कंप मच गया था, जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडेय ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल प्रभाव से लेखपाल नरेंद्र झा को निलंबित कर दिया और मामले की विभागीय जांच भी बैठा दी। अब किसान ने जिलाधिकारी से दोबारा अनुरोध किया है कि उसे दी गई ६70 हजार की रिश्वत की राशि वापस दिलाई जाए और उसकी भूमि तक जाने के लिए चकरोड की निष्पक्ष पैमाइश कराई जाए, जिससे उसे खेत तक पहुंचने में कोई परेशानी न हो।

यमुना एक्सप्रेसवे से गांजा तस्कर धरा, 637 ग्राम गांजा और 1600 रुपये बरामद

नोएडा। ग्रेटर नोएडा में दनकौर पुलिस ने यमुना एक्सप्रेसवे के पास से एक गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से 637 ग्राम गांजा और 1600 रुपये बरामद किए हैं। शुक्रवार को यमुना एक्सप्रेसवे के सर्विस रोड पर गश्त के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने लगा। पुलिस ने पीछा कर उसे पकड़ लिया। तलाशी में उसके पास से गांजा मिला। पकड़े गए आरोपी की पहचान रबूपुरा क्षेत्र के खेरली भाव गांव निवासी असलूप के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह लंबे समय से क्षेत्र में गांजे की सप्लाई कर रहा था। उसने अपने परिवार के पालन-पोषण के लिए यह काम करना शुरू किया था। कोतवाली प्रभारी मुनेंद्र सिंह ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया। वहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

सपा और बसपा में चलाता था पर्ची-खर्ची का खेल: नंदी

करणवाणी न्यूज

नोएडा। चाहे मायावती की सरकार रही हो चाहे समाजवादी पार्टी की सरकार रही हो। पर्ची चलती थी , पर्ची और खर्ची पर ही सब खेल होता था। आज उप्र इन आठ सालों में अपने आप को स्थापित करने का काम किया है। कही भी किसी ने गैर कानूनी काम किया है। कानून को हाथ में लेने की कोशिश की है भ्रष्टाचार किया है तो बख्शा नहीं जाएगा। ये बात औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता ने नोएडा प्राधिकरण की समीक्षा बैठक के बात कही। उन्होंने प्राधिकरण के कार्यों की पांच घंटे तक समीक्षा बैठक की। उन्होंने कहा कि जैसे भारत का मुकुट कश्मीर है वैसे प्रदेश का मुकुट नोएडा ग्रेटरनोएडा और यमुना प्रदेश का मुकुट है। जहां पर देश के बड़े उद्योग घराने , जिनकी यहां बहुत सी इंडस्ट्री चल रही है। और यहां लोग आ रहे है। रोड नाली सड़क हॉर्टिकल्चर पार्क, के साथ लैंड बैंक कैसे बढ़ाया जाए इंडस्ट्री को और कैसे सुविधा हो ऑनलाइन नक्शा पास किया जाए। इन सभी के लिए एक समीक्षा बैठक की गई थी। उसमे गहन समीक्षा की गई जहां जहां थोड़ी कमियां थी उसमे सुधार करने को कहा गया।जहां अच्छा काम किया गया है। उनको सराहा किया गया। पिछले आठ सालों में उप्र बना अब सर्वोत्तम प्रदेश बनने की डगर पर है। थोड़ी बहुत कमी मिली है तो उसके लिए निर्देश दिए। अधिकारियों को कहा गया है कि वे आर्किटेक्ट के साथ भी समीक्षा बैठक कर समन्वय बनाने के लिए निर्देशित किया गया। इंटरनेशनल ट्रैड शो का नतीजा है पूरी दुनिया के लोग इसमें हिस्सा लेते है। बायर्स पार्टिसिपेट करते है। 2027-28 तक के ऑर्डर मिल चुके है। ओडीओपी के जरिए दुनिया में नई पहचान दिलाई।

प्रेम नगर, इंद्रानगर में चला संचारी रोग नियंत्रण अभियान

शुक्लागंज, उन्नाव। संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत नगर पालिका परिषद शुक्लागंज द्वारा जुलाई माह में सभी वार्डों में सफाई और जागरूकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को पालिका अध्यक्ष कौमुदी पांडे और अधिशासी अधिकारी मुकेश कुमार मिश्रा के निर्देशन में वार्ड-3 इंद्रा नगर,प्रेम नगर में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान, सफाई कर्मचारियों ने नालियों और नालों से सिल्ट हटाई और पूरे क्षेत्र में एंटी-लार्वा रसायन का छिड़काव किया। मोहल्ले के निवासियों को जलभराव और गंदगी से बचने के लिए जागरूक किया गया ताकि मलेरिया, डेंगू और अन्य संचारी रोगों से बचाव हो सके। शाम के समय मच्छरों की बढ़ती तादाद को देखते हुए वार्ड की अधिकांश गलियों में फॉगिंग भी की गई। अधिशासी अधिकारी मुकेश मिश्रा ने बताया कि पूरे जुलाई माह तक पालिका द्वारा सभी वार्डों में इसी तरह सफाई, छिड़काव और फॉगिंग का कार्य जारी रहेगा।

पत्नी से छेड़छाड़ करने पर पति ने सेक्रेटरी को दी जान से मारने की धमकी

ग्राम सचिवों और ब्लाक कर्मियों ने थाने पहुंचकर की कार्रवाई की मांग

करणवाणी न्यूज

चंदौली। जिले के धानापुर विकास खंड क्षेत्र में कार्यरत एक ग्राम पंचायत अधिकारी पर एक महिला ने कथित दुर्व्यवहार एवं छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर दी है। उधर पत्नी के साथ हुए कथित दुर्व्यवहार से क्षुब्ध महिला के पति ने सेक्रेटरी के साथ गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दिया है। जिसके बाद ग्राम पंचायत अधिकारी संघ ने शुक्रवार को थाने पहुंचकर उक्त महिला के पति के विरुद्ध कार्रवाई करने की मांग किया है। फिरहाल पुलिस इस मामले की जांच में जुट गई है।

जिले के धानापुर ब्लॉक अंतर्गत वर्दीसांडा गांव निवासी जितेंद्र यादव उर्फ मुन्ना सिंचाई विभाग में कार्यरत थे। बीते 14 जून को उनकी हृदय गति रुकने के कारण मौत हो गई। जितेंद्र की दो शादी हुई थी। पहली पत्नी कुसुम

आवाजापुर गांव की रहने वाली थीं। उससे दो बच्चे क्रमशः गरिमा 17 वर्ष और प्रियांशु 14 वर्ष हैं। जो वर्तमान में अध्ययनरत हैं। वर्ष 2010-11 में कुसुम की मृत्यु हो जाने के बाद वर्ष 2013 में जितेंद्र ने छित्तनपुर निवासिनी निशा यादव के साथ शादी कर लिया। एक वर्ष के बाद दोनों के बीच अनबन हो गई। और निशा अपने मायके चली गई। उससे एक बच्ची है। दोनों के बीच कोर्ट में मुकदमा चल रहा है। जिसमे कोर्ट के आदेश पर जितेंद्र प्रति माह 5 हजार रुपये निशा को देता रहा है। अब जबकि जितेंद्र की मौत हो गई तो आरोप है कि निशा ने सेक्रेटरी से सांठ गांठ कर जितेंद्र की पहली पत्नी सहित उनकी दोनों बच्चों का नाम परिवार रजिस्टर से गायब करवा दिया। और खुद को उनका वारिस घोषित करने के उद्देश्य से अपना और अपनी बच्ची के नाम परिवार रजिस्टर की नकल जारी करवा लिया। जितेंद्र की मौत के बाद परिवार में अन्य कोई सदस्य नहीं होने की वजह से जितेंद्र की बहन सीमा ने सेक्रेटरी से मिलकर परिवार रजिस्टर की सही नकल जारी करने की मांग किया। सीमा का आरोप है कि सेक्रेटरी ने उन्हें हफ्तों दौड़ाया, और अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया। महिला ने जब उनके गलत इशारों की शिकायत पति से किया तो पति आग बबूला हो गए। फिर दोनों के बीच गाली गलौच होने लगी। वहीं सेक्रेटरी विकास यादव का कहना है कि मैंने महिला के साथ कोई छेड़छाड़ नहीं किया। आरोप बेबुनियाद और गलत है। उधर कथित घटना को लेकर शुक्रवार को बड़ी संख्या में ग्राम पंचायत सचिव एवं ब्लाक कर्मी धानापुर थाने पर इकठ्ठा हुए। सभी ने एकजुट हो इस कृत्य की निंदा की और दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग किया। इस दौरान जिला अध्यक्ष दिनेश सिंह, एडीओ पंचायत राजेश सिंह, दयाल शरण श्रीवास्तव, मिथिलेश सिंह, कमलेश यादव, पवन दुबे, सुनील सिंह, तन्मय सिंह, नवनीत, विकास प्रजापति सहित जनपद के कई विकास खंड के पंचायत सचिव मौजूद थे। उधर प्रभारी निरीक्षक शरद गुप्ता ने बताया कि मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

डीएम के निर्देश पर हिस्ट्रीशीटर अपराधी छह माह के लिए जिले से निष्कासित

करणवाणी न्यूज

शुक्लागंज, उन्नाव। जिलाधिकारी के निर्देश पर गंगाघाट थाना क्षेत्र के बिंदानगर निवासी आदर्श निगम पुत्र विजय निगम को प्रशासन ने गुंडा घोषित करते हुए जिले की सीमा से छह माह के लिए निष्कासित कर दिया है। यह कार्रवाई आदर्श निगम की आपराधिक गतिविधियों को देखते हुए की गई है, जिन्हें जनपद की शांति व्यवस्था के लिए खतरनाक माना गया है। जारी आदेश में बताया गया है कि आदर्श निगम की गतिविधियों के कारण जनपद में अशांति और भय का माहौल पैदा हो रहा था। पुलिस द्वारा 15 सितंबर 2020 को उसे नोटिस जारी कर उसकी गतिविधियों की समीक्षा की गई। जिसके बाद यह सख्त कदम उठाया गया है। उत्तर प्रदेश गुंडा नियंत्रण अधिनियम की धारा 3(3) के तहत, आदर्श निगम को अगले छह महीने के लिए उन्नाव जनपद की सीमा से बाहर रहने का आदेश दिया गया है। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि वह इस अवधि के दौरान बिना अनुमति जिले में प्रवेश नहीं कर सकेगा। हालांकि, यदि किसी न्यायालय में उसकी उपस्थिति आवश्यक होती है, तो उसे धारा 4 के अंतर्गत स्वतः अनुमति प्राप्त मानी जाएगी। इस आदेश के अनुपालन की जिम्मेदारी पुलिस अधीक्षक उन्नाव और थाना प्रभारी गंगाघाट को सौंपी गई है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आदर्श निगम निर्धारित अवधि तक जिले से बाहर रहे और किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि में शामिल न हो। यह कार्रवाई अपराधियों के खिलाफ प्रशासन की सख्त नीति को दर्शाती है।

अत्यधिक पर्यटन का बढ़ता विरोध, मेक्सिको सिटी में हिंसक हुआ प्रदर्शन

एजेंसी

मेक्सिको सिटी। अत्यधिक पर्यटन के खिलाफ दुनिया के कई शहरों में विरोध प्रदर्शन बढ़ रहे हैं। मेक्सिको की राजधानी मेक्सिको सिटी में तो अत्यधिक प्रदर्शन के खिलाफ हो रहे प्रदर्शन हिंसक हो गए। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने दुकानों में तोड़फोड़ की और कई विदेशी पर्यटकों को भी प्रताड़ित किया। मेक्सिको सिटी में शुक्रवार को अत्यधिक पर्यटन के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन शुरू हुए थे, जो देर शाम तक हिंसक हो गए। अमेरिकी दूतावास के बाहर नारेबाजी प्रदर्शनकारियों में कुछ नकाबपोश प्रदर्शनकारी थे, जिन्होंने हंगामा किया और मेक्सिको सिटी के कोंडेसा और रोमा जैसे पर्यटन क्षेत्रों में दुकानों की खिड़कियां और शीशे तोड़ डाले और कई दुकानों में लूटपाट भी की। इस दौरान विदेशी पर्यटकों को भी परेशान किया गया और उनके साथ हाथापाई की गई। इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने अमेरिकी दूतावास के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने दीवारों पर लिखा मेक्सिको से बाहर निकल जाओ।

स्थानीय लोगों की बढ़ रही परेशानी दरअसल कोरोना महामारी के दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने घरों से ही ऑफिस का काम किया और इस दौरान अमेरिकी लोग मेक्सिकी सिटी या यूरोप के शहरों में रहकर ऑफिस का काम करते रहे। बड़ी संख्या में लोग अभी भी मेक्सिकी सिटी में रहकर काम कर रहे हैं। इससे शहर में घरों की कीमत कई गुना बढ़ गई है और महंगाई भी बढ़ी है। शहर के होटल-रेस्तरां में भी अक्सर भीड़ दिखती है। इससे स्थानीय लोगों को परेशानी हो रही है। यही वजह है कि अब मेक्सिको सिटी के लोग अत्यधिक पर्यटन का विरोध कर रहे हैं।

गौरतलब है कि मेक्सिकी सिटी ही नहीं बल्कि दुनिया के कई और शहरों में भी अत्यधिक पर्यटन के खिलाफ स्थानीय लोग एकजुट हो रहे हैं।

नाटो की अस्पष्टता व मदद में देरी से खिसक रही यूक्रेन की जमीन

- पुतिन युद्ध रोकने के पक्ष में नहीं

एजेंसी

मास्को/वाशिंगटन। रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के तौर पर देखी जा रही व्लादिमीर पुतिन और डोनाल्ड ट्रंप के बीच की ताजा बातचीत भी किसी ठोस नतीजे पर नहीं पहुंच सकी है। अमेरिकी मदद के बावजूद पश्चिम की रणनीतिक अस्पष्टता व नाटो से मदद मिलने में देरी के चलते आक्रामक रूसी अभियान के सामने यूक्रेन की जमीन धीरे-धीरे खिसक रही है। विश्लेषकों का मानना है कि जमीन पर मिल रही रूसी बढ़त को देखते हुए पुतिन अब किसी भी कीमत पर पीछे हटने को तैयार नहीं हैं। सामरिक मामलों के विश्लेषक लुका डेविस के अनुसार नाटो द्वारा भेजे गए हथियार अक्सर देरी से पहुंचते हैं और कई बार वे जमीनी जरूरतों से मेल नहीं खाते। दूसरी ओर रूस के पास

लंबी दूरी की मिसाइलें, घातक ड्रोन और पर्याप्त मानव संसाधन की निरंतर आपूर्ति है। नाटो की रणनीति अभी भी प्रतिक्रियात्मक है, जबकि रूस पूर्व योजना और गहराई तक आक्रामक अभियान चला रहा है।

पश्चिमी समर्थन में है रणनीतिक अस्पष्टता ऑक्सफोर्ड विवि की रक्षा विश्लेषक डॉ. कैथरीन माइकल्स कहती हैं कि पश्चिमी समर्थन में रणनीतिक अस्पष्टता बड़ी समस्या है। जर्मनी, फ्रांस और अमेरिका जैसे प्रमुख देशों की घरेलू राजनीति यूक्रेन के समर्थन को बाधित कर रही है। हाल ही में यूक्रेन ने रूस के अंदर स्थित कई प्रमुख हवाई ठिकानों पर ड्रोन हमले किए हैं, जिनसे रूस के सैन्य ढांचे को बड़ा नुकसान पहुंचा है। इसका उल्लेख करते हुए पुतिन ने ट्रंप से कहा कि अब रूस युद्ध को निर्णायक स्थिति की ओर ले जाएगा। सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक और इंटरनेशनल स्टडीज (सीएसआईएस) वाशिंगटन की रिपोर्ट कहती है कि रूसी राष्ट्रपति फिलहाल युद्ध को रोके जाने के पक्ष में नहीं दिखते। रूसी सेना ने डोनेट्स्क, लुहांस्क और जापोरिझिया समेत कई इलाकों में सैन्य बढ़त बना रखी है। युद्धविराम का मतलब मौजूदा रणनीतिक लाभ को छोड़ना होगा, जो उन्हें स्वीकार्य नहीं है।

सैन्य दबाव से परिणाम पाने की कोशिश

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन ने कहा कि पुतिन अब कूटनीति के बजाय सैन्य दबाव से परिणाम चाहते हैं। रूस के राजनीतिक विश्लेषक फ्योदोर लुक्यानोव के अनुसार सीजफायर की पश्चिमी कोशिशें तब तक व्यर्थ रहेंगी जब तक यूक्रेन को किसी भी रूप में नाटो सदस्यता या सुरक्षा गारंटी देने की बात होगी।

मुस्लिम बहुल कजाकिस्तान में पर्दा प्रथा के खिलाफ कदम उठा रहे राष्ट्रपति

एजेंसी

नई दिल्ली। अविभाजित सोवियत संघ में जासूसी उपन्यासों के लेखक के घर में पैदा हुए, पांच भाषाओं के जानकार व टेबल टेनिस खेलने के शौकीन हैं। कजाकिस्तान में पहले उप विदेश मंत्री, फिर प्रधानमंत्री और अब राष्ट्रपति के ओहदे पर पहुंचे तोकायेव 70 फीसदी मुस्लिमों के देश में बुर्के पर प्रतिबंध लगाकर आलोचकों और प्रशंसकों, दोनों की ही चर्चाओं के केंद्र बन गए हैं। वर्ष 1991 में सोवियत संघ से मिली आजादी के बाद नूरसुल्तान नजरबायेव कजाकिस्तान के पहले राष्ट्रपति बने, लेकिन उन्हें भरोसेमंद और कुशल सहयोगी की जरूरत थी, जो कूटनीति में दक्ष हो, खासकर रूस और चीन के बीच सामंजस्य बिठाते हुए इस नए देश की साख को मजबूत कर सके। करीब एक साल की खोजबीन के बाद नूरसुल्तान को न केवल विदेश नीति का कुशल रणनीतिकार, बल्कि अपना उत्तराधिकारी भी मिल गया। उसका नाम था कासिम-जोमार्ट तोकायेव, जो वर्तमान में कजाकिस्तान के राष्ट्रपति हैं। राजनीति में आधुनिकीकरण और

समानता के पक्षधर तोकायेव हाल ही में कजाकिस्तान में बुर्के पर प्रतिबंध लगाने के अपने फैसले को लेकर चर्चा में हैं। इस क्रांतिकारी कदम के लिए जहां उन्हें कट्टरपंथी मुस्लिमों की आलोचनाएं झेलनी पड़ रही हैं, वहीं करीब सत्तर फीसदी मुस्लिम आबादी वाले देश में पर्दा प्रथा को खत्म कर महिलाओं को सम्मान से जीने देने की उनकी इस पहल की पूरे विश्व में वाहवाही भी हो रही है। उन्होंने 2023 में स्कूलों में भी कुछ इसी तरह का प्रतिबंध लगाया था। वह संयुक्त राष्ट्र (यूएन) में महानिदेशक जैसा अहम पद भी संभाल चुके हैं। लंबा प्रशासनिक और राजनीतिक अनुभव रखने वाले 72 वर्षीय कासिम-जोमार्ट तोकायेव उत्तर में रूस और पूर्व में चीन जैसी पड़ोसी महाशक्तियों, तो अमेरिका समेत कई अहम पश्चिमी देशों के बीच संतुलन साधे हुए हैं।

तुर्किये में विपक्ष खत्म करने की कोशिश जारी

- इस्तांबुल मेयर ही दे सकते हैं एर्दोआन को चुनौती

एजेंसी

अंकारा। तुर्किये में विपक्ष का दमन जारी है। इसी के तहत शनिवार को तुर्किये के दक्षिणी शहरों के तीन मेयर्स को गिरफ्तार किया गया। सरकार द्वारा गिरफ्तार किए गए विपक्षी नेताओं की सूची में तीन और नए नाम जुड़ गए हैं। इससे पहले मार्च में तुर्किये के प्रमुख शहर इस्तांबुल के मेयर को भी गिरफ्तार कर लिया गया था।

रिश्वतखोरी के मामले में हुई कार्रवाई शनिवार को गिरफ्तार नेताओं में अदियामान शहर के मेयर अब्दुल रहमान तुतडेरे, अदाना नगर पालिका के प्रमुख जेदान करालार को शनिवार सुबह हिरासत में लिया गया। दोनों नेता तुर्किये की मुख्य विपक्षी पार्टी रिपब्लिकन पीपल्स पार्टी या सीएचपी के सदस्य हैं। सीएचपी से ही जुड़े और अनताल्या शहर के मेयर मुहीत्तिन बोकेक को भी रिश्वतखोरी

के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। करालार को इस्तांबुल में पकड़ा गया, वहीं तुतडेरे को राजधानी अंकारा से गिरफ्तार किया गया। तुतडेरे ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि उन्हें इस्तांबुल ले जाया जा रहा है।

मार्च में इस्तांबुल के मेयर को भी किया गया था गिरफ्तार पुलिस ने बताया कि संगठित अपराध, रिश्वत जैसे मामलों में करालार और तुतडेरे समेत 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनके खिलाफ क्या आरोप लगे हैं, उनकी जानकारी अभी सामने नहीं आई हैं, लेकिन विपक्षी पार्टियों से जुड़े नेताओं के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी है। इस्तांबुल मेयर एकरेम इमामोग्लू, जिन्हें राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोआन का प्रमुख प्रतिद्वंदी माना जाता है, उन्हें भ्रष्टाचार के आरोप में चार महीने पहले गिरफ्तार किया गया था। इसी तरह इजमिर शहर के मेयर और 137 नगर पालिकाओं के प्रमुखों को भी हिरासत में रखा गया है। इन सभी को धोखाधड़ी के कथित मामले में गिरफ्तार किया गया है। इससे पहले भी कई विपक्षी नेता जेल में हैं और कई महीने बीत जाने के बाद भी उनके खिलाफ मुकदमे की कार्यवाही शुरू नहीं हो सकी है। तुर्किये के मानवगात शहर के मेयर को भी शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया था। इमामोग्लू की गिरफ्तारी के बाद तुर्किये में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन भी हुए थे। ये विरोध प्रदर्शन बीते एक दशक में सबसे बड़े प्रदर्शन थे। तुर्किये में साल 2028 में आम चुनाव होने हैं। ऐसे में विपक्षी नेताओं के खिलाफ कार्रवाई को विरोधियों को मिटाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है।

गाजा में इस्राइल के साथ सीजफायर पर बोला हमास

- गाजा में एक महीने के अंदर 613 फलस्तीनियों की मौत

एजेंसी

देइर अल-बलाह। हमास ने शुक्रवार को कहा कि उसने गाजा में संघर्ष विराम के नए प्रस्ताव पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। साथ ही यह भी कहा कि इस पर आगे बातचीत की जरूरत है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि हमास ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा सुझाए गए 60 दिनों के युद्ध विराम प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है या नहीं। हमास इस बात की गारंटी मांग रहा है कि शुरुआती संघर्ष विराम के बाद युद्ध पूरी तरह समाप्त हो जाए, जो लगभग 21 महीने से जारी है। राष्ट्रपति ट्रंप इस पर समझौता कराने की कोशिश कर रहे हैं, और इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अगले सप्ताह एक समझौते पर चर्चा करने के लिए व्हाइट हाउस का दौरा करने वाले हैं। हमास के बयान से कुछ ही समय पहले शुक्रवार सुबह इस्राइल ने गाजा में हवाई हमला किया, जिसमें 15 फलस्तीनी मारे गए। इसके अलावा, एक अस्पताल ने कहा कि सहायता मांगने के दौरान गोलीबारी में 20 अन्य लोग मारे गए। इसके अलावा, संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय ने कहा कि उसने गाजा में एक महीने के अंदर 613 फलस्तीनियों की हत्या दर्ज की है, जब वे सहायता पाने की कोशिश कर रहे थे। संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि ज्यादातर लोग इस्राइल समर्थित अमेरिकी संगठन द्वारा संचालित खाद्य वितरण केंद्रों तक पहुंचने की कोशिश करने के दौरान मारे गए, जबकि अन्य संयुक्त राष्ट्र या अन्य मानवीय संगठनों से जुड़े सहायता ट्रकों की प्रतीक्षा में एकत्र हुए थे।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि इस्राइल 60 दिन के संघर्ष विराम के लिए तैयार है, और अमेरिका इस दौरान सभी पक्षों से बातचीत कर युद्ध को खत्म करने की कोशिश करेगा।

सीमा के एक-तिहाई हिस्से को सैन्य निगरानी में लाया अमेरिका

- अवैध प्रवेश रोकने के लिए विस्तार को लेकर विवाद

एजेंसी

कोलंबस। अमेरिकी सेना ने न्यू मेक्सिको के रेगिस्तान में अंग्रेजी और स्पेनिश भाषा में नारंगी रंग के नो-एंट्री संकेत लगा दिए हैं। उसने न्यू मैक्सिको और पश्चिमी टेक्सास में हजारों चेतावनियां लगाई हैं, जिसमें क्षेत्र को कमांडर के अधिकार द्वारा प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित किया गया है और सीमा के एक-तिहाई लंबे हिस्से को सेना की निगरानी में ला दिया है। यह एक बड़े बदलाव का हिस्सा है। इससे देश में अवैध प्रवेश करने वालों को हिरासत में लेने की आशंका के बीच विवाद बढ़ गया है। ट्रंप प्रशासन का प्रयास है कि अमेरिकी सैनिकों को देश में अवैध रूप से प्रवेश करने वाले लोगों को हिरासत में लेने का अधिकार मिल जाए। यह कदम राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पदभार ग्रहण करने के पहले दिन घोषित सीमा पर राष्ट्रीय आपातकाल अधिकार के तहत उठाया गया है। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि सीमा प्रवर्तन में अंतराल को बंद करने और मानव तस्करी नेटवर्क तथा क्रूर ड्रग कार्टेल के खिलाफ व्यापक लड़ाई छेड़ने के लिए इन क्षेत्रों की आवश्यकता है।

सैन्यीकरण को अदालत में दी जा रही चुनौती

सैन्यीकरण को अदालत में चुनौती दी जा रही है, तथा नागरिक अधिकार अधिवक्ताओं, मानवीय सहायता समूहों और आउटडोर उत्साही लोगों द्वारा इसकी आलोचना की गई है। इसके तहत सैनिकों को खुली छूट देते हुए सार्वजनिक भूमि के प्रवेश पर रोक लगाने को लेकर आपत्ति जताई गई है। प्रवासियों की मृत्यु दर बढ़ी लापता प्रवासियों के लिए खोज और बचाव समूह की नेता एबी कारपेंटर ने कहा कि रेगिस्तान के उन हिस्सों में लोगों की पहुंच को रोका जा रहा है जहां प्रवासियों की मृत्यु दर में वृद्धि हुई है। हो सकता है कि और भी मौतें हुई हों, लेकिन हमें नहीं पता। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, दो सैन्यीकृत क्षेत्र 230 मील की सीमा पर एक बफर बनाते हैं, जो टेक्सास के फोर्ट हैनकॉक से लेकर एल पासो और पश्चिम की ओर विशाल न्यू मेक्सिको खेत-खलिहानों तक फैला हुआ है। यहां 7,600 सैनिक गश्त करते हैं।

अर्जेंटीना में पीएम मोदी के दौरे से लोग उत्साहित

- दोनों देशों में बढ़ेंगे कारोबार और सहयोग

एजेंसी

ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना की राजधानी ब्यूनस आयर्स में इन दिनों खास माहौल देखने को मिल रहा है। यहां रह रहे भारतीय मूल के लोगों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे को लेकर जबरदस्त उत्साह है। दक्षिण अमेरिका के इस बड़े देश में पीएम मोदी की यात्रा का लोगों को बेसब्री से इंतजार था। भारतीय समुदाय के लोग मानते हैं कि यह दौरा भारत-अर्जेंटीना रिश्तों में नई ऊर्जा भरने का काम करेगा।

अर्जेंटीना में रह रहे भारतीय मूल के लोग इस बात से काफी खुश हैं कि उनके देश के प्रधानमंत्री उनसे मिलने आ रहे हैं। भारतीय समुदाय के सदस्य सौरभ लूथरा ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि इस समय जोश बहुत हाई है। हम सौभाग्यशाली हैं कि हमें प्रधानमंत्री से मिलने का मौका मिलेगा। हमें उम्मीद है कि भारत और अर्जेंटीना के रिश्ते और

भी मजबूत होंगे। वहीं भारतीय मूल की सुरूचि छाबड़ा ने कहा कि पीएम मोदी ने पूरी दुनिया में भारतीयों को गर्व महसूस कराया है। पीएम मोदी ने भारतीयों का हौसला बढ़ाया सुरूचि छाबड़ा ने कहा कि मैं अर्जेंटीना में रहती हूं। मैं भारतीय-अमेरिकी हूं। हमें बहुत गर्व है कि पीएम मोदी यहां आ रहे हैं। यह बहुत रोमांचक पल है। पूरी भारतीय समुदाय की तरफ से हम आभार व्यक्त करते हैं। पीएम मोदी एक ऐसे विश्व नेता हैं जिन्होंने भारतीयों का हौसला बढ़ाया है। उन्होंने हमेशा हमारे लिए खड़े होकर हमारा सम्मान बढ़ाया है। हम उनके अब तक के काम से खुश हैं और आगे भी उनसे बहुत उम्मीदें हैं।

कथक और भरतनाट्यम से होगा स्वागत

कार्यक्रम में शामिल एक अन्य कलाकार ने बताया कि वे मल्हारी और पुष्पांजलि जैसे पारंपरिक भारतीय नृत्य पेश करेंगे। ये प्रस्तुति कथक और भरतनाट्यम की शैली में होगी। उन्होंने कहा कि हम भारतीय संस्कृति से बहुत प्यार करते हैं। इसी कारण हमने इस खास कार्यक्रम के लिए लंबे समय से मेहनत की है। अब वह दिन आ गया है जब हम भारतीय परंपरा और संस्कृति को पीएम मोदी के सामने पेश करेंगे।

पीएम मोदी के स्वागत के लिए तैयारियां जोरों पर हैं। अर्जेंटीना में रहने वाले कलाकार भी इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। इनमें से कई कलाकार भारतीय मूल के हैं। आनंदिनी दासी नाम की एक कलाकार ने कहा कि पीएम मोदी का स्वागत करना हमारे लिए बहुत बड़ा सम्मान है। हम पूरी मेहनत से तैयारी कर रहे हैं। उम्मीद है कि उन्हें यह कार्यक्रम पसंद आएगा। हम चाहते हैं कि वह बार-बार इस देश में आएं। पीएम मोदी अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर माईली के आधिकारिक निमंत्रण पर ब्यूनस आयर्स जा रहे हैं। इस दौरान दोनों नेता द्विपक्षीय बातचीत करेंगे।

तीसरी बार अर्जेंटीना पहुंचेंगे पीएम मोदी

भारतीय समुदाय के एक अन्य सदस्य ने बताया कि वह झारखंड से हैं और पिछले 30 व ‘श् से अर्जेंटीना में रह रहे हैं। उन्होंने कहा, हम बहुत खुश हैं कि हमारे देश का कोई नेता यहां आ रहा है। खास बात यह है कि पीएम मोदी दूसरी बार अर्जेंटीना आ रहे हैं। इससे यह साफ होता है कि दोनों देशों के रिश्ते मजबूत हो रहे हैं। पीएम मोदी अपने पांच देशों के दौरे के तीसरे चरण में अर्जेंटीना पहुंचेंगे। इससे पहले वह त्रिनिदाद एंड टोबैगो का दौरा कर चुके हैं।

यूक्रेन का रूस के एयरबेस पर हमले का दावा

- रूस ने दागे तीन सौ से ज्यादा ड्रोन्स

एजेंसी

कीव। यूक्रेन ने दावा किया है कि उसने शनिवार को रूसी एयरबेस पर हमला किया। वहीं रूस ने भी रात भर यूक्रेन पर सैकड़ों ड्रोन से बमबारी जारी रखी। रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने की कोशिशें अब कमजोर होती जा रही हैं और दोनों तरफ से हमले भी तेज हो गए हैं। यूक्रेन के सैन्य जनरल स्टाफ ने शनिवार को कहा कि यूक्रेनी बलों ने रूस के वोरोनिश क्षेत्र में बोरिसोग्लब्स्क एयरबेस पर हमला किया। इस एयरबेस पर रूस के स्ह्व-34, स्ह्व-35स्र और स्ह्व-30स्रू जैसे लड़ाकू विमान तैनात बताए जाते हैं। रूस के एयरबेस को निशाना बनाने का दावा फेसबुक पर साझा एक पोस्ट में जनरल स्टाफ ने लिखा कि उनके हमले में ग्लाइड बम डिपो, एक प्रशिक्षण विमान और %संभवतः अन्य विमानों को निशाना बनाया गया है।

रूस की तरफ से अभी तक इसे लेकर कोई बयान नहीं दिया गया है। रूसी एयरबेस पर हमलों का रूस की सैन्य क्षमता को कम करने और रूस में घुसकर हमला करने की यूक्रेन की क्षमता को प्रदर्शित करना है। पिछले महीने भी यूक्रेन ने रूस के भीतर कई हजार किलोमीटर अंदर घुसकर उसके एयरबेस को निशाना बनाने का दावा किया था, जिसमें रूस के 40 से अधिक लड़ाकू विमानों को नष्ट कर दिया गया। रूस ने ड्रोन्स से बनाया यूक्रेन को निशाना रूस ने भी शनिवार रात तक यूक्रेन में 322 ड्रोन्स से यूक्रेन पर हमला किया और यूक्रेनी इलाकों में बमबारी की। यूक्रेन का दावा है कि इनमें से 157 को मार गिराया गया और 135 संभवतः इलेक्ट्रॉनिक रूप से जाम कर दिए गए। यूक्रेन का पश्चिमी खमेलनित्सकी क्षेत्र रूस के निशाने पर था। रूसी हमले में किसी भी तरह की नुकसान की सूचना नहीं है। रूस यूक्रेन पर लंबी दूरी के हमलों को बढ़ा रहा है। शुक्रवार रात को भी रूस ने बड़ा हमला करते हुए कीव को ड्रोन और मिसाइलों ने निशाना बनाया। इन हमलों में एक व्यक्ति की मौत हो गई और कम से कम 26 अन्य घायल हो गए। ये हमले ऐसे समय हुए, जब शुक्रवार को यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि उनकी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ बहुत अच्छी बातचीत हुई। दोनों नेताओं ने यूक्रेनी एयर डिफेंस को मजबूत करने पर बात की। अमेरिका और यूक्रेन के बीच संयुक्त हथियार उत्पादन पर भी सहमति बन सकती है।

अमेरिका ने ईरानी तेल निर्यात पर लगाया प्रतिबंध

वाशिंगटन। इस्राइल और ईरान के बीच युद्ध विराम के 12 दिन बाद अमेरिका ने ईरानी तेल निर्यात पर फिर प्रतिबंध लगाया है। इसे तेहरान के ऊर्जा क्षेत्र के खिलाफ अमेरिका की पहली कार्रवाई बताई जा रही है। बृहस्पतिवार को घोषित प्रतिबंधों के निशाने पर इराकी व्यवसायी सलीम अहमद सईद और उनकी संयुक्त अरब अमीरात स्थित कंपनी है, जिस पर अमेरिका ने इराकी तेल के साथ ईरानी तेल की तस्करी का आरोप लगाया है। अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने कहा, ईरान के व्यवहार ने उसे तबाह कर दिया है, जबकि उसके पास शांति चुनने का हर अवसर था, उसके नेताओं ने उग्रवाद को चुना। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता एस्माईल बाघई ने सुझाव दिया कि ईरान इस संकट का कूटनीतिक समाधान खोजने के लिए ओमान और कतर के माध्यम से अमेरिका के साथ अप्रत्यक्ष संपर्क में है। बाघई ने कहा, कूटनीति का दुरुपयोग नहीं किया जाना चाहिए या इसे धोखे के साधन के रूप में या अपने विरोधियों के खिलाफ मनोवैज्ञानिक युद्ध के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए।

नहीं पता मसूद अजहर कहां है: बिलावल

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने एक चौंकाने वाले दावे में कहा है कि इस्लामाबाद को नहीं पता कि जैश-ए-मोहम्मद का प्रमुख मसूद अजहर कहां है। उन्होंने यह भी कहा है कि अगर भारत यह बताता है कि वह पाकिस्तानी धरती पर है तो देश उसे गिरफ्तार करने में खुशी महसूस करेगा।

मसूद अजहर भारत के सबसे वांछित आतंकवादियों में से एक है। वह 2001 के संसद हमले, 26/11 के मुंबई हमलों, 2016 के पठानकोट हमले और 2019 के पुलवामा हमले सहित अन्य के साजिशकर्ताओं में से एक है। अजहर को 2019 में संयुक्त राष्ट्र की ओर से वैश्विक आतंकवादी घोषित किया गया था। उसे 1999 में कंधार अपहरण के बाद ढ्ढष्ट-814 के यात्रियों के बदले में रिहा किया गया था। भारत मांग कर रहा है कि पाकिस्तान अजहर और लश्कर-ए-तैयबा के प्रमुख हाफिज सईद को सौंप

दे, ताकि उन्हें उनके नापाक कामों की सजा दी जा सके। भारत ने इस्लामाबाद को कई बार दोनों के वहां सक्रिय होने के सबूत दिए हैं, लेकिन पाकिस्तान ने हर बार अपनी आंखें मूंद ली हैं। एक समाचार पोर्टल को दिए साक्षात्कार में पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के प्रमुख बिलावल भुट्टो (जो देश में सत्तारूढ़ गठबंधन का हिस्सा हैं) ने कहा कि हाफिज सईद पाकिस्तान में एक स्वतंत्र व्यक्ति नहीं है और अजहर अफगानिस्तान में हो सकता है।

अगर वह पाकिस्तानी धरती पर है, तो हमें उसे गिरफ्तार करने में बहुत खुशी होगी। एक रिपोर्ट के बारे में पूछे गए सवाल पर कि सईद आजाद है, भुट्टो ने कहा, यह सही नहीं है। यह तथ्यात्मक रूप से सही नहीं है कि हाफिज सईद आजाद है। वह पाकिस्तानी राज्य की हिरासत में है। जहां तक मसूद अजहर का सवाल है, हम उसे गिरफ्तार करने या उसकी पहचान करने में असमर्थ रहे हैं। अफगान जिहाद को लेकर उसके अतीत को देखते हुए हमारा मानना है कि वह अफगानिस्तान में है। अगर और जब भारत सरकार हमारे साथ यह जानकारी साझा करती है कि वह पाकिस्तानी धरती पर है, तो हमें उसे गिरफ्तार करने में बहुत खुशी होगी। भारत से जानकारी की अपेक्षा क्यों? यह पूछे जाने पर कि पाकिस्तान अजहर के बारे में भारत से जानकारी की अपेक्षा क्यों करेगा या उसका इंतजार क्यों करेगा? पीपीपी प्रमुख ने टालमटोल लहजे में कहा, %जब आप किसी देश के साथ आतंकवाद-रोधी सहयोग करते हैं, तो हम अपनी चिंता साझा करते हैं, वे अपनी चिंता साझा करते हैं।

ड्रोन हमले की झूठी कहानी गढ़कर भारतीय मूल के इंजीनियर ने अमेरिका में मचाया बवाल

- वर्क डिले पर एक्स-बॉस को दे रहा था धोखा
- टेलेगिन ने कहा कि जब वह कोडिंग से जुड़े काम में थोड़ी देर करते थे, तो पारेख उन्हें भावनात्मक रूप से ब्लैकमेल करते थे।

एजेंसी

वॉशिंगटन। भारत-पाकिस्तान के बीच सैन्य तनाव के माहौल में एक भारतीय मूल के इंजीनियर ने अपने एक्स-बॉस को झूठ बोलकर भावनात्मक रूप से परेशान किया। मुंबई में रहने वाले सोहम पारेख ने दावा किया कि उनके घर के पास ड्रोन हमला हुआ है, जबकि असल में ऐसा कुछ नहीं हुआ था। पारेख के एक्स-बॉस और लीपिंग एआई स्टार्टअप के को-फाउंडर अर्काडी टेलेगिन ने सोशल मीडिया पर इस पूरे मामले का खुलासा किया है।

यह पूरा विवाद उस समय शुरू हुआ जब भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ ‘ऑपरेशन सिंदूर’ शुरू किया था। यह ऑपरेशन 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद किया गया था, जिसमें 26 आम लोगों की जान गई थी। इसी सैन्य तनाव के माहौल में सोहम पारेख ने अपने अमेरिकी एक्स-बॉस को बताया कि उनके घर के पास ड्रोन हमला हुआ है, जिससे बिल्डिंग को नुकसान पहुंचा है।

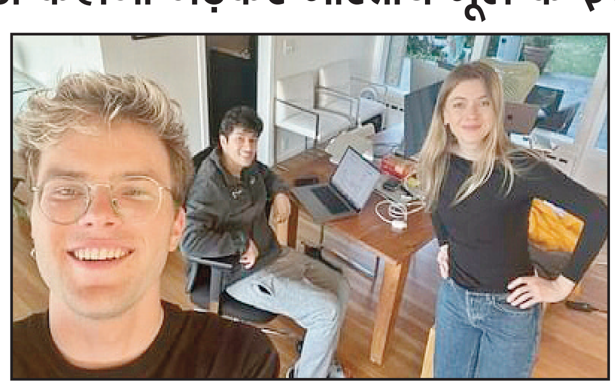

मुंबई में रहते हुए खुद को बताया था खतरे में अर्काडी टेलेगिन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर इस घटना का खुलासा करते हुए कहा कि पारेख उस दौरान मुंबई में ही थे, लेकिन उन्होंने झूठ बोलकर खुद को खतरे में दिखाने की कोशिश की। पारेख ने कहा कि मेरे घर से 10 मिनट की दूरी पर ड्रोन हमला हुआ है। इतना ही नहीं, उन्होंने दावा किया कि उनके घर के पास की बिल्डिंग को नुकसान हुआ है। इस बहाने उन्होंने अपने काम में देरी के लिए टेलेगिन को दोषी ठहराने की कोशिश की। टेलेगिन ने कहा कि जब वह कोडिंग से जुड़े काम में थोड़ी देर करते थे, तो पारेख उन्हें भावनात्मक रूप से ब्लैकमेल करते थे। यानी यह दिखाते थे कि वो इतनी मुश्किलों के बावजूद थोड़ बहुत काम कर रहे हैं, वरना इन हालातों में कोई काम नहीं कर सकता। पारेख का कहना था कि जब देश में इतनी बड़ी स्थिति बनी हुई है और उनके आसपास धमाके हो रहे हैं, ऐसे में टेलेगिन को आराम से काम लेना चाहिए। हालांकि टेलेगिन ने तंज कसते हुए कहा कि अगली बार कोई कंपनी पारेख को मुख्य अभियंता बना दे। सोहम पारेख ने बाद में अपने एक्स-बॉस से माफी भी मांगी। टेलेगिन ने माफी वाले मैसेज का भी स्क्रीनशॉट शेयर किया और लिखा कि पारेख के स्वभाव में मैं यही परिवर्तन देखना चाहता था। हालांकि, सोशल मीडिया पर लोग पारेख के व्यवहार को गैर-जिम्मेदाराना और अनैतिक बता रहे हैं। यह मामला एक बार फिर बताता है कि कैसे कुछ लोग निजी फायदे के लिए गंभीर हालात का सहारा लेकर दूसरों को गुमराह करते हैं।

मैसेज में हुई बातचीत के स्क्रीनशॉट हुए सार्वजनिक

टेलेगिन ने इस पूरे मामले के सबूत के तौर पर पारेख के साथ हुई चैट के स्क्रीनशॉट भी सोशल मीडिया पर शेयर किए। इन चैट्स में साफ दिख रहा है कि पारेख लगातार तनाव का हवाला देकर टेलेगिन द्वारा दिए गए काम को टाल रहे थे। इसके साथ ही टेलेगिन को ऐसा महसूस करा रहे थे कि जैसे उसपर काम का ज्यादा दबाव बनाया जा रहा हो। इस खुलासे के बाद पारेख की काफी आलोचना हो रही है। बता दें कि पारेख पहले ही कई अमेरिकी स्टार्टअप में बिना जानकारी दिए एक साथ काम करने के मामले में घिर चुके हैं।

शरीर में दिख रहे ऐसे लक्षण तो हो सकता है ब्रेन स्ट्रोक का खतरा

जब दिमाग में सही तरह से ब्लड की सप्लाई नहीं हो पाती है, तो मस्तिष्क को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल पाता है। ऐसे में अगर व्यक्ति को सही इलाज न मिले, जो उसकी जान भी जा सकती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक महिलाओं में पुरुषों की तुलना में स्ट्रोल होने का अधिक खतरा होता है। वहीं स्ट्रोक को एक्यूट न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर के नाम से भी जाना जाता है। साथ ही यह जानलेवा साहित हो सकता है। लेकिन स्ट्रोक आने के 7 दिन पहले शरीर में इसके लक्षण नजर आने लगते हैं।

7 दिन पहले शरीर में दिखने वाले लक्षण

सुबह उठने में समस्या होना

स्ट्रोक आने से करीब 7 दिन पहले व्यक्ति को सुबह उठने में कमजोरी महसूस हो सकती है। फेस पर भारीपन होने के साथ हाथ उठाना मुश्किल लगता है। स्ट्रोक के लक्षण के तौर पर मरीज को बैलेंस करना काफी मुश्किल होता है। वहीं व्यक्ति सही से बैलेंस नहीं कर पाने की वजह से गिर सकता है।

हाथ में कमजोरी लगना

स्ट्रोक आने से पहले हाथ को ऊपर उठाने या नीचे करने में समस्या आ सकती है। इस दौरान व्यक्ति का हाथ इतना कमजोर हो सकता है कि वह कुछ उठाने में भी असमर्थ हो सकता है। मरीज के शरीर का आधा हिस्सा कमजोर हो जाता है।

धुंधला दिखना

इस दौरान मरीज को चीजें थोड़ी धुंधली दिखने लगती है। कभी-कभी एक आंख से तो कभी दोनों आंखों से धुंधला दिख सकता है। आंखों के धुंधलेपन की वजह से व्यक्ति का एक जगह पर खड़े होना या एक जगह से दूसरी जगह जाना मुश्किल होता है।

याददाश्त पर असर

आपको बता दें कि स्ट्रोक आने से पहले व्यक्ति की याददाश्त पर भी इसका असर देखने को मिलता है। व्यक्ति को फोकस करने और चीजें याद रखने में दिक्कत होती है। यदि किसी को स्ट्रोक आता है, तो भविष्य में उसकी याददाश्त पर निगेटिव असर देखने को मिल सकता है। इससे मरीज को शॉर्ट टर्म या लान्ग टर्म की समस्या हो सकती है।

बोलने में दिक्कत

स्ट्रोक आने से करीब 7 दिन पहले मरीज के बातचीत के लहजे में समस्या हो सकती है। हांलाकि स्ट्रोक के दौरान भी यह चीज देखने को मिल सकती है। इस दौरान मरीज के लिए एक भी शब्द बोलना मुश्किल हो जाता है। ठीक इसी तरह स्ट्रोक आने के 7 दिन पहले मरीज सही से बातचीत नहीं कर पाता है और चीजों को समझने में समस्या हो सकती है।

थकान लगना

स्ट्रोक के आम लक्षणों में एक लक्षण थकान बने रहना है। इस दौरान व्यक्ति को थकान लगने के साथ शरीर में एनर्जी की कमी महसूस हो सकती है। हांलाकि थकान अन्य बीमारियों की ओर भी इशारा करता है। लेकिन यदि मरीज में थकान के साथ ऊपर बताए गए लक्षण नजर आएं, तो फौरन डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

कंफ्यूजन

स्ट्रोक आने के 7 दिन पहले व्यक्ति को चीजों को समझने में समस्या होने लगती है। मरीज को शब्द सही से याद नहीं रहते हैं और बोलने में परेशानी होती है। आमतौर पर मरीज को शब्दों के चयन में परेशानी होती है, तो यह स्ट्रोक के लक्षण हो सकते हैं।

दुनियाभर में बढ़ रही सिंगल लोगों की संख्या

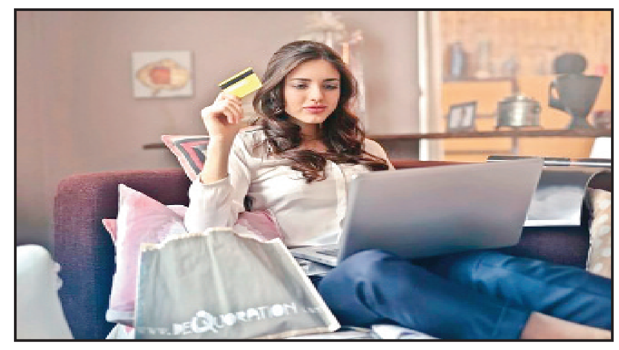

आजकल लोग रिलेशनशिप और शादी से भाग रहे हैं। मैं उनमें से एक हूं। मुझे लगता है कि अकेले रहना और अपनी जिंदगी अपने हिसाब से जीना आसान है। और यदि आप मेरे जैसे ही हैं तो शांत रहें, हम इस प्यार की दुनिया में अकेले नहीं हैं, जो अकेले रहना पसंद करते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले कुछ दशकों में विश्व स्तर पर अकेलेपन की दर बढ़ रही है। दुनियाभर के कई देशों में लोग शादी में देरी करना या लंबे समय तक अकेले रहना पसंद कर रहे हैं। जब चर्चा इस विषय पर आती है कि लोग सिंगल क्यों रहना चाहते हैं, तो ज्यादातर लोग यही सोचते हैं कि हमारे पास कुछ समस्याएं या किसी प्रकार की असुरक्षा है, जिसकी वजह से हमारे लिए साथी ढूंढना या रिश्ता बनाए रखना मुश्किल हो जाता है। ये सच है? अगर है तो कितना? चलिए विस्तार से चर्चा करते हैं।

सिंगल लोगों की बढ़ती संख्या

इसमें कोई दो राय नहीं है कि अब लोग रिलेशनशिप में रहने की बजाय अकेले यानि सिंगल रहना चाहते हैं। इसीलिए आजकल की पीढ़ी में सिचुएशनशिप, वन नाईट स्टैंड जैसी चीजें लोकप्रिय हो रही है। अकेले रहने वाले लोगों की संख्या 1981 में 1.7 मिलियन से बढ़कर 2021 में 4.4 मिलियन हो गई है। लोगों के सिंगल होने की कई वजहें हैं। कुछ अकेले रहना पसंद करते हैं, कुछ व्यक्तिगत लक्ष्यों और आकांक्षाओं पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। कुछ रिपोर्ट के अनुसार, डेटिंग कठिन हो गई है इसलिए लोग सिंगल है। कुछ लोग ब्रेकअप होने के बाद फिर से रिलेशनशिप में नहीं आना चाहते, इसलिए सिंगल हैं। जर्नल ऑफ पर्सनैलिटी में प्रकाशित एक रिसर्च के अनुसार, लोग सिंगल जिंदगी गुजार सकते हैं। लेकिन ऐसा करना हर किसी की बस की बात नहीं है। हर किसी की सिंगल लाइफ सफल नहीं हो पाती है। इसके पीछे की मुख्य वजह लगाव है। आपको शायद ये जानकर हैरानी होगी कि लगाव करने के सबके अपने-अपने तरीके होते हैं। अपने इन्हीं लगाव के तरीकों से लोग सिंगल या रिश्ते में रहते हैं। दरअसल, आप अपने लगाव की जरूरतों के हिसाब से अन्य लोगों के साथ संबंध बनाते हैं। बहुत से लोगों को लगाव से डर लगता है, इसलिए वो किसी के साथ ज्यादा समय बिताना पसंद नहीं करते हैं। किसी से लगाव होने की चिंता एक प्रकार की असुरक्षा है, जो लोगों को रिश्ते में आने से रोकती है। इतना ही नहीं लगाव से बचने से लोग अंतरंगता और निकटता से दूर हो जाते हैं। लेकिन हर किसी के साथ ऐसा नहीं है। कुछ लोगों को लगाव होने की चिंता होती है, लेकिन औरों से कम, इसलिए ऐसे लोग दूसरों पर निर्भर रहने और अंतरंगता देने और प्राप्त करने में सहज होते हैं। रिसर्च के अनुसार, सुरक्षित सिंगल लोग अकेले रहकर अपनी जिंदगी का लुफ्त उठा रहे हैं। ऐसे लोग के गैर-रोमांटिक रिश्तों की संख्या अधिक होती है। सुरक्षित सिंगल लोग के परिवार और दोस्तों के साथ रिश्ते अच्छे होते हैं। रोमांटिक रिश्तों के बाहर रहकर वह अपनी सेक्स की जरूरतों को पूरा करते हैं और कुल मिलाकर कहा जाए तो ये लोग अपने जीवन में ज्यादा खुश हैं। दिलचस्प बात यह है कि ये लोग भविष्य में रोमांटिक रिश्ते में रहने में रुचि रखते हैं। चिंतित सिंगल लोग अकेले रहने के बारे में सबसे अधिक चिंतित होते हैं।

स्किन टाइट रखने में मददगार साबित होगा रोज ड्राई फ्रूट खाना, झुर्रियां होगी दूर

स्किन का ध्यान न रखना और खराब लाइफस्टाइल के चलते समय से पहले चेहरे पर झुर्रियां और फाइन लाइंस एजिंग के निशान दिखने लगते हैं। वैसे तो सभी लोग यंग दिखना चाहते स्किन केयर और बढ़िया डाइट से सब दूर रहते हैं। जब आपके शरीर को पर्याप्त पोषण नहीं मिलेगा तो उम्र से पहले ही बुढ़ापे के लक्षण नजर आने लगते हैं।

अगर आप डाइट में एंटी-एजिंग गुणों की चीजों को शामिल करते है, तो आपके बुढ़ापे की रफ्तार धीमी जरुर कर सकते हैं। चलिए हम आपको ऐसे ड्राई फ्रूट के बारे में बताएंगे जिनके सेवन आपकी स्किन उम्र से पहले बूढ़ा होने से बचाता है और साथ ही एजिंग के लक्षणों को भी कम करता है।

बादाम खाएं

अगर आप भी समय से पहले बूढ़ा नहीं दिखना चाहते हैं तो अपनी डाइट में बादाम जरुर शामिल करें। बादाम में विटामिन्स, मिनरल्स और फाइबर होता है जो स्किन को पोषण देता है।

बादाम में मौजूद विटामिन्स स्किन में कोलेजन को सुरक्षित रखने में मदद करता है। जिससे आपकी स्किन जवान दिखती है।

स्किन को टाइट रखता है

बादाम विटामिन ई से भरपूर होता है जो स्किन में नमी बनाए रखता है जिससे स्किन की इलास्टिसिटी बढ़ती है। प्रतिदिन 6-7 बादाम खाने से आप अपनी स्किन को टाइट और सुंदर रख सकते हैं। रात भर भीगे हुए बादाम खाने से भी कई फायदे मिलते हैं।

शरीर को फायदे ही नहीं नुकसान भी दे सकता है अश्वगंधा

आयुर्वेद में ऐसी कई जड़ी-बूटियों बताई गई हैं जो स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होती हैं। इनका सेवन करने से कई तरह की बीमारियों का जोखिम कम होता है। उन्हीं जड़ी-बूटियों में से एक है अश्वगंधा। अश्वगंधा में एंटीऑक्सीडेंट्स, एंटीइंफ्लेमेटरी, एंटीबैक्टीरिल गुण पाए जाते हैं जो शरीर को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। इसके अलावा अश्वगंधा में एंटी स्ट्रेस गुण भी पाए जाते हैं जो तनाव दूर करने में मदद करते हैं। तो चलिए आज आपको इस आर्टिकल के जरिए अश्वगंधा के फायदे और नुकसान बताते हैं।

कैंसर से होगा बचाव

कैंसर से बचने के लिए अश्वगंधा बेहद फायदेमंद माना जाता है। कई शोधों में यह बात सामने आई है कि अश्वगंधा का सेवन करने से कैंसर सेल्स बढ़ने से रुकते हैं। यह शरीर में रिएक्टिव ऑक्सीजन स्पीशीज का निर्माण करते हैं जो कैंसर सेल्स को खत्म करने और कीमोथेरेपी से होने वाले नुकसान से बचाने में मदद करते हैं।

इम्यूनिटी बनेगी मजबूत

अश्वगंधा में पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट्स इम्युन सिस्टम को भी मजबूत बनाने में मदद करते हैं। सर्दी-जुकाम जैसी परेशानियों से बचाने में भी अश्वगंधा बेहद फायदेमंद माना जाता है।

आंखों की रोशनी होगी तेज

इसका सेवन करने से आंखों की रोशनी तेज होती है। रोजाना दूध के साथ इसका सेवन करने से आंखों में पड़ रहे स्ट्रेस से भी छुटकारा मिलता है।

मानसिक तनाव होगा दूर

यह मानसिक तनाव दूर करने में भी बेहद फायदेमंद माना जाता है। एक रिपोर्ट की मानें तो इसका सेवन करने से 70 फीसदी तक तनाव कम किया जा सकता है। यह शरीर और मानसिक संतुलन को ठीक रखने में फायदेमंद माना जाता है। इसका सेवन करने से आपको नींद भी अच्छी आती है। इसके अलावा अश्वगंधा कई तरह की समस्याओं से छुटकारा दिलवाने में भी मदद करता है।

शारीरिक समस्याओं से बचाव

अश्वगंधा व्हाइट ब्लड सेल्स और रेड ब्लड सेल्स बढ़ाने में मदद करता है। इसका सेवन करने से कई तरह की गंभीर शारीरिक समस्याओं से बचाव रहता है।

इस तरह करें सेवन

अश्वगंधा से बने चूर्ण का सेवन आप पानी, शहद या फिर घी में मिलाकर कर सकते हैं। रात में सोने से पहले दूध के साथ इसका सेवन फायदेमंद माना जाता है।

इसके अलावा खाना खाने के बाद इसे आप खा सकते हैं। कुछ लोग खाली पेट भी अश्वगंधा खाते हैं लेकिन खाली पेट इसका सेवन नुकसानदायक हो सकता है। ऐसे में किसी डॉक्टर या आयुर्वेदिक एक्सपर्ट्स से पूछकर ही इसका सेवन करें।

यह हो सकते हैं नुकसान

1- यदि आपका ब्लड प्रेशर हाई होता है तो डॉक्टर से पूछकर ही इसका सेवन करें। इसके अलावा यदि बीपी लो भी होता है तो भी इसका सेवन न करें।

2- अश्वगंधा का सेवन पेट के लिए हानिकारक हो सकता है। इसे खाने से डायरिया की समस्या हो सकती है। ऐसे में इसका इस्तेमाल करने से पहले डॉक्टर की सलाह ले लें।

3- यदि आपको नींद नहीं आती तो आप इसका सेवन कर सकते हैं लेकिन ज्यादा दिनों तक इसका इस्तेमाल आपको नुकसान भी पहुंचा सकता है।

4- अश्वगंधा की यदि सही डोज न ली जाए तो उल्टी और जी मिचलाने जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

5- इसका ज्यादा प्रयोग भी स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक हो सकता है। ज्यादा मात्रा में इसका इस्तेमाल करने से बुखार, थकान और सिरदर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

सावधान! भूलकर भी गूगल पर न सर्च करें ये चीजें, नहीं तो होगी जेल

आज का युग इंटरनेट का है। हर सूचना और जानकारी लोगों के इंटरनेट के माध्यम से मिल जाती है। इसके लिए कई सर्च इंजन है। जिनका प्रयोग करके आप कुछ भी सर्च कर सकते हैं। जब कोई चीज सर्च करते हैं तो लोग गूगल का सहारा लेते हैं। सबसे ज्यादा इस्तेमाल किए जाने वाला सर्च इंजन गूगल है। बता दें कि, साल 2024 में शेयर किए गए आंकड़ों के अनुसार 77.52त्न लोगों की पसंद गूगल था। गूगल पर सर्च करना काफी आसान है। हालांकि कुछ चीजों को गूगल पर भूलकर भी सर्च न करें। वरना आप मुसीबत में पड़ जाएंगे। आइए जानते हैं किन चीजों को सर्च न करें।

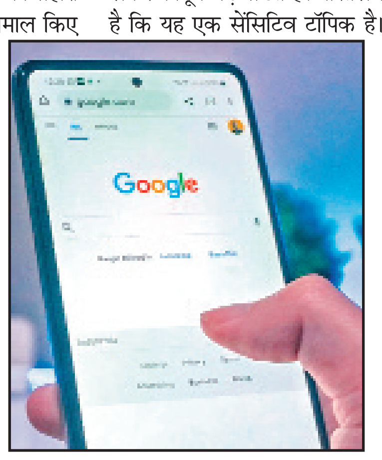

बम बनाने का तरीका

बम कितना खतरनाक है यह सभी लोग जानते हैं। इसका इस्तेमाल आंतकवादी या दहशतगर्द ही करते हैं। इसीलिए अगर आपने गलती से भी गूगल पर बम बनाने का तरीका सर्च किया। या इसी से संबंधित कुछ और सर्च किया तो आप मुश्किलों में फंस सकते हैं। पुलिस आपको पकड़कर जेल में बंद कर देगी।

पायरेटेड फिल्में

पायरेटेड फिल्मों को लेकर भारत में कानून काफी सख्त है। अगर आप गूगल पर फिल्मों को पायरेटे करने के बारे में सर्च करते हैं। या इस तरह का काम करने की प्रक्रिया को सर्च करते हैं। तो आपको 3 साल तक के लिए जेल में भेजा जा सकता है। इसके साथ ही आप 10 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया जा सकता है।

चाइल्ड पॉर्न

भारत में चाइल्ड पोर्नोग्राफी को लेकर कानून बड़े सख्त हैं। गौरतलब है कि यह एक सेंसिटिव टॉपिक है। इस बारे में गूगल पर अगर किसी ने गलती से भी सर्च किया तो पोस्को एक्ट 2012 के सेक्शन 14 के तहत जेल भेजा जा सकता है। आपको 5 साल से लेकर 7 साल तक के लिए जेल जाना पड़ सकता है। इसलिए गलती से भी चाइल्ड पोर्नोग्राफी को लेकर गूगल पर किसी भी तरह का कुछ सर्च नहीं करना चाहिए।

अबॉर्शन

अबॉर्शन को लेकर भारत में कड़े नियम कानून बनाए गए। इसीलिए कोई भी इन नियमों का उल्लंघन नहीं कर सकता अबॉर्शन को लेकर अगर आप गूगल पर कुछ चीज सर्च करते हैं। तो आप पर कार्रवाई हो सकती है।

आंतों पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं यह फूड्स, हो सकता है कैंसर

कुछ फूड्स ऐसे हैं, जो आंतों पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं। इनके सेवन से सूजन, असुविधा और पाचन संबंधी गड़बड़ी हो सकती है। आपको जानकर हैरानी होगी कि ये सब कोलन कैंसर (पेट का कैंसर) का कारण भी बन सकता है।

संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए आंतों के स्वास्थ्य को बनाए रखना महत्वपूर्ण है। आंत पाचन, पोषक तत्वों के अवशोषण और प्रतिरक्षा कार्य में मौलिक भूमिका निभाती है। हालाँकि, कुछ फूड्स ऐसे हैं, जो आंतों पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं। इनके सेवन से सूजन, असुविधा और पाचन संबंधी गड़बड़ी हो सकती है। आपको जानकर हैरानी होगी कि ये सब कोलन कैंसर (पेट का कैंसर) का कारण भी बन सकता है। इसलिए आपके लिए यह जानना जरुरी है कि कौन से फूड्स आपकी आतों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। ऐसे फूड्स का सेवन करने से परहेज करें या फिर अपनी डाइट से बाहर कर दें और एक अच्छी स्वस्थ जिंदगी को बढ़ावा दें।

प्रोसेस्ड फूड्स : रिफाइंड चीनी, अस्वास्थ्यकर वसा से भरपूर और एडिटिव्स वाले फूड्स आंत में बैक्टीरिया के संतुलन को खराब कर सकते हैं। इससे आतों में सूजन की समस्या हो सकती है।

मसालेदार खाना– मसालेदार भोजन आंतों की परत में जलन पैदा कर सकता है। इर्रिटेबल बाउल सिंड्रोम (आईबीएस) या इंफ्लेमेटरी बाउल रोग (आईबीडी) की समस्या से जूझ रहे लोगों को मसालेदार खाने से आतों में ज्यादा दिक्कत होती है।

ग्लूटेन युक्त फूड्स– सीलिएक रोग या ग्लूटेन संवेदनशीलता वाले व्यक्तियों के लिए ग्लूटेन से भरपूर फूड्स खाने से आंतों को नुकसान हो सकता है और दस्त, पेट दर्द और सूजन जैसी समस्या पैदा हो सकती हैं।

शराब– ज्यादा शराब का सेवन आंतों की परत को परेशान कर सकता है। ये आंत के काम को बाधित कर सकता है और सूजन में योगदान कर सकता है।

फैट से भरपूर फूड्स– फैट से भरपूर फूड्स खासकर संतृप्त और ट्रांस वसा का जरुरत से ज्यादा सेवन करना सूजन में योगदान कर सकता है आंतों के कार्य को ख़राब कर सकता है।

एसिडिक फूड्स– फूड्स और ड्रिंक्स जैसे खट्टे फल और कुछ प्रकार के रस में एसिड होता है, जो एसिड रिफ्लक्स को बढ़ा सकते हैं और अतिसंवेदनशील व्यक्तियों में आंतों की परत में जलन पैदा कर सकते हैं।

डिस्क्लेमर : इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

ब्राइडल लुक में अट्रैक्टिव दिखने के लिए ट्राई करें लेटेस्ट डिजाइन वाला चूड़ा

अगर आपकी भी जल्द शादी होने वाली है और आप अट्रैक्टिव और यूनिक चूड़ा ढूंढ रही हैं। तो हम आपको नए चूड़ा डिजाइन के बारे में बताने जा रहे हैं। ऐसे में आप यूनिक डिजाइन के चूड़ा पहन कर अपने दिन को और भी अधिक खास बना सकती हैं।

हर लड़की अपनी शादी के दिन सबसे खास दिखना चाहती है। ऐसे में हर लड़की अपने आउटफिट से लेकर हर चीज को परफेक्ट तरीके से वियर करने के बारे में सोचती है। दुल्हन के आउटफिट में लहंगे समेत कई चीजों का खास ख्याल रखा जाता है। वहीं इसमें ज्वैलरी और चूड़ा भी शामिल है। चूड़ा हर दुल्हन को काफी ज्यादा अट्रैक्ट करता है।

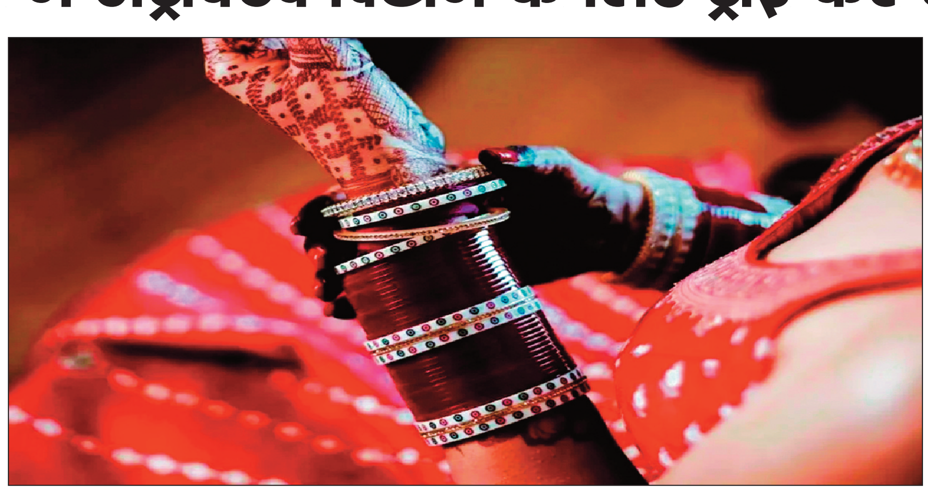

ऐसे में आपको बाजार में चूड़ा के बहुत सारे डिजाइन देखने को मिल जाएंगे। ऐसे में अगर आपकी भी जल्द शादी होने वाली है और आप अट्रैक्टिव और यूनिक चूड़ा ढूंढ रही हैं। तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको नए चूड़ा डिजाइन के बारे में बताने जा रहे हैं।

राजवाड़ी चूड़ा

अधिकतर दुल्हन लाल रंग का चूड़ा पहनती हैं। लेकिन अगर आप कुछ अलग ट्राई करना चाहती हैं, तो आप लाल रंग के चूड़ा की जगह राजवाड़ी चूड़ा पहन सकती है। राजवाड़ी चूड़ा का डिजाइन काफी अलग और खूबसूरत होता है। जो शादी के दिन दुल्हन के लहंगे के साथ काफी ज्यादा अच्छा लगेगा। राजवाड़ी चूड़ा रेड, ग्रीन और गोल्डन रंग में होता है। इसमें बीड्स, स्टोन और पर्ल डिजाइन से बनाया जाता है। जिससे चूड़ा को अट्रैक्टिव लुक देता है।

राजशाही चूड़ा

मल्टीकलर राजशाही चूड़ा भी आजकल काफी ज्यादा ट्रेंड में है। अगर आप इसमें गोल्डन और रेड कलर में चूड़ा पहनना चाहती हैं, तो आप राजशाही चूड़ा ट्राई कर सकती हैं। यह राजशाही चूड़ा में गोल्डन और लाल वर्क किया जाता है, जो इस चूड़े को बेहद यूनिक और काफी ज्यादा खूबसूरत बनाता है। अगर आपकी भी शादी होने वाली है और आप शादी वाले दिन डार्क कलर का आउटफिट पहन रही हैं।

तो इस पर राजशाही चूड़ा काफी अच्छा लगेगा।